वर्ष 72 ▸▸ अंक 240 ▸▸ पृष्ठ 12
रीवा, गुरुवार 29 मई, 2025
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष 3, विक्रम संवत् 2082
नगर ▸▸ मूल्य 5 रुपए

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

# दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

बीता हुआ कल, महज
आज की स्मृति है,
और आने वाला कल,
आज का सपना।
- खलील जिब्रान

## भारत के अनुरोध पर इंटरपोल ने जारी किया पहला 'सिल्वर नोटिस'

### खंगाली जाएंगी फ्रांसीसी दूतावास के पूर्व वीजा अधिकारी शुभम शौकीन की विदेशों में मौजूद संपत्तियां

**नई दिल्ली, जेएनएन।** इंटरपोल ने वीजा धोखाधड़ी के सिलसिले में वांछित फ्रांसीसी दूतावास के पूर्व अधिकारी शुभम शौकीन की वैश्विक संपत्तियों का पता लगाने के लिए भारत के अनुरोध पर पहला 'सिल्वर नोटिस' जारी किया है। 'सिल्वर नोटिस' एक रंग-अधारित नोटिस है, जिसकी शुरुआत इंटरपोल द्वारा इस साल जनवरी में की गई थी। इसका उद्देश्य दुनियाभर में अवैध संपत्तियों की जानकारी जुटाना है। बता दें कि सीबीआई के अनुरोध पर

इंटरपोल ने लगातार दो सिल्वर नोटिस जारी किए हैं। पहला अनुरोध 23 मई को दिल्ली में फ्रांसीसी दूतावास में कर्मचारी वीजा एवं स्थानीय कानून अधिकारी शुभम शौकीन के खिलाफ किया गया था और दूसरा 26 मई को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा वांछित अमित मदनलाल लखनपाल के खिलाफ। सीबीआई ने कहा, सितंबर 2019 से मई 2022 की अवधि के दौरान शौकीन ने अन्य अभियुक्तों के साथ मिलकर साजिश रची और प्रत्येक आवेदक से 15 से 45 लाख रुपए तक की रिश्वत लेकर उनकी 'शेंगेन' वीजा जारी करने में मदद की। आरोपियों ने अपराध से अर्जित आय का इस्तेमाल दुबई में 15 करोड़ मूल्य की 6 अचल संपत्तियां खरीदने में किया। लखनपाल ने अपने वित्तीय लाभ के लिए एमटीसी नामक एक क्रिप्टोकरेंसी बनाई, जिसे भारत में मान्यता प्राप्त नहीं है। उसने निवेशकों को एमटीसी में निवेश करने के लिए लुभाया और उनसे लगभग 113.10 करोड़ रुपए की धनराशि एकत्र की। उसने सरकार या भारतीय रिजर्व बैंक से अपेक्षित अनुमति और लाइसेंस के बिना ऐसा किया। सीबीआई ने कहा कि उसने जमाकर्ताओं को निवेश की गई राशि वापस करने का वादा किया था लेकिन फिर कोई रकम उसने नहीं लौटाई।

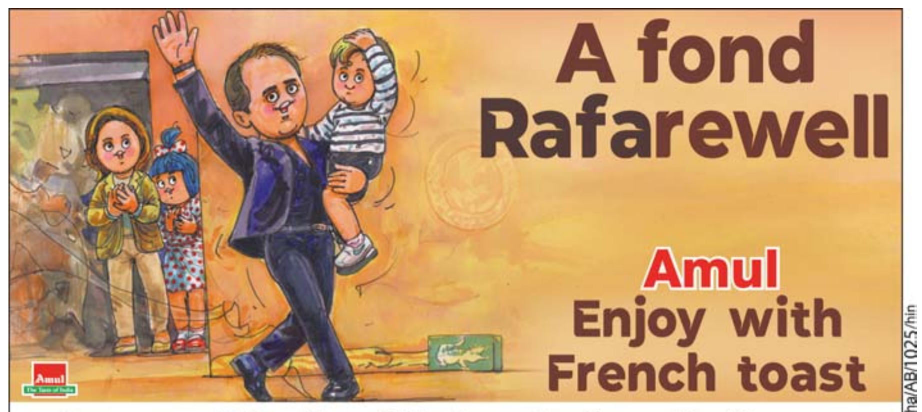


राफेल नडाल को फ्रेंच ओपन में विदाई समारोह में सम्मानित किया गया !

## ऑफ बीट

### इस गांव में 40 साल से नहीं गूंजी किलकारी

*मध्य प्रदेश के सीधी जिले में घने जंगलों के बीच एक अद्भुत गांव है। यहां बीते 40 साल से किसी बच्चे की किलकारी नहीं गूंजी है। जिला मुख्यालय से करीब 90 किलोमीटर दूर भुईमाड़ क्षेत्र का हाराई गांव अपनी एक रहस्यमयी मान्यता को लेकर चर्चा में रहता है। इस गांव में खैरवार समाज के लोग रहते हैं। मान्यता है कि गांव की ग्राम देवी 'अंगरा देवी' की नाराजगी के कारण गांव में संतान जन्म नहीं लेती। असल में माना जाता है कि खैरवार समाज के पूर्वज छत्तीसगढ़ से देवी चुराकर लाए थे। गांव के एक पुराने पीपल के पेड़ में उनकी स्थापना की गई। सालों तक देवी की पूजा और बंदूक की सलामी होती रही, लेकिन जब शासन ने ग्रामीणों से बंदूकें वापस ली, तो से देवी नाराज हो गईं। परिणामस्वरूप, गांव में संतान उत्पत्ति पर विराम लग गया। इसके बाद कई अधिकारी आते-जाते रहे, लेकिन इस गांव की समस्या का हल आजतक नहीं निकला।*

IPL 2025 TATA IPL **आईपीएल में आज**

**क्वालिफायर-1**
**पंजाब बनाम बेंगलुरु**
**समय : शाम 7.30 बजे से**
**प्रसारण: स्टार स्पोर्ट्स और जियो हॉटस्टार पर**

**केंद्रीय कैबिनेट का फैसला:** किसानों को मिलता रहेगा कम ब्याज पर लोन

# धान, कपास समेत खरीफ की 14 फसलों की एमएसपी बढ़ाई

**नई दिल्ली, जेएनएन।** केंद्र सरकार ने धान, कपास, सोयाबीन, अरहर समेत खरीफ की 14 फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ा दिया है। केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को यह फैसला लिया।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि धान की नई एमएसपी 2,369 रुपए तय की गई है, जो पिछली एमएसपी से 69 रुपए ज्यादा है।

कपास की नई एमएसपी 7,710 रुपए तय की गई है। इसकी एक दूसरी किस्म की नई एमएसपी 8,110 रुपए कर दी गई है, जो पहले से 589 रुपए ज्यादा है। नई एमएसपी से सरकार पर 2 लाख 7 हजार करोड़ रुपए का बोझ पड़ेगा। यह पिछले फसल सीजन की तुलना में 7 हजार करोड़ रुपए ज्यादा है। उन्होंने बताया कि एमएसपी फसल की लागत से कम से कम 50 प्रतिशत ज्यादा हो, इस बात का ध्यान रखा गया है। गौरतलब है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य वह गारंटीड मूल्य है जो किसानों को उनकी फसल पर मिलता है। भले ही बाजार में उस फसल की कीमतें कम हों। ■ शेष पृष्ठ 7 पर

### रतलाम-नागदा तीसरी और चौथी रेल लाइन मंजूर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक में मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र को दो बड़ी सौगातें दी गई हैं। भारतीय रेल में दो मल्टीट्रैकिंग योजनाएं मंजूर की गई हैं जिनसे यात्रियों और वस्तुओं का तेज गति से परिवहन होगा। जिन दो परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, उनमें रतलाम-नागदा तीसरी और चौथी लाइन व वर्धा-बल्हारशाह चौथी लाइन शामिल हैं। इन दोनों परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत 3,399 करोड़ रुपए है और इन्हें 2029-30 तक पूरा किया जाएगा। इससे रतलाम और नागदा के बीच रेलवे नेटवर्क और भी ज्यादा मजबूत होगा। बता दें कि रतलाम जंक्शन प्रदेश के प्रमुख रेल जंक्शनों में से एक है जिससे रोजाना सैकड़ों ट्रेनें गुजरती हैं। ये दोनों परियोजनाएं भारतीय रेल के मौजूदा नेटवर्क को लगभग 176 किलोमीटर तक विस्तारित करेंगी। इनसे लगभग 784 गांवों तक संपर्क सुविधा बढ़ेगी।

### किसान क्रेडिट कार्ड पर ब्याज में मिलती रहेगी सब्सिडी

केंद्र सरकार ने 2025-26 में भी किसान क्रेडिट कार्ड की ब्याज सब्सिडी योजना को जारी रखने का फैसला किया। यह योजना किसान क्रेडिट कार्ड के जरिए किसानों को कम ब्याज पर लोन देने के लिए है। किसान कार्ड से 3 लाख रुपए तक का लोन सात प्रतिशत ब्याज पर ले सकते हैं, जिसमें बैंकों को 1.5 प्रतिशत ब्याज राशि सरकार मुहैया कराती है। जो किसान समय पर लोन चुका देते हैं, उन्हें तीन प्रतिशत तक का प्रोत्साहन भी मिलता है, यानी उनका ब्याज सिर्फ चार प्रतिशत रह जाता है। इसके तहत पशुपालन या मछली पालन के लिए दो लाख रुपए तक का लोन मिलता है।

### बडवेल-नेल्लोर के बीच फोर-लेन हाईवे बनेगा

केंद्र ने आंध्र प्रदेश में बडवेल-नेल्लोर के बीच 108 किमी लंबे फोर-लेन हाईवे को भी मंजूरी दे दी है। इस परियोजना की लागत 3,653 करोड़ रुपए है। यह हाईवे आंध्र प्रदेश के कृष्णापटनम पोर्ट और नेशनल हाईवे-67 के एक हिस्से को जोड़ने का काम करेगा, जिससे पोर्ट कनेक्टिविटी बेहतर होगी।

### एमएसपी को कानूनी दर्जा दे केंद्र सरकार

एमएसपी बढ़ाने पर किसान नेता बलबीर सिंह राजेवाल ने कहा कि यह अच्छी खबर है, लेकिन अभी एमएसपी बढ़ाना है या नहीं, यह सरकार की इच्छा पर निर्भर करता है। इस स्थिति में बदलाव होना चाहिए। किसान चाहते हैं कि एमएसपी को कानूनी दर्जा दिया जाए ताकि बढ़ोत्तरी सुनिश्चित हो सके।

### प्रमुख फसलों की नई एमएसपी

| फसल | बढ़ोतरी |
|---|---|
| रागी | 596 |
| ज्वार | 328 |
| मक्का | 175 |
| बाजरा | 150 |
| अरहर | 450 |
| उड़द | 400 |
| मूंग | 86 |
| मूंगफली | 480 |
| सोयाबीन | 436 |
| सूरजमुखी | 441 |
| तिल | 579 |

(बढ़ोतरी रुपयों में)

## रतलाम में बिहार एसटीएफ की गाड़ी पलटी, 2 की मौत

### अपराधी को पकड़ने गुजरात जा रही टीम हादसे का शिकार

**जागरण, रतलाम।** गुजरात में एक अपराधी को पकड़ने जा रही बिहार एसटीएफ की टीम सड़क हादसे का शिकार हो गई। हादसे में एक एसआई और आरक्षक की मौत हुई है, जबकि चार जवान गंभीर रूप से घायल हुए हैं। हादसा बुधवार को रतलाम में इसरथुनी 8 लेन दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर हुआ। बताया जा रहा है कि मोड़ पर तेज स्पीड में गाड़ी के अनियंत्रित होने से हादसा हुआ है। सूचना मिलते ही एसपी अमित कुमार पुलिस अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे।

हादसा इतना भीषण था कि चार पहिया वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। आसपास के लोगों की मदद से घायलों को तत्काल रतलाम के मेडिकल अस्पताल लाया गया। यहां सब इंस्पेक्टर मुकुंद मुरारी और आरक्षक विकास कुमार ने रास्ते में दम तोड़ दिया। इसके अलावा सब इंस्पेक्टर संतोष कुमार, आरक्षण मिथिलेश पासवान, रंजन कुमार और जीवधारी कुमार का मेडिकल कॉलेज में प्रारंभिक उपचार कर चारों को इंदौर रेफर किया गया है। एसपी ने कहा कि बिहार एसटीएफ की टीम एक आरोपी को पकड़ने के लिए स्कॉर्पियो में गया से गुजरात के गांधीधाम जा रही थी। एसटीएफ के जवान रेड डालने के लिए जा रहे थे। उनका मिशन सीक्रेट था। हालांकि, रतलाम पुलिस को उनके यहां से जाने की सूचना दी गई थी। गाड़ी पलटने की वजह अभी साफ नहीं है लेकिन ड्राइवर ने संतुलन खो दिया। हादसे के बाद गाड़ी लगभग 100 मीटर तक घिसटती चली गई। उन्होंने कहा कि मप्र पुलिस बिहार पुलिस के संपर्क में है।

### बिहार से पहुंच रही पुलिस टीम

बिहार एडीजी हेडक्वार्टर और ऑपरेशन कुंदन कृष्णन ने बताया- मध्यप्रदेश में सड़क हादसे में हमारे जवानों की मौत हुई है। एक अपराधी को पकड़ने के लिए टीम गुजरात जा रही थी। इसी बीच हादसा हो गया। बिहार से एक टीम को रतलाम भेजा जा रहा है। वे वहां से साथी जवानों की डेड बॉडी लेकर आएंगे और घायल जवानों का इलाज कराएंगे।

## देश में कोरोना संक्रमितों की संख्या 1231 हुई

**नई दिल्ली, जेएनएन।** अब देश में कोरोना के एक्टिव केसों की संख्या 1231 हो गई है। दरअसल, बुधवार शाम तक कोरोना के 144 नए मामले दर्ज किए गए। सबसे ज्यादा 61 मामले केरल में दर्ज किए गए। इस राज्य में कोरोना के 470 मामले हो चुके हैं।

महाराष्ट्र में 218 लोग कोरोना पॉजिटिव हैं। दिल्ली और कर्नाटक में भी कोरोना के 100 से ज्यादा केस सामने आ चुके हैं। पंजाब के चंडीगढ़ में कोविड-19 संक्रमण से पहली मौत का मामला सामने आया है। सेक्टर-32 स्थित गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (जीएमसीएच-32) में भर्ती लुधियाना निवासी 40 वर्षीय व्यक्ति ने दम तोड़ दिया। एक मरीज की मौत केरल में हुई। इस तरह देश में कोरोना से मरने वालों की संख्या भी 12 हो गई है। पटना के सरकारी अस्पताल में एक डॉक्टर और दो नर्सें कोरोना संक्रमित पाई गई हैं। उधर, एम्स दिल्ली ने कहा है कि कोरोना से डरने की जरूरत नहीं है। अब इस संक्रमण की हैसियत फ्लू से ज्यादा नहीं बची है।

## 17 वर्षीय बेटी ने कराई मां-बाप पर एफआईआर

### रात 3 बजे दोस्त से मिलने के लिए किया था मना

**क्राइम रिपोर्टर, भोपाल।** रेलवे सेंट्रल स्कूल में 10वीं कक्षा में पढ़ने वाली छात्रा ने रात 3 बजे फ्रेंड से मुलाकात करने से रोकने पर अपने ही माता-पिता के खिलाफ थाने पहुंचकर मामला दर्ज करा दिया। उसने माता-पिता पर मानवीय स्वतंत्रता के हनन का आरोप लगाते हुए दावा किया कि दोनों ने उसे पहले फ्रेंड से मिलने से रोका, बाद में उसके साथ बेरहमी से मारपीट की। उसे चोट लगी है। हनुमानगंज पुलिस ने छात्रा की शिकायत पर उसके माता-पिता के खिलाफ मारपीट समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है। इधर, पुलिस को माता-पिता ने बताया कि नाबालिग बेटी की भलाई के लिए उन्होंने सिर्फ नसीहत दी थी।

हनुमानगंज थाना प्रभारी अवधेश भदौरिया ने बताया कि इलाके में रहने वाली 17 वर्षीय किशोरी रेलवे सेंट्रल स्कूल में 10वीं की छात्रा है। उसने आरोप लगाए कि उसके माता-पिता छोटी-छोटी बातों पर गाली-गलौच के साथ मारपीट करते हैं। दोस्तों से मिलने से रोकते हैं। 25 मई की रात करीब 3 बजे छात्रा चोपड़ा कला निवासी अपने फ्रेंड बिट्टू से मिलने जाने की जिद कर रही थी। देर रात होने की वजह से पिता ने घर से बाहर ■ शेष पृष्ठ 7 पर

> माता-पिता बच्ची के कुदरती और कानूनी संरक्षक हैं। समझाइश से नहीं रुकने पर बल पूर्वक भी उनका रोकना अधिकार है। इसकी वजह यह कि बच्ची नाबालिग है। देर रात वह किसी घटना का शिकार भी हो सकती थी। पुलिस को एफआईआर से पहले जांच करनी चाहिए थी। बच्ची किसी के बहकावे की वजह से घर से बाहर जाने की जिद कर रही होगी, इसकी भी जांच करनी चाहिए।
> - **जगदीश गुप्ता**, सीनियर क्रिमिनल लॉयर

## मीठी नदी मामले में डिनो मोरिया से 6 घंटे पूछताछ

**मुंबई, जेएनएन।** अभिनेता डिनो मोरिया से मीठी नदी सफाई घोटाले के सिलसिले में बुधवार को भी करीब छह पूछताछ की गई। उन्हें आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने कुछ दस्तावेज लेकर बुलाया था। इससे पहले मंगलवार को भी डिनो से करीब 7 घंटे पूछताछ की गई थी।

मीठी नदी से गाद निकालने के घोटाले के सिलसिले में गिरफ्तार दो बिचौलियों के साथ कथित संबंधों को लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है। अभिनेता और उनके भाई का मुख्य आरोपी केतन कदम से संबंध तब उजागर हुआ जब मुंबई पुलिस को उनके बीच कई बार फोन पर हुई बातचीत का पता चला। पुलिस ने इस महीने की शुरुआत में शहर से होकर बहने वाली मीठी नदी से गाद निकालने से जुड़े 65.54 करोड़ रुपए के कथित घोटाले के सिलसिले में ठेकेदारों और नगर निगम अधिकारियों समेत 13 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज ■ शेष पृष्ठ 7 पर

सोफिया पर शाह की टिप्पणी मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

## एसआईटी को मिला जांच के लिए जुलाई तक का वक्त, हाईकोर्ट में सुनवाई पर रोक

### मंत्री की गिरफ्तारी नहीं होगी

**नई दिल्ली, जेएनएन।** सुप्रीम कोर्ट ने कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ विवादित टिप्पणी मामले में मध्यप्रदेश सरकार में मंत्री विजय शाह की गिरफ्तारी पर रोक को आगे बढ़ा दिया। विजय शाह के खिलाफ जांच कर रही एसआईटी को जुलाई तक का समय दे दिया गया। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के समक्ष लंबित कार्यवाही को भी बंद कर दिया है, क्योंकि शीर्ष अदालत स्वयं इस मामले पर विचार कर रही है।

जस्टिस सूर्यकांत और एन. कोटिस्वर सिंह की पीठ ने मामले की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) की ओर से पेश अंतरिम रिपोर्ट पर विचार करते हुए यह आदेश पारित किया।

मामले की सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि अदालत मामले का किसी भी तरह से राजनीतिकरण नहीं करना चाहती है।

इससे पहले, पीठ ने मध्य प्रदेश के पुलिस उप महानिरीक्षक, भोपाल द्वारा एसआईटी की ओर से दाखिल स्थिति रिपोर्ट पर विचार किया। रिपोर्ट में कहा गया कि एसआईटी ने 21 मई को घटनास्थल का दौरा किया और जांच की। कुछ अन्य सामग्री एकत्र करने के साथ ही, मोबाइल फोन आदि जब्त और गवाहों के बयान दर्ज किए गए। एसआईटी ने कहा कि जांच अभी भी प्रारंभिक चरण में है, इसलिए कुछ और समय की जरूरत है। इसके बाद पीठ ने मामले की सुनवाई जुलाई के दूसरे सप्ताह तक के लिए स्थगित कर दी। साथ ही, एसआईटी को अगली सुनवाई पर अपनी जांच रिपोर्ट देने को कहा है। मामला सुप्रीम कोर्ट के संज्ञान में सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ को बताया कि याचिकाकर्ता मंत्री विजय शाह के खिलाफ हाईकोर्ट में समानांतर कार्यवाही चल रही है। इस पर जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि चूंकि अब मामला उसके संज्ञान में है, इसलिए हाईकोर्ट में चल रही कार्यवाही बंद की जाती है। ■ शेष पृष्ठ 7 पर

**तकनीक** | लंबी दूरी के स्टेल्थ ड्रोन में होगा इस्तेमाल, छोटे और बड़े फाइटर प्लेन में भी लगाने का प्लान

## भारत के कावेरी फाइटर इंजन की रूस में हो रही टेस्टिंग

**नई दिल्ली, जेएनएन।** भारत में बने कावेरी फाइटर जेट इंजन की फ्लाइंग टेस्टिंग डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन (डीआरडीओ) ने रूस में की है। यह परीक्षण उड़ान के दौरान इंजन की क्षमता को आंकने के लिए किया गया है। हालांकि, अभी परीक्षण पूरा हुआ नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि इंजन पर करीब 25 घंटे का परीक्षण होना बाकी है। स्लॉट मिलने पर टेस्टिंग की जाएगी। इसकी कैपेसिटी शोकेस के लिए इसे एक लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) में लगाने का प्लान है। शुरुआत में कावेरी इंजन को तेजस जैसे स्वदेशी एलसीए में लगाने का प्लान था, लेकिन प्रोग्राम में देरी के चलते तेजस में अमेरिकी इंजन जीई-404 लगाया गया। इस इंजन को अब भारत में बने लंबी दूरी के घातक अनमैंड एयर व्हीकल (यूएवी) यानी स्टेल्थ ड्रोन की पावर बढ़ाने के लिए फिर से तैयार किया गया है। बता दें कि डीआरडीओ 5वीं पीढ़ी के एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) के मार्क-2 वर्जन समेत भविष्य के विमानों के लिए ज्यादा पावरफुल इंजन बनाने के लिए विदेशी फर्म के साथ काम कर रहा है। भारत के स्वदेशी लड़ाकू विमान प्रोग्राम में एलसीए मार्क-1, एलसीए मार्क-2 और एएमसीए विकसित करना शामिल है। इस परियोजना में रूस भारत का भागीदार है। कावेरी 2.0 पर भी प्लानिंग चल रही है। 2035 के बाद तेजस मार्क-1 में अमेरिका के जीई-404 इंजन की जगह कावेरी 2.0 को लगाने का प्लान है।

### कावेरी इंजन की विशेषताएं

- कावेरी 80 किलो न्यूटन (केएन) थ्रस्ट (पावर) वाला एक लो बाईपास, ट्विन स्पूल टर्बोफैन इंजन है। बेहतर मैनुअल कंट्रोल के लिए इसमें ट्विन-लेन फुल अथॉरिटी डिजिटल इंजन कंट्रोल (एफएडीईसी) सिस्टम लगाया गया है।
- हाई स्पीड और हाई टेम्प्रेचर के दौरान इंजन का पावर लॉस कम करने के लिए इसे फ्लैट-रेटेड डिजाइन किया गया है। इस तकनीक में इंजन की थ्रस्ट लिमिट उसके मैक्सिमम पॉइंट से कम पर फिक्स कर दी जाती है।

### फाइटर जेट इंजन बनाने की तकनीक सिर्फ चार देशों के पास

दुनिया में पहली बार साल 1930 में जेट इंजन का पेटेंट कराया गया था। 95 साल बाद भी दुनिया के सिर्फ चार देश अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और रूस ही लड़ाकू विमान के इंजन बना पाते हैं। चीन ने कुछ जेट इंजन जरूर बनाए हैं, लेकिन वे भी नकल यानी रिवर्स इंजीनियरिंग करके। आज भी चीन अपने लड़ाकू विमानों के लिए इंजन रूस से लेता है। लड़ाकू विमान का इंजन बनाना कितना पेचीदा है, इसे हम सबसे ज्यादा उड़ान भरने वाले बोइंग 747 जैसे नागरिक विमान के इंजन से समझ सकते हैं। इसके एक इंजन में 40 हजार कलपुर्जे होते हैं। यह 1400 डिग्री सेल्सियस तक गर्म हो जाता है। वहीं, लोहा पिघलने के लिए 1538 डिग्री सेल्सियस तापमान की जरूरत होती है।

## अब एक अधिकारी तीनों सेनाओं के जवानों पर एक्शन ले सकेगा

### देश में इंटर सर्विस ऑर्गनाइजेशन नियम लागू

**नई दिल्ली, जेएनएन।** देश में तीनों सेनाओं के जवानों पर अब एक ही अधिकारी एक्शन ले सकेगा। 27 मई से इंटर सर्विस ऑर्गनाइजेशन नियम लागू कर दिया गया है। केंद्र सरकार ने बुधवार को इसका नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया। अब इंटर सर्विस ऑर्गनाइजेशन के तहत एक कमांडर-इन-चीफ या ऑफिसर-इन-कमांड की नियुक्ति होगी। यह कमांडर सैनिकों पर कंट्रोल करने, कार्रवाई करने में सक्षम होगा। फिर सैनिक किसी भी सेना से जुड़ा हो।

गौरतलब है कि इससे जुड़ा बिल दो साल पहले मानसून सत्र में संसद में पेश और पारित किया गया था। 15 अगस्त 2023 को राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद इसे 10 मई 2024 से लागू किया गया। सरकार ने बुधवार को नए नियमों को आधिकारिक रूप से राजपत्र के माध्यम से अधिसूचित (गजटेड) कर दिया है।

अब नए नियमों के तहत अब कोई भी सेवा अधिकारी (जैसे थलसेना का अधिकारी) इंटर सर्विस ऑर्गनाइजेशन में कार्यरत किसी भी अन्य सेवा (जैसे नौसेना या वायुसेना) के जवानों को कमांड दे सकेगा। पहले इस प्रकार के अधिकार केवल संबंधित सेवा के भीतर ही सीमित होते थे। इससे कई बार संचालन में बाधाएं आती थीं, जैसे कि नेवी अफसर, नौसेना के जवानों को ही आदेश दे सकता था।

नए नियम के तहत इंटर सर्विस ऑर्गनाइजेशन से जुड़े सभी जवान एक अधिकारी के तहत कंट्रोल हो सकेंगे। एक संबंधित अधिकारी को एडमिनिस्ट्रेटिव पावर दी जाएगी। वे किसी भी सेना (आर्मी, नेवी, एयरफोर्स) के जवानों से जुड़े फैसले ले सकेंगे।

# संघे शक्ति युगे युगेः चरैवेति-चरैवेति

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे करने जा रहा है। विभिन्न प्रकल्पों व सेवा कार्यों से संघ ने दुनियां में अपना अलग स्थान बनाया है। इस उपलब्धि में संघ स्वयं सेवकों का समर्पण में सेवा भाव को महत्वपूर्ण योगदान है। स्वयंसेवकों में राष्ट्रभक्ति जगाने के लिए उन्हें विधिवत प्रशिक्षित कर कुंदन बनाया जाता है तब वह देश सेवा में जुटते हैं। आइए जानते हैं-स्वयंसेवकों के प्रशिक्षण के तौर तरीकों के संबंध में।

संघ शिक्षा वर्ग की शुरुआत 1927 में नागपुर में हुई थी। उस दौरान यह तीन सप्ताह तक चले थे और इन्हें ग्रीष्मकालीन वर्ग कहा गया। फिर कुछ सालों बाद इनका नाम 'अधिकारी शिक्षा वर्ग' हो गया। बाद में वर्ष 1950 में इन वर्गों को 'संघ शिक्षा वर्ग' के नाम से जाना जाने लगा। कई वर्षों तक प्रारंभिक व्यवस्था में भोजन आसपास के घरों से आता था और स्थानीय पाठशालाओं में शिक्षार्थियों का निवास रहता था। जैसे नागपुर के लोकांचीशाला, धनवटे नगर विद्यालय (मिल सिटी स्कूलः तत्कालीन नाम) और न्यू इंग्लिश स्कूल के भवन। यह सभी निशुल्क उपलब्ध होते थे। इसके अलावा वर्गों के दौरान चिकित्सा, बिजली, जल इत्यादि के खर्चों के लिए वर्ग में शामिल शिक्षार्थियों से शुल्क भी लिया जाता था। इसके बाद इसमें विस्तार किया गया।

**कार्यक्रम की संरचना :** प्रातः पांच से रात नौ बजे तक वर्ग में शारीरिक और बौद्धिक , सुबह के दो-ढाई घंटे और शाम का डेढ़ घंटा शारीरिक प्रशिक्षण व दोपहर साढ़े 12 बजे से पांच बजे तक का समय विश्राम व वार्तालाप के लिए होता है।

## साल और संघ शिक्षा वर्गों में सम्मिलित स्वयंसेवक

**2012 प्रथम वर्षः** 10,623 शिक्षार्थी 7078 स्थानों से
**द्वितीय वर्ष :** 2581 शिक्षार्थी 2116 स्थानों से
**तृतीय वर्ष नागपुर में:** 923 शिक्षार्थी 859 स्थानों से
**2013 प्रथम वर्षः** 12549 शिक्षार्थी 7408 स्थानों से
**द्वितीय वर्षः** 3063 शिक्षार्थी 2320 स्थानों से
**तृतीय वर्ष नागपुर में:** 1003 शिक्षार्थी 923 स्थानों से
**2015 प्रथम वर्ष :** 17835 शिक्षार्थी 10540 स्थानों से
**द्वितीय वर्ष :** 3715 शिक्षार्थी 2812 स्थानों से
**तृतीय वर्ष नागपुर में:** 875 शिक्षार्थी 804 स्थानों से
**2017 प्रथम वर्षः** 15716 शिक्षार्थी 9734 स्थानों से
**द्वितीय वर्षः** 3796 शिक्षार्थी 2959 स्थानों से
**तृतीय वर्ष नागपुर में:** 899 शिक्षार्थी 834 स्थानों से
**2019 तृतीय वर्ष नागपुर में:** 828 शिक्षार्थी
**2022:** 40 वर्ष से कम आयु के 18,981 और 40 वर्ष से अधिक आयु के 2925 शिक्षार्थियों ने वर्गों में सहभागिता की, इस वर्ष पूरे देश के प्रथम, द्वितीय व तृतीय वर्ष के 101 वर्गों में कुल 21,906 शिक्षार्थी रहे। पहले नागपुर का वर्ग 40 दिनों का होता था जोकि तृतीय वर्ष के रूप में अब 25 दिनों का होता है। प्रथम वर्ष और द्वितीय वर्ष देशभर में होते हैं, जबकि अंतिम तृतीय वर्ष रेशिमबाग, नागपुर में आयोजित होता है।

**संघ शिक्षा वर्ग के दो प्रकार हैं :** 18 से 40 वर्ष आयु के सामान्य वर्ग, और 41 से 65 वर्ष की आयु के विशेष वर्ग। 65 वर्ष से ऊपर प्रवेश नहीं होता। वर्तमान में 25 दिनों के दौरान संघ शिक्षा वर्ग के प्रतिभागियों द्वारा संघ के पूर्ण गणवेश में पथ संचलन भी निकाला जाता है। वर्ग के समारोहका कार्यक्रम नागपुर शहर द्वारा आयोजित होता है। साथ ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक का उद्बोधन होता है जोकि तात्कालिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय विषयों पर संघ के दृष्टिकोण का सारगर्भित विवरण होता है। इनका सामाजिक मुद्दों जिनसे भारत और उसके नागरिकों का सीधा सरोकार होता है, उसपर सरसंघचालक द्वारा संघ की रूपरेखा पेश की जाती है। इसमें संघ के स्वयंसेवकों को भी व्यापक दृष्टि प्राप्त होती है।

## इन वर्गों में यह होता है खास

- **सामाजिक समरसता का भावः** इस दौरान देशभर से बिना किसी जातीय और रंगरूप भेदभाव के शिक्षार्थी एकत्रित होते है।
- **सामूहिक भोजनः** वर्गों में स्वयंसेवक एकसाथ भोजन करते है। इसमें भी किसी तरह से भेदभाव नहीं होता।
- **सामूहिक जीवन का भाव जागृतः** एक साथ मिलकर रहना और वर्गों की सभी गतिविधियों में एकसाथ सहभागिता करना।
- अखिल भारतीय दृष्टि का व्यापक बोध होता है।
- अनुशासन के प्रति जागरूकता पैदा होती है।
- **विविध जानकारियों का ज्ञानः** संघ की भौगोलिक रचनाओं और संरचनाओं का प्रत्यक्ष अनुभव होता है।
- समाज और राष्ट्र के समक्ष पैदा हुई चुनौतियों के समाधान का बोध होता है।
- स्वयंसेवकों में कार्यकुशलता का निर्माण होता है।
- **संगठन का भावः** सबके प्रति अपनापन की भावना पैदा होती है।
- **स्वावलंबनः** वर्गों के दौरान सभी स्वयंसेवक अपने कार्य स्वयं करते है जिससे उनमें अपने कार्यों को स्वयं करने का भाव पैदा होता है।

## संघ की संरचना व प्रकल्प

संघ में संगठनात्मक रूप से सबसे ऊपर सरसंघचालक का स्थान होता है जो पूरे संघ का दिशा-निर्देशन करते हैं। सरसंघचालक की नियुक्ति मनोनयन द्वारा होती है। प्रत्येक सरसंघचालक अपने उत्तराधिकारी की घोषणा करता है। वर्तमान में संघ के सरसंघचालक श्री मोहन भागवत हैं। संघ के ज्यादातर कार्यों का निष्पादन शाखा के माध्यम से ही होता है, जिसमें सार्वजनिक स्थानों पर सुबह या शाम के समय एक घंटे के लिये स्वयंसेवकों का परस्पर मिलन होता है। वर्तमान में पूरे भारत में संघ की लगभग पचपन हजार से ज्यादा शाखा लगती हैं। वस्तुतः शाखा ही तो संघ की बुनियाद है जिसके ऊपर आज यह इतना विशाल संगठन खड़ा हुआ है। शाखा की सामान्य गतिविधियों में खेल, योग, वंदना और भारत एवं विश्व के सांस्कृतिक पहलुओं पर बौद्धिक चर्चा-परिचर्चा शामिल है। जिसकी रचनात्मक व्यवस्था में केंद्र, क्षेत्र, प्रान्त, विभाग, जिला, तालुका/तहसील/महकमा, नगर, खण्ड मण्डल, ग्राम शामिल है।

### ऐसे चलती हैं शाखाएं

शाखा किसी मैदान या खुली जगह पर एक घंटे की लगती है। शाखा में व्यायाम, खेल, सूर्य नमस्कार, समता (परेड), गीत और प्रार्थना होती है। सामान्यतः शाखा प्रतिदिन एक घंटे की ही लगती है। शाखाएँ निम्न प्रकार की होती हैं:-

**प्रभात शाखाः** सुबह लगने वाली शाखा को प्रभात शाखा कहते है।
**सायं शाखाः** शाम को लगने वाली शाखा को सायं शाखा कहते है।
**रात्रि शाखाः** रात्रि को लगने वाली शाखा को रात्रि शाखा कहते है।
**मिलनः** सप्ताह में एक या दो बार लगने वाली शाखा को मिलन कहते है।
**संघ-मण्डलीः** महीने में एक या दो बार लगने वाली शाखा को संघ-मण्डली कहते है।

पूरे भारत में अनुमानित रूप से 73,000 से ज्यादा शाखा लगती हैं। विश्व के अन्य देशों में भी शाखाओं का कार्य चलता है, पर यह कार्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ नाम से नहीं चलता। कहीं पर भारतीय स्वयंसेवक संघ तो कहीं हिन्दू स्वयंसेवक संघ के माध्यम से चलता है।

शाखा में 'कार्यवाह' का पद सबसे बड़ा होता है। उसके बाद शाखाओं का दैनिक कार्य सुचारू रूप से चलने के लिए 'मुख्य शिक्षक' का पद होता है। शाखा में बौद्धिक व शारीरिक क्रियाओं के साथ स्वयंसेवकों का पूर्ण विकास किया जाता है।

## संघ परिवारः वयं सेवामहे

संघ दुनिया के लगभग 80 से अधिक देशों में कार्यरत है। संघ के लगभग 50 से ज्यादा संगठन राष्ट्रीय ओर अंतराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त है ओर लगभग 200 से अधिक संघठन क्षेत्रीय प्रभाव रखते हैं। जिसमे कुछ प्रमुख संगठन है जो संघ की विचारधारा को आधार मानकर राष्ट्र और सामाज के बीच सक्रिय है। जिनमे कुछ राष्ट्रवादी, सामाजिक, राजनैतिक, युवा वर्गों के बीच में कार्य करने वाले, शिक्षा के क्षेत्र में, सेवा के क्षेत्र में, सुरक्षा के क्षेत्र में, धर्म और संस्कृति के क्षेत्र में, संतों के बीच में, विदेशों में, अन्य कई क्षेत्रों में संघ परिवार के संगठन सक्रिय रहते हैं।

### राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ : सफर 100 सालों का

27 सितंबर 1925 को केशव बलिराम हेडगेवार ने नागपुर में RSS की स्थापना की थी
एक नजर अभी तक के सरसंघचालकों पर

### RSS क्या है

| | |
|---|---|
| आरएसएस की शाखाएं 73117 | प्राथमिक 5312 |
| शाखा स्थान 45600 | उच्च प्राथमिक 4164 |
| मिलन 27717 | एकल शिक्षक विद्यालय 6127 |
| मंडलियां 10567 | बजरंग दल-विहिप आखाड़े 2500 |
| विद्याभारती विद्यालय 12,094 | सदस्य 6.8 करोड़ |
| अध्ययनरत छात्र 3.2 करोड़ | भाजपा सदस्य 17 करोड़ |
| प्रशिक्षक संस्थान व कालेज 49 | सरकार 21 राज्यों में |
| सरस्वती हायर सेकेंडरी 923 | लोकसभा सांसद 240 |
| माध्यमिक 2353 | राज्यसभा सांसद 96 |
| पूर्व प्राथमिक 633 | विधायक 1435 |

## प्रमुख अनुषांगिक संगठन

| | |
|---|---|
| भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) | विद्या भारती |
| सहकार भारती | वनवासी कल्याण आश्रम |
| भारतीय किसान संघ | मुस्लिम राष्ट्रीय मंच |
| भारतीय मजदूर संघ | बजरंग दल |
| सेवा भारती | लघु उद्योग भारती |
| राष्ट्र सेविका समिति | भारतीय विचार केन्द्र |
| अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद | विश्व संवाद केन्द्र |
| विश्व हिन्दू परिषद | राष्ट्रीय सिख संगत |
| हिन्दू स्वयंसेवक संघ | हिन्दू जागरण मंच (हि0 जा0 म0) |
| स्वदेशी जागरण मंच | विवेकानन्द केन्द्र |
| सरस्वती शिशु मंदिर | संघ शिक्षण वर्ग |

# ईश्वरीय है स्वयंसेवकों का सेवा-समर्पण भाव

**मैं "संघ" को हिन्दू जनमानस का कल्पवृक्ष कहने में यत्किंचित भी संकोच नहीं करताः स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरि**

महामण्डलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरि
तपोनिधि निरंजनी अखाड़ा

पराधीन भारत में परकीय शासनकताओं ने भारतवर्ष में सनातन आस्थावान ``हिन्द जनमानस की भावनाओं'' कान केवल दमन ही ही किया बल्कि यहाँ के की उपेक्षा करके उन्हें ध्वस्त के सनातनी शाश्वत जीवन मूल्यों कसर नहीं छोड़ी, ऐसे पराधीनता के विषम कालखण्ड में जब भारतवर्ष में ``स्वाधीनता हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है'' इस प्रकार का उद्घोष जनमानस को उद्बेलित कर आम नागरिकों के हृदय में अपना स्थान बना रहा था या बना चुका था भारत को परकीयों के चंगुल से मुक्त कराने की आम धारणा प्रचण्ड ररूप लेगी यह विश्वास देश के तत्कालीन राष्ट्रभक्त समाज में भावनात्मक आकार ग्रहण कर चुकी थी-ऐसे समय में महाराष्ट्र प्रान्त के एक महामनीषी युग पुरुष डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के मन में सर्व समर्थ ईश्वर की सत्प्रेरणा से पराधीन भारत में ``स्वाधीन भारत'' का स्वरूप उनकी परिकल्पना में साकार और मूर्तरूप धारण कर उन्हें ईश्वरीय सत्कार्य के बीजारोपण हेतु उत्प्रेरित कर रहा था। मैं पूर्ण विश्वास पूर्वक अपनी अभिव्यक्ति को अपनी लेखनी के माध्यम से शब्दों में कुछ वाक्यों में पिरो कर प्रस्फुटित कर रहा हूँ- स्वतंत्र भारत में ``सांस्कृतिक सामाजिक व आध्यात्मिक भारत कैसा होगा ? इसका प्रथम बीज सर्व समर्थ परमात्माने जिसे मेरी लेखनी ने ``महामनीषी-युग पुरुष व्यक्त किया, उनके अन्तःकरण की उर्वरक भूमि में बो दिया; इसी कारण ``राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ और उसके क्रिया-कलाप को इश्वरीय कार्य कहा जाता है।

डॉ. श्री केशव बलिराम हेडगेवार का जीवन प्राचीत भारत के (तत्कालीन आर्यावर्त के) कृषि-मुनि महर्षियों के जैसा ही था-जिन भाग्यशाली महापुरुषों ने उन्हें देखा है एवं उनकी प्रेरणा से अनुप्राणित हो संघ का कार्य किया है; मुझे उनका नैकट्य मिला है 50 के दशक में-मैंने उन प्रथम पंक्ति के संघ कार्य के विस्तारक से डॉ. हेडगेवार के सम्बन्ध में उनके व्यक्तित्व का परिचय जाना है, ऐसे श्री मोरेश्वर राव मुंजे जी लगभग शतायु होकर संसार से बिदा हुये हैं। डॉ. श्री केशव बलिराम हेडगेवार पेशे से चिकित्सक थे थे किन्तु वे स्वतंत्रता संग्राम मे महात्मा गाँधी के अनुयायी और गाँधी द्वारा चलाये सत्याग्रह आन्दोलन में भागीदार थे। डॉ. हेडगेवार का सुविचारित चिंतन था कि-भारत वर्ष में परकीयों के विरुद्ध चल रहे प्रचण्ड जन-आन्दोलन, सत्याग्रह एवं अंग्रेज शासन कर्ताओं के चंगुल से मुक्त तो हो जायेगा परन्तु स्वतंत्र भारत में भी ``सांस्कृतिक-आध्यात्मिक-धार्मिक और सामाजिक भारत'' के लिये एक जनान्दोलन स्वतंत्र भारत के स्वदेशी शासकों के समक्ष करना पड़ सकता है अतः वह स्वदेशी अवधारणा के आधार पर देशभक्त संस्कृति-अध्यात्म और धार्मिक-सामाजिक आधार पर स्वतन्त्र भारत के नागरिकों का 'सामूहिक संगठन कौन सा और कैसा होगा'? अपनी इस परिकल्पना को साकार और मूर्त स्वरूप देने के लिये महामनीषी डॉ. श्री केशव-बलिराम हेडगेबार ने महाराष्ट्र के नागपुर नगर में चार-पाँच नववयस्क युवकों की एक लघुकाय टोली के माध्यम से एक संगठन की नींव रखी जिसका नाम दिया-``राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ'' (आर.एस.एस.एस.) आमजनों में इस संगठन की विश्वति (ख्याति) आर.एस.एस. इस रूप में हुई। पराधीन भारत में इसवी सन 1925 में इस ``सांस्कृतिक-सामाजिक संगठन का उदय हुआ। इस संगठन सूर्य का का प्रकाश दिग्दिगंत चहुँ ओर फैलने लगा भारतीय कालगणना के ज्योतिषीय पत्रक ``पंचांग के'' अनुसार सम्भवतः विजयादशमी के दिन ``संघ'' का शुभारम्भ हुआ।

संघ कार्य ईश्वरीय प्रेरणा से उद्भूत हुआ और अब उसके कार्य का विस्तार पूरे देश में विस्तृत होता चला गया। संघ के प्रचारक देश के सभी अंचलों-क्षेत्रों-और प्रान्तों से उभर कर आते गये और संघ की विचारधारा से देश के जनमानस को जोड़ते गये। संघका मूल उद्देश्य भारत राष्ट्र के आम नागरिकों में देशप्रेम का मान जाग्रत करना तथा भारतीय समाज को संगठन के एक सूत्र में पिरोना ही है। भारत देश की सांस्कृतिक-आध्यात्मिक मूलधारा यहाँ पर जन्मे जन-जन को भारतीय भारत प्राचीन परम्परा, यहाँ की जीवन शैली को राष्ट्रोन्यन का माध्यम बनाना है। भारत वर्ष एक धार्मिक-सांस्कृतिक और आध्यात्मिक देश है। यही देश की प्राचीन पहचान है । वह स्वतंत्र भारत में कहीं खो न जाये इस हेतु समाज के विभिन्न क्षेत्रों का अध्ययन करके (प्रकारान्तर से यहाँ का समाज शास्त्रीय अध्ययन अन्वेषण पूर्वक) यहाँ के मूल निवासियों की जीवनशैली को पुष्ट करते हुये राष्ट्र की एकात्मता-अखण्डता और सामाजिक समरसता के भाव को सुदृढ़ करना है। संघ के वरिष्ठ मार्गदर्शकों ने आवश्यकता के अनुरूप ``आनुषंगिक संगठन'' खड़े किये। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का सन् 1925 में रोपा गया बीज आज एक विशाल वटवृक्ष बन गया है। संघ के स्वयं सेवकों- प्रचारकों की दिनचर्या से लेकर उनका कार्य के प्रति-रामित्व के प्रति समर्पण, अनुशासन का अनुपमेय उदाहरण और अन्यों के प्रति आदर्श है। शुचिता-और ध्येय निष्ठा सभी के लिये अनुकरणीय है।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की शाखायें न केवल भारतवर्ष में में ही है बल्कि विदेशों में (भारतीय भौगोलिक सीमाओं के बाहर बसे देशों में) भी जहाँ-जहाँ सनातन धर्म के मूल अनुयायी हिन्दू अवधारणा से आबद्ध जनमानस (भारतीय मूल के) नागरिक निवास करते हैं वहाँ-वहाँ संगठन बनता गया।

मैं राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से बचपन से ही सम्बद्ध रहा हूँ। यहाँ मैं विशेष विशेष रूप से यह उल्लेख कर देना चाहता हूँ कि-भारतवर्ष (स्वदेश) में संघ का कार्य ``राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ'' इही नाम से जाना जाता है जिसे हम (आर.एस.एस.) भी बोल देते हैं। परन्तु विदेशों में आर.एस.एस. का नाम है भारतीय स्वयं सेवक संघ तथा ``हिन्दू स्वयं सेवक संघ'' इन नामों से जाना जाता है। मैंने इंग्लैण्ड प्रवास और अपने केनेडा प्रवास के दौरान यह समझा। विदेशों में निवास करने वाला हिन्दू या भारतीय उपर्युक्त दो नामों से संघ की शाखा में जाते हैं और अपनी मूल धरती (भारत की माटी) में उपास्य देवी भारत माता की वंदना ``संघ प्रार्थना'' सामूहिक रूप से करते हैं; संघ के कार्यक्रमों विशिष्ट आयोजनों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। भारतवर्ष में संघ के प्रति, उसके कार्यों कार्यक्रमों-आयोजनो तथा संघ की आईडियोलॉजी से कुछ लोग असहमत होगे-किन्तु विदेशों में संघ और संघकार्य या संघ के कार्यक्रमों को लोग पसंद करते हैं-वहाँ की सरकारें भी संघ सम्बद्ध लोगों को सम्मान की दृष्टि से ही देखते हैं।

# सृजन और संघर्ष के सौ साल

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) भारतीय समाज के पुनर्गठन की वह प्रयोगशाला है, जो विचार, सेवा और अनुशासन के आधार पर एक सांस्कृतिक राष्ट्र का निर्माण कर रही है। 1925 में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार की अनोखी भारतीय दृष्टि से उपजा यह संगठन आज अपनी शताब्दी के द्वार पर खड़ा है। यह केवल संगठन विस्तार की नहीं, बल्कि भारत के सामाजिक-सांस्कृतिक पुनरुत्थान की एक अनवरत यात्रा है।

सौ वर्षों की इस साधना में संघ और इसके स्वयंसेवकों ने देश की चेतना को जाग्रत किया है। उन्होंने दिखाया कि न तो किसी सरकारी सहयोग की आवश्यकता होती है और न ही प्रचार के माध्यम से प्रसिद्धि की-यदि लक्ष्य पवित्र हो, मार्ग अनुशासित हो और कार्यकर्ता समर्पित हों।

**सेवा-राष्ट्र के हृदय को स्पर्श करती संवेदनाः** संघ के स्वयंसेवकों की सेवा-भावना समाज के सबसे वंचित वर्गों तक पहुंचती है। गिरिजनों और वनवासियों से लेकर महानगरों की झुग्गी बस्तियों तक, संघ प्रेरित संगठन-जैसे सेवा भारती, वनवासी कल्याण आश्रम, एकल विद्यालय, राष्ट्र सेविका समिति और आरोग्य भारती-अखंड सेवा के भाव से कार्यरत हैं। इन संस्थाओं का उद्देश्य केवल राहत पहुंचाना नहीं, बल्कि लोगों को आत्मनिर्भर, शिक्षित और संस्कारित बनाना है। सेवा, संघ के लिए कर्मकांड नहीं, जीवनधर्म है-जो मानवता को जोड़ता है, पोषित करता है और राष्ट्र के लिए भावनात्मक एकता निर्मित करता है।

**शिक्षा-मूल्यबोध से युक्त राष्ट्रनिर्माण**

संघ ने प्रारंभ से ही यह अनुभव किया कि एक ऐसी शिक्षा व्यवस्था की आवश्यकता है, जो केवल ज्ञान नहीं, बल्कि संस्कार दे। इस विचार की परिणति विद्या भारती के रूप में हुई। देश भर में फैले इसके विद्यालयों में लाखों छात्र न केवल आधुनिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, बल्कि भारतीय संस्कृति, नैतिकता और राष्ट्रबोध की गंगोत्री में स्नान भी कर रहे हैं।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने छात्र राजनीति में एक नई संस्कृति का प्रारंभ किया। 'शिक्षक अध्यक्ष' की परंपरा, 'शैक्षिक परिवार' का विचार और संगठन के कार्यों में राष्ट्र के प्रति समर्पण-ये सब अभाविप को विशिष्ट बनाते हैं।

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, भारतीय शिक्षण मंडल और अखिल भारतीय शैक्षिक महासंघ जैसे संगठनों ने शिक्षा नीति निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाई। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 संघ प्रेरित वैचारिक चेतना का मूर्त रूप मानी जा सकती है।

**विविध क्षेत्रों में राष्ट्र की पुर्नरचना**

संघ का कार्यक्षेत्र अत्यंत व्यापक है। समाज जीवन के प्रत्येक आयाम में उसकी सृजनात्मक उपस्थिति देखी जा सकती है। उपभोक्ता हितों की रक्षा हेतु अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत, साहित्यिक जगत में हस्तक्षेप करती अखिल भारतीय साहित्य परिषद, और कला-संस्कृति को संवारती संस्कार भारती-संघ की इस बहुआयामी दृष्टि की प्रतीक हैं।

भारत विकास परिषद, लघु उद्योग भारती, भारतीय किसान संघ जैसे संगठन ग्रामीण भारत के सशक्तिकरण, स्वदेशी चेतना और किसान कल्याण को समर्पित हैं। ये सभी संगठन संघ की उस मूल भावना को मूर्त करते हैं, जो कहती है कि परिवर्तन केवल सरकार से नहीं, समाज से होता है।

**आंदोलनों का नया विमर्शः** संघ ने श्रमिक आंदोलन को संघर्ष की नहीं, संवाद और संगठन की दिशा दी। भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) इसकी जीवंत मिसाल है। दत्तोपंत ठेंगड़ी जैसे विचारकों के मार्गदर्शन में बीएमएस देश का सबसे बड़ा श्रमिक संगठन बना, जिसने मज़दूरों को राष्ट्र निर्माण का सहभागी बनाने का कार्य किया।

अभाविप ने भी छात्र आंदोलनों में अनुशासन, विचार और सकारात्मक हस्तक्षेप की एक नई परंपरा शुरू की। छात्र और शिक्षक का परस्पर सहयोग, शिक्षा में नवाचार और राष्ट्रवादी चिंतन-अभाविप ने इसे एक आंदोलन का रूप दिया।

**समावेशी दृष्टिकोणः** संघ को प्रायः अल्पसंख्यक विरोधी कहा गया, किंतु इसके विपरीत संघ ने राष्ट्र को धर्म और जाति की संकीर्णताओं से ऊपर रखकर देखा है। 'वसुधैव कुटुंबकम्' के भाव के साथ संघ ने मुस्लिम समाज के साथ संवाद और समरसता को बल दिया।

राष्ट्रीय मुस्लिम मंच इसका मूर्त उदाहरण है, जहां मुस्लिम समुदाय के कई जागरूक सदस्य देश और संस्कृति के साथ जुड़कर रचनात्मक कार्य कर रहे हैं। इसी प्रकार राष्ट्रीय सिख संगत ने सिख और हिंदू समाज के बीच भेद बनाने के लिए खींची गई रेखाओं को मिटाने का कार्य किया है।

संघ की दृष्टि में भारत केवल एक भूखंड नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक जीवित सत्ता है, जिसमें प्रत्येक नागरिक का स्थान है-चाहे उसकी जाति, पंथ या भाषा कोई भी हो।

**राजनीति से ऊपर, राष्ट्रनीति की प्रेरणाः** संघ का मूल कार्यक्षेत्र राजनीति नहीं है, परंतु उसके स्वयंसेवकों ने राजनीति में प्रवेश कर उसे मूल्यनिष्ठा, सेवा और राष्ट्रधर्म से जोड़ा है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी और नरेंद्र मोदी जैसे नायक संघ की विचारभूमि से निकले तपस्वी हैं, जिन्होंने राजनीति को राष्ट्रसेवा का माध्यम बनाया। भाजपा के माध्यम से संघ की राष्ट्रवादी विचारधारा को राजनीतिक मंच मिला, जिसने भारत की राजनीतिक संस्कृति को स्थायित्व, उद्देश्य और राष्ट्रबोध प्रदान किया।

**शाखा-संगठन का मूल बीजः** संघ की सबसे विशिष्ट विशेषता उसकी 'शाखा' है। यह केवल दिनचर्या का अनुशासन नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण और समाज संगठन की पाठशाला है। यहां खेल, योग, गीत, व्याख्यान और अभ्यास के माध्यम से राष्ट्रप्रेम, सेवा और अनुशासन के बीज रोपे जाते हैं। शाखा का वातावरण सामाजिक समरसता का भी प्रतीक है-जहां जाति, वर्ग, भाषा और आयु का भेद नहीं होता। सभी स्वयंसेवक एक समान भाव से भारतमाता की सेवा के लिए कटिबद्ध होते हैं।

**भारत की आत्मा का जागरण**

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आज केवल एक संगठन नहीं, बल्कि एक वैचारिक आंदोलन है। उसने दिखाया है कि संगठन, विचार और समर्पण के बल पर समाज को बदला जा सकता है, और राष्ट्र का नव निर्माण संभव है।

संघ की यात्रा सेवा से समरसता तक, अनुशासन से राष्ट्रधर्म तक और शाखा से संसद तक-हर पड़ाव पर भारत की आत्मा को जागृत करती है। वह भारत को केवल एक राजनीतिक राष्ट्र नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक चेतना के रूप में स्थापित करना चाहता है।

संघ के कार्य को कोई चाहे जितना विरोध करे, किंतु उसकी राष्ट्रनिष्ठा, सेवा भावना और समर्पण को नकारा नहीं जा सकता। यही कारण है कि विरोधी भी व्यक्तिगत रूप से संघ के कार्यों की प्रशंसा करते हैं, और कहीं-न-कहीं उससे प्रेरित भी होते हैं।

संघ की शताब्दी यात्रा भारत की उस यात्रा का प्रतीक है, जो हजारों वर्षों की सभ्यता, संस्कृति और साधना का प्रतिफल है। यह यात्रा निरंतर चल रही है-भारत के निर्माण, उत्थान और पुनः विश्वगुरु बनने की दिशा में।

**प्रो. संजय द्विवेदी**
**(पूर्व महानिदेशक भारतीय जन संचार संस्थान-आईआईएमसी, नई दिल्ली )**

॥ प्रार्थना ॥

नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे
त्वया हिन्दुभूमे सुखं वर्धितोहम्।
महामङ्गले पुण्यभूमे त्वदर्थे
पतत्वेष कायो नमस्ते नमस्ते।। 1।।

प्रभो शक्तिमन् हिन्दुराष्ट्राङ्गभूता
इमे सादरं त्वां नमामो वयम्
त्वदीयाय कार्याय बध्दा कटीयं
शुभामाशिषं देहि तत्पूर्तये।
अजय्यां च विश्वस्य देहीश शक्तिं
सुशीलं जगद्येन नम्रं भवेत्
श्रुतं चैव यत्कण्टकाकीर्ण मार्गम्
स्वयं स्वीकृतं नः सुगं कारयेत।। 2।।

समुत्कर्षनिः श्रेयस्यैकमुग्रं
परं साधनं नाम वीरव्रतम्
तदन्तः स्फुरत्वक्षया ध्येयनिष्ठा
हृदन्तः प्रजागर्तु तीव्रानिशम्।
विजेत्री च नः संहता कार्यशक्तिर
विधायास्य धर्मस्य संरक्षणम्
परं वैभवं नेतुमेतत् स्वराष्ट्रं
समर्था भवत्वाशिषा ते भृशम्।। 3॥
॥ भारत माता की जय।।

# भारततत्व की रक्षा के संघर्ष और संकल्प की शताब्दी यात्रा

भगवान श्रीराम का पूरा जीवन समाजिक मूल्यों, मानवीय मर्यादा और ध्येयनिष्ट आदर्श से भरा है। ठीक उसी प्रकार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शताब्दी यात्रा भी रामजी की ही भाँति संघर्ष और संकल्पशीलता से युक्त है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अब विश्व व्यापी स्वरूप ले चुका है और अपनी स्थापना के शताब्दी वर्ष में प्रवेश कर रहा है। अपनी पूरी जीवन यात्रा में अनेक उतार चढ़ावों के बावजूद संघ में कोई विचलन नहीं आया। संघ की ध्येयनिष्ट यात्रा यथावत रही। संघ की स्थापना 27 सितंबर1925 विजय दशमीं के दिन हुई थी। संघ संकल्पना का संदेश इसकी स्थापना तिथि से ही मिलता है। विजयदशमीं की तिथि असत्य पर सत्य की विजय की प्रतीक है। यह तिथि रामजी के संकल्प, संघर्ष और मर्यादित मानवीय मूल्यों के अभियान का स्मरण कराती है। विजयदशमीं आसुरी शक्तियों के शमन और सात्विक समाज की प्रतिष्ठापना की स्मरण तिथि है। रामजी का पूरा जीवन मानवीय मूल्यों की स्थापना और संपूर्ण समाज को एक सूत्र में बांधने के लिये थे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के पीछे का उद्देश्य भी यही था

भारत में भारतत्व को समाप्त करने केलिये जो शक्तियाँ छल, बल और षड्यंत्र कर रहीं थीं उनमें मिशनरीज संगठन, कट्टरपंथी कम्युनल तत्व और कम्युनिस्ट तीनों एकजुट होकर सक्रिय थे। यद्यपि इन तीनों की दिशा और लक्ष्य पृथक थे लेकिन सनातन समाज और परंपराओं के दमन में तीनों एक स्वर हो जाते थे। यह इन तीनों के एकजुट षड्यंत्रों का ही परिणाम था कि तब पेशावर, ढाका और चटगाँव आदि में सनातनियों की हत्याओं पर किसी ने आवाज नहीं उठाई। केरल के मालाबार में हुये साम्प्रदायिक नरसंहार पर भी चारों चुप्पी रही कोई पीड़ितों के पक्ष में कोई सामने नहीं आया। मालाबार में सनातन स्त्री बच्चों के साथ जो हुआ उसे पढ़कर आज भी रोंगटे खड़े हो जाते हैं।

1906 से 1924 के बीच देश भर साम्प्रदायिक हिंसा की घटनाओं का विवरण आज भी इतिहास के पन्नों में है। भयग्रस्त समाज का पलायन और स्वत्व विस्मृत समाज जनों द्वारा मतान्तरण स्वीकार कर लेना एक सामान्य बात मानी जा रही थी। मानों समाज का स्वाभिमान कहीं लुप्त हो गया था। ऐसा नहीं था तब सनातन सेवकों ने आवाज न उठाई हो। तब भी भारत के हर हिस्से से स्वाभिमान जागरण का आव्हान हुआ था। अनेक महापुरुष आगे आये थे। लेकिन असंगठन अथवा आंतरिक भय के चलते समाज वैसा सामने नहीं आया जैसी आवश्यकता थी। इसे पंजाब, बंगाल, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, केरल आदि प्रांतों में सनातन परंपराओ के संरक्षण का अभियान चलाने वालों की हत्याओं से समझा जा सकता है। स्वतन्त्रता आँदोलन के साथ समाज जीवन में स्वत्व और स्वाभिमान जागरण का संकल्प ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अस्तित्व में आना है। जिस परिस्थिति में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अस्तित्व में आया, यह परिस्थिति उस परिस्थिति से बहुत भिन्न नहीं थी जो त्रेता युग के उस कालखंड में थी जब रामजी ने अवतार लिया था। रामजी की भाँति संघ का उद्देश्य भी अपना प्रभाव बढ़ाना अथवा सत्ता का मार्ग बनानानहीं था अपितु सामिजिक साँस्कृतिक भाव का जागरण करना था जैसा रामजी ने अपने पूरे जीवन भर किया।

**रमेश शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार**

## आदर्श समाज रचना के लिये समर्पित रही संघ की शताब्दी यात्रा

रामजी के जीवन में तीन आयाम हैं। दो वनयात्राएँ तीसरा अपने राज्याभिषेक के बाद का जीवन। तीनों परिस्थिति या पृष्टभूमि भले पृथक पृथक हों लेकिन रामजी के लक्ष्य तीनों यात्राओं में समान रहा। महर्षि विश्वामित्र के साथ पहली वनयात्रा में और फिर अपने वनवास काल में रामजी ने आसुरी शक्तियों का दमन कर समाज जीवन में आदर्श मूल्यों के वातावरण की रचना की। सभी समाज समूहों, वर्गों और वन क्षेत्रों के रहने वाले सभी समाज जनों को गले लगाकर समरसता का वातावरण बनाया और सबको अपने आत्माभिमान के साथ संगठित रहने केलिये प्रेरित किया। रामजी का यह अभियान अपने राज्याभिषेक के बाद भी रहा। उन्होंने सात्विक सनातन परंपराओं की स्थापना और मर्यादित मानवीय जीवन विकास के लिये शत्रुघ्नजी एवं लक्ष्मणजी के नेतृत्व में अनेक दल पूरे भारत में रवाना किये। ये अभियान राज्य विस्तार के लिये नहीं थे अपितु संपूर्ण धरती को आसुरी शक्तियों के प्रभाव से मुक्तकर सनातन परंपराओं की स्थापना केलिये था। यही चिंतन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का है। डॉक्टर जी ने केवल संघ की संस्थापना केलिये ही रामजी की विजय की प्रतीक विजयादशमी तिथि का चयन नहीं किया अपितु का संघ की कार्यशैली में भी ऐसे संस्कारों का बीजारोपण किया जो भारत राष्ट्र में उन्ही आदर्श मूल्यों की स्थापना करें जिनके लिये रामजी ने अवतार लिया था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पूरी शताब्दी यात्रा भी संकल्पना से युक्त है। संघ का प्रत्येक स्वयंसेवक और कार्यकर्ता मानों राजकाज का सैनिक है और सनातन संस्कृति और मानवीय मूल्यों की संस्थापना अभियान केलिये समर्पित है। संघ रचना का ध्येय भारतीय जीवन में स्वत्व का वोध कराकर भारत राष्ट्र और भारतीय संस्कृति की पुनर्प्रतिठित करना रहा है। संघ कार्यकर्ताओं को यह ध्येय सदैव स्मरण रहे, इसीलिए डाक्टर जी ने प्रतिवर्ष संघ का स्थापना दिवस पर स्मरण कराने की परंपरा आरंभ की। जो संघ की इस पूरी शताब्दी यात्रा में प्रतिबिंबित भी है।

आज भारत में जो सामाजिक और सांस्कृतिक परिस्थितियाँ निर्मित हो रहीं हैं इसमें संपूर्ण समाज को अतिरिक्त सावधानी की आवश्यकता है। यदि समाज सशक्त होगा, जागरूक होगा तो ही समाज में शांति की स्थापना हो सकेगी।

## सुपंथ पर बढ़े चलो...

संगठन गढ़े चलो, सुपंथ पर बढ़े चलो।
भला हो जिसमें देश का, वो काम सब किए चलो॥
युग के साथ मिल के सब कदम बढ़ाना सीख लो।
एकता के स्वर में गीत गुनगुनाना सीख लो।
भूल कर भी मुख में जाति-पंथ की न बात हो।
भाषा-प्रांत के लिए कभी ना रक्तपात हो।
फूट का भरा घड़ा है फोड़ कर बढ़े चलो॥
आ रही है आज चारों ओर से यही पुकार।
हम करेंगे त्याग मातृभूमि के लिए अपार।
कष्ट जो मिलेंगे मुस्कुरा के सब सहेंगे हम।
देश के लिए सदा जिएंगे और मरेंगे हम।
देश का ही भाग्य अपना भाग्य है ये सोच लो।।
संगठन गढ़े चलो, सुपंथ पर बढ़े चलो।
भला हो जिसमें देश का, वो काम सब किए चलो॥

## अनथक अविरत साधना

पूर्ण विजय संकल्प हमारा, अनथक अविरत साधना।
निशिदिन प्रतिपल चलती आयी, राष्ट्रधर्म आराधना।
वंदे मातृभूमि वंदे, वंदे जगजननी वंदे॥
पुण्य पुरातन देश हमारा, मानवता आदर्श रहा।
संस्कृति का पावन मंगल स्वर, कोटि कंठ से नित्य बहा।
सकल विश्व का मंगल करने, सर्वस्वार्पण प्रेरणा॥
वंदे मातृभूमि वंदे, वंदे जगजननी वंदे...
संबल लेकर हिंदु चेतना, समरसता का मंत्र महान।
अतीत की गौरवगाथा का, पथदर्शक प्रेरक आह्वान।
भविष्य का पथ उज्ज्वल करने, शक्ति संचय साधना॥
वंदे मातृभूमि वंदे, वंदे जगजननी वंदे...
मातृभूमि आराध्य हमारी, राष्ट्रभक्ति है प्रेरणा।
ईश्वर का है कार्य हमारा, जीवन की संकल्पना।
केशव प्रेरित संघमार्ग पर, चरैवेति की कामना
वंदे मातृभूमि वंदे, वंदे जगजननी वंदे...

# तूफानों के बीच कद को रखा ऊंचा, जीवटता से बढ़ाया कदम

अपनी स्थापना के शताब्दी वर्ष में प्रवेश करनेवाला 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ' विश्व का सबसे बड़ा और जीवंत सांस्कृतिक एवं सामाजिक संगठन है। वर्ष 1925 में जब विजयादशमी के पावन प्रसंग पर संघ की स्थापना की जा रही थी, तब देश अनेक प्रकार की चुनौतियों का सामना कर रहा था। एक ओर अंग्रेजी राजसत्ता भारत के वैभव एवं गौरव का सर्वनाश कर रही थी, वहीं दूसरी ओर मुस्लिम तुष्टीकरण एवं आक्रामकता भी अपनी जड़ें गहरी करने में लगी थी। हिन्दू समाज आत्मदैन्य की स्थिति की ओर जा रहा था। इस प्रकार की प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच भारत की स्वतंत्रता और स्वाभिमान की रक्षा के लिए महान स्वतंत्रता सेनानी एवं क्रांतिकारी राजनेता डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने शुभ संकल्प के साथ एक बीज बोया था, जो आज विशाल वटवृक्ष बन चुका है। नन्हें कदम से शुरू हुई संघ की यात्रा 99 वर्ष में समाज जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में पहुँची है। ऐसे अनेक क्षेत्र हैं, जहाँ संघ की पहुँच न केवल कठिन थी, बल्कि असंभव मानी जाती थी। किंतु, आज उन क्षेत्रों में भी संघ नेतृत्व की भूमिका में है। बीज से वटवृक्ष बनने की संघ की यात्रा आसान कदापि नहीं रही है। स्मरण रखें कि 1925 में जिस जमीन पर संघ का बीज बोया गया था, वह उपजाऊ कतई नहीं थी। जिस वातावरण में बीज का अंकुरण होना था, वह भी अनुकूल नहीं था। किंतु, डॉक्टर साहब को विश्वास था कि भले ही जमीन ऊपर से बंजर दिख रही है, परंतु उसके भीतर जीवन है।

जब माली अच्छा हो और बीज में जीवटता हो, तो प्रतिकूल वातावरण भी उसके विकास में बाधा नहीं बन पाता है। भारतीय संस्कृति से पोषण पाने के कारण ही अनेक संकटों के बाद भी संघ पूरी जीवटता से आगे बढ़ता रहा। अनेक झंझावातों और तूफानों के बीच अपने कद को ऊंचा करता रहा। अनेक व्यक्तियों, विचारों और संस्थाओं ने संघ को जड़ से उखाड़ फेंकने के प्रयास किए, किंतु उनके सब षड्यंत्र विफल हुए। क्योंकि, संघ की जड़ों के विस्तार को समझने में वह हमेशा भूल करते रहे। आज भी स्थिति कमोबेश वैसी ही है। आज भी अनेक लोग संघ को राजनीतिक चश्मे से ही देखने की कोशिश करते हैं। पिछले 99 बरस में इन लोगों ने अपना चश्मा नहीं बदला है। इसी कारण यह संघ के विराट स्वरूप का दर्शन करने में असमर्थ रहते हैं। संघ इस लंबी यात्रा में समय के साथ सामंजस्य बैठाता रहा और अपनी यात्रा को दसों दिशाओं में लेकर गया।

**लोकेन्द्र सिंह (लेखक एमसीयू में सहायक प्राध्यापक हैं।)**

## इन सहयोगियों ने सफर किया आसान

- विद्यार्थियों का सबसे बड़ा संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद
- शिक्षा के क्षेत्र में सबसे अधिक योगदान कर रही है विद्या भारती
- शिक्षा में भारतीय मूल्यों की पुनर्स्थापना एवं अनुसंधान में नवाचार के लिए संकल्पित भारतीय शिक्षण मंडल
- शिक्षकों को संगठित करता अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ
- हिन्दू समाज के भेद खत्म कर उसे संगठित कर रहा है विश्व हिन्दू परिषद
- राजनीति नहीं, मजदूरों के अधिकार के लिए संकल्पित है भारतीय मजदूर संघ
- किसानों की बेहतरी के लिए कार्यरत भारतीय किसान संघ
- नर सेवा नारायण सेवा' का मंत्र लेकर समाजसेवा में सक्रिय है सेवा भारती
- स्वदेशी को बढ़ावा देता स्वदेशी जागरण मंच
- महिलाओं के बीच संगठन सक्रिय है राष्ट्र सेविका समिति
- राष्ट्रवादी मुस्लिमों का संगठन मुस्लिम राष्ट्रीय मंच
- ललित कलाओं में राष्ट्रीय चेतना ला रही है संस्कार भारती
- देश का शारीरिक स्वास्थ्य सुधारने सक्रिय आरोग्य भारती
- स्वदेशी खेलों को प्रोत्साहित करने में सबसे आगे है क्रीडा भारती
- भारत के सम्पन्न वर्ग को राष्ट्रजीवन की दिशा से जोड़ता भारत विकास परिषद
- भारत के स्वर्णिम इतिहास को सामने लाने के लिए संकल्पित है इतिहास संकलन योजना
- देश की अर्थव्यवस्था को गति देने में सक्रिय सहकार भारती
- लघु उद्योग के प्रोत्साहन में जुटा लघु उद्योग भारती
- समाज को सुरक्षा के प्रति चेता रही है सीमा जनकल्याण समिति
- विज्ञान के क्षेत्र में सक्रिय है विज्ञान भारती
- जन-जन को संस्कृत सिखा रही है संस्कृत भारती

# परम वैभव संपन्न का संकल्पः स्व की प्रतिष्ठा व समरसता

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ 2025 में विजयादशमी की तिथि को अपना शताब्दी वर्ष पूर्ण करेगा। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में किसी भी सामाजिक सांस्कृतिक संगठन के 100 वर्ष पूरे होना अपने आप में आश्चर्य एवं शोध का विषय है। किंतु राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने इसे अपनी वैचारिक निष्ठा, दूरदर्शिता, अनुशासन और श्रेष्ठ सांगठनिक पद्धति के साथ इस महानतम् पड़ाव को साकार किया है। राष्ट्रीयता के मूल्यों की पुनस्थापना और राष्ट्र निर्माण के लिए असंख्य स्वयंसेवकों की दीपमालिकाओं से राष्ट्र को आलोकित किया है। यह संभव हुआ है तो संघ के प्रथम सरसंघचालक डॉ केशव बलिराम हेडगेवार की विशद् दृष्टि के चलते जिन्होंने बीज रूप में स्वयं को संगठन में आत्मार्पित कर-संघ को विशाल वृक्ष के रूप में मूर्तरूप प्रदान किया। संघ उसी समुज्ज्वल वैचारिक दृढ़ता के साथ उसी ऊर्जा के साथ राष्ट्र निर्माण में लगा है। जो ऊर्जा 27 सितंबर 1925 को विजयादशमी की तिथि को संघ की स्थापना के समय थी। 'सर्वेषां अविरोधेन' अर्थात् हमारा कोई विरोधी नहीं है। इस मान्यता के साथ संघ ने राष्ट के मानस और हिन्दू समाज के आत्मगौरव को जागृत करने में महती भूमिका निभाई है। इसी कड़ी में प्रायः जब संघ और बाबा साहेब अम्बेडकर के कार्यों पर दृष्टि जाती है तो अद्भुत साम्य देखने को मिलता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के निमित्त पंच परिवर्तन राष्ट्र के 'स्व' के साथ परम् वैभव संपन्न बनाने का संकल्प हैं। इनमें सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्व की प्रतिष्ठा और नागरिक कर्त्तव्य शामिल हैं। संघ प्रारंभ से ही अखंड भारत और सामाजिक समरसता के साथ राष्ट्रीयता के मूल्यों के अनुरूप समाज को सशक्त बनाने के लिए काम करता आ रहा है।

संघ के वर्तमान सरसंघचालक डॉक्टर मोहन भागवत कहते हैं कि-'सामाजिक समरसता के माध्यम से समाज में भेदभाव को मिटाना है। हमें जाति भेद मिटाकर सर्व समाज के घरों तक जाना है, उन्हें अपने घर भोजन और जलपान पर बुलाना है। स्वयंसेवक ही सामाजिक समरसता का अच्छा उदाहरण प्रस्तुत कर सकते हैं। इस संबंध में बाबा साहेब अंबेडकर का स्मरण करते हुए वे कहते हैं कि -'समरसता के महान पुरोधा संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर हम सबके लिए पूजनीय हैं। उनके योगदान को भारत हमेशा याद रखेगा। सामाजिक समरसता में भी उनका प्रमुख योगदान रहा है। जिसे भुलाया नहीं जा सकता है।'

संघ और संघ प्रेरित विविध संगठन समाज जीवन के विविध क्षेत्रों में कर रहे हैं। राष्ट्र को सशक्त-सर्व समर्थ बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसी प्रकार डॉक्टर अंबेडकर की सामाजिक समरसता की दृष्टि, राष्ट्रीयता, आर्थिक नीति, स्वावलंबन, स्वदेशी, स्व-भाषा और कन्वर्जन के विरुद्ध जो दृष्टि मिलती है। वही संघ में साकार रूप में दिखाई देती है। संघ के वनवासी कल्याण आश्रम, सेवा भारती, स्वदेशी, संस्कार भारती, संस्कृत भारती, एकल विद्यालय जैसे प्रकल्प इसी कड़ी के महत्वपूर्ण आयाम हैं। यह इसी साम्य भाव की परिणति रही है कि बाबा साहेब अंबेडकर उस समय के समस्त राजनीतिक परिदृश्यों/ राजनेताओं और कांग्रेस आदि की कटु आलोचना करते रहे। किन्तु एक भी ऐसा प्रसंग नहीं आता है जब बाबा साहेब अंबेडकर ने कभी भी संघ की आलोचना की हो। वर्तमान में जब कुत्सित राजनीति 'भाषायी विवाद' खड़े कर विभाजन उत्पन्न करना चाहती है। उस समय डॉ अंबेडकर के विचार मार्गदर्शक बनकर खड़े हैं।डॉ अंबेडकर वो पहले व्यक्ति थे जिन्होंने संसद में संस्कृत को राष्ट्रभाषा/राजभाषा के रूप में प्रतिष्ठित करने का प्रस्ताव दिया था। वो भारतीय भाषाओं की सामर्थ्य और एकात्मता को समझते थे। अतएव उन्होंने एकता के सूत्रों को अपने विचारों और कार्यों से प्रकट किया। इसी प्रकार संघ निरंतर सभी भारतीय भाषाओं के संरक्षण, संवर्धन और उसके प्रयोग को लेकर कार्य करता है। विदेशी भाषा के स्थान पर 'मातृभाषा' के प्रयोग के लिए समाज को प्रेरित करता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भारत की महान परंपरा को दर्शन बनाकर - कार्यों में प्रकट किया। व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण का ध्येय लेकर समाज जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आदर्शों का उदाहरण प्रस्तुत किया। राष्ट्र के महापुरुषों और गौरवशाली परंपरा के अनुरूप राष्ट्रीयता के 'पाञ्चजन्य' का शंखनाद किया। यह इसीलिए फलीभूत हुआ क्योंकि संघ ने 'व्यक्तिनिष्ठ' नहीं अपितु 'तत्वनिष्ठ' प्रणाली को चरितार्थ किया। इसी का प्रतिफल है कि संघ कार्यों की समाज जीवन में व्यापक स्वीकार्यता हुई। राष्ट्रीयता समरसता, एकता, बंधुता और एकात्मता के उन्हीं मूल्यों के साथ संघ आगे बढ़ा जिसका स्वप्न डॉ अंबेडकर जैसे महापुरुष देखा करते थे।संघ में जो कुछ भी है वह समाज का ही है और संघ की स्पष्ट मान्यता है कि 'समूचा समाज संघ बने और संघ ही समाज बन'। इसी संदर्भ में डॉ मोहन भागवत के ये विचार प्रासंगिक है- 'संघ पूरे समाज को अपना मानता है।? एक दिन यह बढ़ते-बढ़ते समाज का रूप ले लेगा तब संघ का यह नाम भी हट जाएगा और हिंदू समाज ही संघ बन जाएगा।'

**कृष्णमुरारी त्रिपाठी अटल**
**(साहित्यकार, स्तम्भकार एवं पत्रकार)**

# एपीएसयू पहुंची विवि थाना पुलिस, दर्ज किए गए बयान

**मामला कथित छात्र नेताओं द्वारा छात्रों को भड़काकर कराए गए हंगामे का**

**जागरण,रीवा।** अवधेश प्रताप सिंह विवि में बीते सप्ताह कथित छात्र नेताओं द्वारा छात्रों को भड़काकर जबरन विवि में हंगामा करा दिया गया। जबकी छात्रों की समस्या का निराकरण कुलगुरु द्वारा किए जाने के लिए निर्देशित भी कर दिया गया था और छात्रों की समस्या सुनकर शाम को उनकी समस्याओं का निराकरण किया जाना था। लेकिन इसके पहले ही कथित छात्र नेता अमन सिंह बघेल व अर्पित मिश्रा सहित अन्य ने छात्रों को भड़काकर हंगामा किया और कुलगुरु चैम्बर में जबरन घुसते हुए दस्तावेजों को भी प्रभावित किया। इतना ही नहीं, परीक्षा भी इस दौरान प्रभावित हुई। जिसके बाद विवि ने इन कथित छात्र नेताओं के खिलाफ बड़ी कार्यवाही करते हुए विवि थाना में शिकायत भेजी थी और एफआईआर कराए जाने की मांग की गई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए विवि थाना टीआई हीतेन्द्रनाथ शर्मा ने तत्काल मामले पर जांच शुरू करा दी थी। विवि पुलिस द्वारा घटना के हर पहलू को बरीकी से परखा जा रहा है, बुधवार को विवि पुलिस एपीएसयू भी पहुंची और जहां छात्रों ने जबरन हंगामा किया और शाासकीय दस्तावेज प्रभावित किए , उसकी जांच की गई। इसके साथ ही अधिकारी-कर्मचारियों के बयान भी दर्ज किए गए हैं। माना जा रहा है कि जांच को पूरा करते हुए आज विवि पुलिस कथित दोनों छात्र नेताओं सहित अन्य पर मामला दर्ज कर सकती है।

## सीसीटीवी फुटेज देखे

विवि थाना पुलिस ने विवि में घटना स्थल के आस-पास लगे सभी सीसीटीवी फुटेज खंगाले हैं, सभी वीडियो विवि से लिए भी गए हैं, इसके साथ ही खुद छात्रों द्वारा ही वायरल किए गए वीडियो को भी संज्ञान में लेकर उसकी भी जांच की जा रही है। माना जा रहा है कि जबरन हंगामा कर शासकीय कार्य में बाधा डालने वालों की पहचान सीसीटीवी फुटेज से की जा रही है। पुलिस सभी की पहचान कर रही है। पूर्व में भी कथित छात्र नेताओं द्वारा ऐसा हंगामा किया जा चुका है।

## बंद होगी मनमानी प्रथा

बता दें कि विवि में अभी तक छात्रों द्वारा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर उसके निराकरण के लिए अधिकारी-कर्मचारियों से संपर्क करने की जगह हंगामे का रास्ता अपना लिया जाता था और इसका लाभ लेते हुए कथित छात्र नेताओं द्वारा विवि प्रबंधन पर दबाव बनाने का काम किया जाता था, लेकिन विवि के इस कदम से इस प्रकार के मनमानी और जबरन हंगामे बंद होंगे और छात्र शांति पूर्ण तरीके से अपनी समस्याओं की जानकारी दे सकेंगे।

# जल प्रदाय का सत्यापन एक सप्ताह में पूर्ण करें : कलेक्टर

## 3 माह में सफल परीक्षण कर हस्तांतरण प्रक्रिया पूर्ण करें व न्यूनतम राशि की करें वसूली

**जागरण, रीवा।** साल भर पूर्व नल-जल योजनाओं के संचालन का जिम्मा स्वसहायता समूहो को देने के निर्देश शासन द्वारा दिए गए थे लेकिन जनपद पंचायतों द्वारा अमल नहीं किया गया। विधायक प्रतिनिधि व उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल के निज सचिव राजेश पांडेय ने जब कलेक्टर प्रतिभा पाल का ध्यान आकृष्ट कराया तो कलेक्टर द्वारा सभी जनपद सीईओ को पत्र जारी किया गया है।

जारी पत्र में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन अध्यक्ष व जिला कलेक्टर प्रतिभा पाल ने 27 मई 2025 को मप्र राजपत्र क्रमांक 335/दिनांक 26 सितंबर 2020 द्वारा प्रकाशित आदेशानुसार पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, मप्र शासन द्वारा जल जीवन मिशन के तहत स्वीकृत एकल ग्राम नल जल योजनाओं के संचालन एवं संधारण के लिए संबंधित ग्राम पंचायत, ग्राम जल एवं स्वच्छता तदर्थ समिति/ग्राम पंचायत द्वारा चयनित सक्रिय स्वसहायता समूह या महिला समूह के माध्यम से ग्राम की स्वीकृत नल जल योजना के कार्य लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अनुबंधित संविदाकार द्वारा पूर्ण कर 3 माह सफल परीक्षण उपरांत हस्तान्तरण प्रक्रिया किए जाने हेतु उपरोक्त राजपत्र में विस्तृत दिशा निर्देश के प्रकाशन अनुसार पालन करने के निर्देश प्रदान किए। संबंधित जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को आदेशित किया गया कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सहायक यंत्री द्वारा निर्धारित प्रपत्र एवं आवश्यक दस्तावेज संलग्न कर जनपद पंचायत कार्यालय में प्रस्तुत हस्तान्तरण पत्रक में वर्णित जानकारी का सत्यापन संबंधित ग्राम पंचायत सरपंच, सचिव, ग्राम जल एवं स्वच्छता तदर्थ समिति/ग्राम पंचायत द्वारा चयनित सक्रिय स्वसहायता समूह या महिला समूह के संबंधितों के साथ आवश्यकता अनुसार किए गए कार्य से जल प्रदाय का सत्यापन एक सप्ताह में पूर्ण कर हस्तान्तरण पत्रक संबंधितों के साथ स्वयं भी हस्ताक्षरित कर एक प्रति लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को भिजवाते हुए जिला पंचायत को भी अवगत कराएं। योजना के हस्तान्तरण उपरांत उक्त राजपत्र में प्रकाशित निर्देशानुसार लाभार्थी हितग्राहियों से जलकर की निर्धारित न्यूनतम राशि की वसूली की जाए एवं एक माह की वसूली के उपरांत यदि संधारण एवं संचालन में व्यय राशि मासिक जलकर की आय से अधिक हो तो तत्काल ग्राम पंचायत द्वारा आवश्यक बैठक संबंधितों के साथ करके उपभोक्ताओं से ली जाने वाली मासिक जलकर की दर को पुनरीक्षित करें, जिससे जल प्रदाय के संचालन-संधारण में वित्तिय संकट निर्मित न हो। नियमानुसार नियमित वसूली कर पोर्टल में दर्ज कराएं।

# रंगोली बनाकर लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर को किया याद

## अटल पार्क में हुआ भाजपा महिला मोर्चा का रंगोली कार्यक्रम

**जागरण, रीवा।** पुण्यश्लोका अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम भारतीय जनता पार्टी द्वारा किये जा रहे हैं। इसी क्रम में बुधवार को रंगोली कार्यक्रम का आयोजन अटल पाक में किया गया, जिसमें भाजपा महिला मोर्चा का विशेष योगदान रहा। यह कार्यक्रम भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर महिला मोर्चा द्वारा अहिल्याबाई होल्कर की रंगोली बनाकर उनको याद किया गया। भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता ने महिला मोर्चा की महिलाओं को आभार प्रकट करते हुए कहा कि महिला शक्ति के बिना कुछ भी संभव नहीं है। शिव हैं तो शक्ति है और शक्ति है तो शिव हैं। उन्होंने लोकमाता अहिल्याबाई को शिव जी अनन्य भक्त बताया और उनके मार्ग का अनुसरण करने का संकल्प सभी को दिलाया।

**उत्तर मध्य रेलवे**

No. DYCE/GSU/GWL/Tender/0225 दिनांक : 27.05.2025

**ई-टेण्डरिंग टेन्डर नोटिस**

उप मुख्य इंजीनियर-II/गति शक्ति यूनिट, ग्वालियर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए खुली ई-निविदा (सिंगल-पैकेट सिस्टम) ऑनलाइन (ई-टेन्डरिंग) पद्धति से आमन्त्रित की जाती हैः-

| | |
|---|---|
| ई-टेन्डर क्रमांकः DYCEGSUGWL0225 | अनुमानित लागत : ₹ 2.14 Crore |
| कार्य का विवरणः "झांसी डिवीजन के आरओबी के 12 निर्माण के लिए डीपीआर तैयारी और डिजाइन, बोली प्रक्रिया के लिए परामर्श सेवाएं के सम्बन्ध में।" | |
| निविदा बन्द होने की तिथिः 24.06.2025 | कार्य पूर्ण करने की अवधिः 18 माह |

- ऑनलाइन निविदा दिनांक 24.06.2025 को 11:00 बजे तक जमा की जा सकती है।
- पूर्ण जानकारी तथा निविदा जमा करने के लिए कृपया भारतीय रेल की वेबसाईट www.ireps.gov.in देखें।

925/25 (MG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

**कार्यालय, मुख्य वन संरक्षक एवं क्षेत्र संचालक, संजय टाईगर रिजर्व,**
शिवाजी नगर, नौढ़िया, जिला–सीधी, 486661, (मध्य प्रदेश)
फोन नम्बर–7822297542
E.mail. fdsajnp.sdh@mp.gov.in, fdsanjay_tr@rediffmail.com , website. www.sanjaytigerreserve.in

क्र./ई–निविदा/2025/.......... सीधी दिनांक ................

**–: ई–निविदा सूचना :–**

कार्यालय मुख्य वन संरक्षक एवं क्षेत्र संचालक, संजय टाईगर रिजर्व, सीधी के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025–26 में कम्प्यूटर डेस्कटॉप कम्प्लीट, प्रिन्टर 06 नग सहित क्रय के लिये शासकीय कार्यो हेतु वाणिज्यिक कर अधिनियम के तहत् पंजीकृत, प्रतिष्ठित निर्माताओं तथा अधिकृत विक्रेताओं के लिये आनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

इस निविदा के लिये दिनांक 30.05.2025 से आवेदन केवल ऑनलाईन माध्यम से आमंत्रित किये जा रहे हैं। टेण्डर की विस्तृत जानकारी https://mptenders.gov.in/ के माध्यम से प्राप्त की जा सकेगी। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 12.06.2025 समय शाम 3.00 तक रहेगी। निविदा खोलने की तिथि 13.06.2025 को दोपहर 3.00 बजे तक रहेगा। उक्त निविदा वन विभाग की ऑफिशियल वेबसाईट https://mpforest.gov.in/ पर भी देखी जा सकेगी।

उप संचालक
संजय टाईगर रिजर्व, सीधी

जी–13489/25

**कार्यालय नगर परिषद चाकघाट, जिला– रीवा (म.प्र.)**
Email ID: cmochakghat@mpurban.gov.in
क्र./558/न.प./राजस्व/संपत्ति अंतरण/2025 चाकघाट, दिनांक 23.05.2025

**नामान्तरण सूचना**

एतद् द्वारा पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि म.प्र. नगर पालिका अधिनियम 1961 के चल, अचल सम्पत्ति अन्तरण नियम अन्तर्गत इस कार्यालय में सम्पत्तिकर / समेकितकर पंजी में दर्ज भवन को अपने नाम आपत्ति हो तो प्रमाणित अभिलेख सहित दिनांक 09.06.2025 तक आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समयावधि पश्चात् आपत्तियों पर कोई कार्यवाही नही की जावेगी।

| क्र. | वार्ड क्र. | भवन क्र. | वर्तमान भवन स्वामी का नाम | नामान्तरण का प्रकार | भवन अन्तरित व्यक्तियों का नाम एवं पता |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 08 | 12 | श्री विन्धेशरी प्रसाद प्रजापित पिता लोकनाथ प्रजापति वार्ड क्रमांक 08 चाकघाट, जिला–रीवा (म.प्र.) | विक्रय पत्र | श्रीमती शंकुन्तला केशरवानी पति स्व.श्री देवदास केशरवानी वार्ड 04 चाकघाट, जिला–रीवा (म.प्र.) |
| 2 | 11 | 35/36 | श्री उमेश कुमार गुप्ता पिता स्व.श्री शारदा प्रसाद गुप्ता एंव राजेन्द्र प्रसाद सोनी पिता जगदीश प्रसाद सोनी वार्ड क्रमांक 11 चाकघाट, जिला–रीवा (म.प्र.) | विक्रय पत्र | श्री जीतेन्द्र कुमार सोनी एवं सुरेन्द्र कुमार सोनी पिता राजाराम सोनी वार्ड 05 चाकघाट, जिला–रीवा (म.प्र.) |

मख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद चाकघाट,
जिला–रीवा (म.प्र.)

**कार्यालय जेल अधीक्षक, केन्द्रीय जेल रीवा (म०प्र०)**
**तृतीय वार्षिक ई-निविदा आमंत्रण वर्ष 2025-26**

केन्द्रीय जेल रीवा में परिरुध्द बंदियों के उपयोग हेतु वर्ष 2025-26 के लिये खाद्यान (शेष सामग्री), सब्जी क्रय करने हेतु तृतीय वार्षिक ई-निविदा www.mptenders.gov.in पर दिनांक- 17/06/2025 को सायं 05:00 तक आमंत्रित की जाती है । इच्छुक व्यापारीगण ई- निविदा फार्म एवं ई- निविदा से संबंधित संपूर्ण जानकारी www.mptenders.gov.in वेबसाईट से प्राप्त करें। विवरण निम्नानुसार है: -

| क्र. | विवरण | दिनांक/ समय | स्थान |
|---|---|---|---|
| 1. | प्री- बिड मीटिंग | 02/06/2025 प्रात: 11:00 बजे | केन्द्रीय जेल रीवा (म०प्र०) |
| 2. | ई- निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि (निविदा फार्म का मूल्य रुपये 05.00 लाख तक रुपये 500.00 एवं रुपये 05.00 लाख से अधिक रुपये 1000.00 लेखा शीर्ष 0056 जेलें 800 अन्य प्राप्तियों में जमा की जावेगी।) | 16/06/2025 सायं 05:00 बजे तक | www.mptenders.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है । |
| 3. | ई- निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि | 17/06/2025 सायं 05:00 बजे तक | www.mptenders.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है । |
| 4. | सेम्पल जमा करने की अंतिम तिथि | 18/06/2025 सायं 05:00 बजे तक | केन्द्रीय जेल रीवा (म०प्र०) |
| 5. | तकनीकी निविदा एवं आवश्यक दस्तावेज खोलने की अंतिम तिथि | 18/06/2025 सायं 05:00 बजे | www.mptenders.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है । |
| 6. | वित्तीय ई- निविदा खोलने की तिथि | 20/06/2025 सायं 05:00 बजे | www.mptenders.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है । |

नोट:-
1. ई-निविदा संबंधित समस्त कार्यवाही केन्द्रीय जेल रीवा द्वारा की जावेगी।
2. व्यापारियों को सूचित किया जाता है कि ई- निविदा के नियम व शर्तों का पालन करना अनिवार्य है तथा निविदा की समस्त जानकारी www.mptenders.gov.in की वेबसाईट पर प्राप्त की जा सकती है ।

जी–13493/25

जेल अधीक्षक
केन्द्रीय जेल रीवा (म०प्र०)

## दो वार्डों में सर्वेक्षण के दौरान पाये गये 13 अवैध नल कनेक्शन

**रीवा।** शहर में नलों से पानी नहीं आने की लगातार मिल रही शिकायतों के मद्देनजर सर्वेक्षण कराये जाने पर पता चला कि वार्डों में व्यापक पैमाने पर लोगों ने अवैध रूप से नल के कनेक्शन करा रखे हैं। अवैध नल कनेक्शनों के कारण उन लोगों को पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है जिन्होंने बाकायदा कनेक्शन ले रखा है और हर माह जलकर भी चुका रहे हैं। निगमायुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे के निर्देश पर शहर में अवैध नल कनेक्शनधारियों के खिलाफ सर्वेक्षण कार्यवाही प्रारंभ की गई, जिसमें भारी संख्या में अवैध नल कनेक्शन पाये गये। बुधवार को नगर निगम के जलप्रदाय शाखा द्वारा वार्ड 09 एवं वार्ड 43 में सर्वेक्षण किया गया। सर्वेक्षण के दौरान 13 अवैध कनेक्शन पाये जाने पर मौके पर नल कनेक्शन को विच्छेदित करने की कार्यवाही की गई। निगमायुक्त ने शहरवासियों से अपील की है कि अवैध रूप से नल कनेक्शन न करे एवं निर्धारित प्रक्रिया के तहत ही कनेक्शन लें और हर महीने जलकर जमा करें।

**नाम सुधार सूचना**

मैं गणेश कुमार प्रजापति पिता प्रेमलाल प्रजापति उम्र लगभग 32 वर्ष निवासी पता ग्राम बांसी,बंसी 429, तमाराबासी, रीवा जिला रीवा (म.प्र.) का हूं। पूर्व में मेरा नाम गणेश प्रजापति रहा है, किंतु बाद में मैने अपना सही व रिकार्डेड नाम गणेश कुमार प्रजापति सुधरवा लिया था, जिससे मेरे समस्त रिकार्डो में मेरा नाम गणेश कुमार प्रजापति ही है, ऐसी स्थिति में रिकार्डों को लेकर भविष्य में किसी प्रकार की विसंगतियां उत्पन्न ना हो, जिससे मैं यह इश्तहार प्रकाशन नाम सुधार सूचना वास्ते प्रकाशित करा रहा हूं।

आरएन- 82262 गणेश कुमार प्रजापति

**कार्यालय नगर परिषद चाकघाट, जिला– रीवा (म.प्र.)**
No./595/न.प./2025 Chakghat, Date 28.03.2025

**पंचम निविदा**
**सेक्सन–1**
**ई–निविदा आमंत्रण सूचना**

नगर परिषद चाकघाट द्वारा निर्माण कार्य हेतु म.प्र. लोक निर्माण विभाग में नवीन केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से तालिका में वर्णित कार्य हेतु आनलाइन निविदा एस.ओ.आर. दिनांक– 02.08.2021 के आधार पर दरें आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र क्रय डाउनलोड करने एवं निविदा से संबंधित समस्त शर्ते एवं जानकारी वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर Urban Administration Development Department से एवं कार्यालय नगर परिषद चाकघाट से प्राप्त की जा सकती है। निविदा में किसी प्रकार का संशोधन केवल वेबसाइट पर ही प्रकाशित किया जावेगा।

| S.N. | Tender ID | कार्य का विवरण | अनुमानित राशि (रू. में) | धरोहर राशि (रू. में) | निविदा फार्म का शुल्क |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | 2025_UAD 426277_1 | INTERCEPTION DIVERSION OF NALLAHS WITH STP WORK PROJECT OF CHAKGHAT TOWN UNDER SBM.2.0 LUMPSUM TENDER FIFTH CALL | 29711000.00 | 148555.00 | 15000.00 |

उक्त कार्य हेतु निविदा प्रपत्र दिनांक 24.05.2025 दोपहर 12.30 बजे से दिनांक 09.06.2025 सायं 05:30 तक वेबसाईट पर लागू प्रोसेसिंग शुल्क के ऑन लाईन भुगतान कर प्राप्त किये जा सकेंगे।

(विभव कुमार जायसवाल)
अध्यक्ष
नगर परिषद चाकघाट
जिला–रीवा (म.प्र.)

(संजय कुमार सिंह)
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद चाकघाट
जिला–रीवा (म.प्र.)

**मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मण्डल**
(मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग)
'चयन भवन', चिनार पार्क (ईस्ट), मेन रोड नं.-1, भोपाल-462011

**समूह-1 उप समूह-1 एवं समूह-2 उप समूह-1 संयुक्त भर्ती परीक्षा-2024 की स्थगित परीक्षा के आयोजन के संबंध में महत्वपूर्ण सूचना**

म.प्र. कर्मचारी चयन मण्डल द्वारा समूह-1 उप समूह-1 एवं समूह-2 उप समूह-1 संयुक्त भर्ती परीक्षा-2024 की आयोजन **तिथि 25.05.2025** को निर्धारित की गई थी। उक्त दिनांक को संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा होने के कारण एवं अभ्यर्थियों से प्राप्त अभ्यावेदनों पर विचारोपरांत उपरोक्त परीक्षा को स्थगित किया गया था। उक्त परीक्षा का आयोजन **दिनांक 02.06.2025** को किया जा रहा है, जिसके प्रवेश पत्र मण्डल की अधिकृत कार्यालयीन वेबसाइट **www.esb.mp.gov.in** पर अपलोड किये गए हैं। अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु अपना प्रवेश पत्र मण्डल की अधिकृत वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं।

विज्ञापन क्रमांक 61/2025
म.प्र. माध्यम//120317/2025 नियंत्रक

**कार्यालय कार्यपालन यंत्री,**
**म.प्र. लोक निर्माण विभाग, (भ./स.) सीधी संभाग सीधी**
Website – www.mppwd.gov.in/pwdmp, email – eepwdsidhi@mp.nic.in

नि सू क्र. 05/2025–26 सीधी, दिनांक 27.05.2025

**निविदा आमंत्रण सूचना**

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से निम्न कार्यो हेतु ऑनलाइन (Online) निविदा समस्त संसोधनों सहित के आधार पर, प्रपत्र – 'अ' में निविदाकारों, जो केन्द्रीय पंजीयन प्रणाली के तहत लोक निर्माण विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत हों, से आमंत्रित की जाती है : –

| ग्रुप क्र. | टेंडर आई0डी0 | कार्य का नाम | ठेके की अनुमानित राषि (रु लाख में) | 1. अमानत राशि 2. नि. प्रपत्र का मूल्य | 1. निविदा आमंत्रण क्रमांक 2. कार्यावधि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1 | 2025_PWDRB_425245 | उपसंभाग चुरहट के अन्तर्गत बघऊ अमिलिया मार्ग लं. 1.80 किमी. का निर्माण कार्य। लो0नि0वि0, सड़क एस.ओ.आर. 11.04.2025 | 171.46 | 1. 171460 2. 12500 | 1. प्रथम आमंत्रण 2 04 माह वर्षाकाल सहित |
| | | योग :– | 171.46 | | |

1. ऑन लाइन पोर्टल http://mptenders.gov.in के माध्यम से निविदा प्रपत्र क्रय करने, डाउनलोड एवं निविदा डालने का समय एवं दिनांक 02.06.2025 सुबह 10.30 से 17.06.2025 शाम 5.30 तक है।
2. अमानत राशि, केन्द्रीयकृत पी.डब्लू.डी. पंजीयन, शपथ पत्र, जी.एस.टी.एन. एवं अन्य अभिलेख (लिफाफा–अ), सिर्फ ऑनलाइन अपलोड किये जा सकते है।
3. उक्त सभी कार्य म.प्र. शासन लो.नि.वि. मंत्रालय भोपाल के आदेश क्र. एफ 53/02/2011/यो/19/524 भोपाल, दिनांक 14.02.2025 के अनुसार एस.ओ.आर. से 20 प्रतिशत से अधिक कम दर (Rates Below SOR Beyond 20%) डालने पर दोगुनी दर से अतिरिक्त परफारमेन्स गारंटी की राशि जमा करनी होगी, जो कि सिर्फ एफ.डी.आर. के रूप में मान्य होगी।
4. निविदा से संबंधित सशोधन, समय परिवर्तन आदि की सूचना केवल बेवसाइट के माध्यम से दी जावेगी।
5. विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईट पर देखा जा सकता है।

(एम.के.परते)
कार्यपालन यंत्री
लो.नि.वि., संभाग सीधी (म.प्र)

जी–13505/25

**म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम**
कार्यालय परियोजना यंत्री, पुलिस लाइन, रीवा (म.प्र.)
फोन नं. : 9425601556/9340714903

**प्रेस-विज्ञप्ति**

संभाग रीवा के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र हनुमना जिला मऊगंज में 50 बिस्तरीय भवन निर्माण का कार्य (विद्युतीय कार्य एवं सेनेटरी फिटिंग तथा बाह्य विकास कार्य सहित) निर्माण कार्यों हेतु निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 07/2025-26 (ऑनलाइन निविदा क्रमांक MPPHCL/TENDER NO. 2025_MPPHC_427121_1 आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदा प्रपत्र दिनांक 10.06.2025 समय 17:00 बजे तक ऑनलाइन खरीदे एवं प्रस्तुत किये जा सकते हैं एवं निविदा सूचना व अन्य विवरण Portal : http://www.mptenders.gov.in पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/120306/2025 परियोजना यंत्री

## आस्ताना हजरत के सालाना उर्स पर कव्वाली का प्रोग्राम आज

**रीवा।** सूफी संत हजरत मिस्कीन शाह का सालाना 90वां उर्स धूमधाम के साथ धोबिया टंकी में मनाया जा रहा है जिसमें आज 29 मई को दिल्ली के कव्वाल आमिल आरीफ शाबरी व हैदराबाद के कव्वाल अली जावेद वारसी के बीच कव्वाली का शानदार मुकाबला होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता करेंगे।

**सूचना**

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्रवाई से पहले उचित व जरुरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

**लोन**

लोन फाईनेंस सर्विस रीवा संभाग में विशेष लोन व्यवस्था मुद्रा लोन, आधार कार्ड, मार्कशीट, पर्सनल, कृषि लोन और सभी प्रकार के लोन 2% ब्याज 50% छूट ( एजेंट आमंत्रित ) संपर्क - 8962086944

**पश्चिम मध्य रेल**
विद्युत शाखा – खुली निविदा
निविदा सूचना क्र.– JBP-L-T-No. -07-2025

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत) पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से अनुभवी ठेकेदार से निम्नलिखित कार्यों हेतु ई–टेंडर आमंत्रित किया जाता है। निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन प्रस्ताव ही स्वीकार किए जाएंगे इस ठेका के विरूद्ध मैनुअल ऑफर की अनुमति नहीं है और ऐसा प्राप्त मैनुअल ऑफर स्वीकार नहीं किया जाएगा। **निविदा सूचना क्रमांक–** जबल/एल/टी नं. /07/2025, **कार्य का नाम लोकेशन सहित–** रीवा डिपो – गाड़ी संख्या 11703/04, 11756/55/53/54, 02187/88, 02185/86, 01703/04 एवं अवकाश/ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ियों के एसी कोचों में दो वर्ष की अवधि के लिए एसी कोच इलेक्ट्रिकल अटेंडेंट (एसीसीईए) की व्यवस्था।, **निविदा का अनुमानित मूल्य–** 7617701.52, **निविदा फार्म की कीमत रूपये–** निल, **कार्यालय का पता–** वरि. मंडल विद्युत अभियंता/सामान्य/जबलपुर द्वितीय फ्लोर , डीआरएम बिल्डिंग, जबलपुर 482001, **समापन अवधि (वर्ष)–** 02 वर्ष, **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय (15:00 बजे तक)–** 13/06/2025, **निविदा खुलने की तिथि एवं समय (15:30 बजे तक)** – 13/06/2025, निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी रेलवे वेबसाईट https://www.ireps.gov.in उपलब्ध है तथा मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत) कार्यालय जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर भी उपलब्ध है।

(हस्ता.)
कृते मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत)
पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

सत्यमेव जयते

**भारत सरकार**
**सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय**
**दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग**
**5वीं मंजिल, पं. दीनदयाल अंत्योदय भवन, 'सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली- 110003**

**वर्ष 2025 के लिए दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए 'ऑनलाइन' माध्यम से आवेदन आमंत्रित करना**

वर्ष 2025 के लिए दिव्यांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए आवेदन/नामांकन जमा करने के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल 15 मई, 2025 से 15 जुलाई, 2025 तक खुला है। इसका विवरण निम्नानुसार है:

i. आवेदन/नामांकन राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल www.awards.gov.in पर किए जायेंगे।

ii. वर्ष 2025 के राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए 15 जुलाई, 2025 तक प्राप्त आवेदनों/नामांकनों पर ही विचार किया जाएगा।

iii. वर्ष 2025 के लिए आवेदन केवल राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल (www.awards.gov.in) पर ऑनलाइन जमा किया जाना है। नामांकन में उपरोक्त पोर्टल पर उपलब्ध प्रारूप में निर्दिष्ट सभी प्रासंगिक विवरण शामिल होने चाहिए, जिसमें, उल्लेखनीय और प्रेरक उपलब्धियों को स्पष्ट रूप से शामिल किया जाना चाहिए तथा उपलब्धियों से सम्बधित सहायक दस्तावेज भी अपलोड करना चाहिए।

iv. भोतिक रूप से या किसी अन्य रूप से प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

v पात्रता मानदंड और अन्य विवरणों के लिए विभाग की वेबसाइट (www.depwd.gov.in) तथा राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल (www.awards.gov.in) पर उपलब्ध ''दिव्यांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए दिशानिर्देश'' देखे जा सकते हैं।

cbc 38117/11/0001/2526

**कार्यालय, शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रीवा म.प्र.**
खुली निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक/363 /2025 दिनांक 27.05.2025

प्राचार्य शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय रीवा द्वारा निम्नलिखित मदो हेतु खुली निविदा आमंत्रित की जा रही हैं। इच्छुक निविदाकार महाविद्यालय के स्टोर शाखा से सम्पर्क कर विस्तृत विवरण प्राप्त कर सकते हैं। उक्त जानकारी वेबसाइट में m.p.higher education portal पर देखी जा सकती है। निविदा दिनांक 24-06-2025 अपरान्ह 05:30 बजे तक स्वीकार्य की जाएगी।

| क. | समग्री का विवरण एवं मरम्मत |
|---|---|
| 1 | पीतल/फाइबर/डिजिटल बोर्ड जिसमे पीतल की पट्टी लगी हो |
| 2 | 30मी. उँची स्टील पाइप में तिरंगे झण्डे का इंस्टॉलेशन (खम्भे मे झण्डा लगाकर निर्माण कार्य फिनिश करने तक |
| 3 | इन्वर्टर बैटरी/ए.सी. रिपेयरिंग/फिज/मिक्सी/माइक्रोवेव, कूलिंग उपकरण रिपेयरिंग एवं सामग्री क्रय |
| 4 | इलेक्ट्रानिक सामग्री एवं रिपेयरिंग कार्य एवं अन्य सामग्री कय |
| 5 | कारपेंटर, दरवाजा, खिडकी रिपेयरिंग का कार्य एवं सामग्री क्रय, कम्प्यूटर लैब फर्नीचर निर्माण का कार्य |
| 6 | प्लंबिंग मटेरियल रिपेयरिंग एवं कय |
| 7 | वाटर आरओ, प्लांट एवं आरओ से संधित सामही के क्रय एवं रिपेयरिंग का कार्य |
| 8 | फ्लैक्स/बैनर/विनायल/पोस्टर/प्रपत्र एवं मीडिया/ प्रचार संबधी कार्य, अलग–अलग आकार में क्रय, महाविद्यालय में आयोजित होने वाले सेमिनार/वर्कशाप/विशेष व्याख्यान आदि में प्रयुक्त होने वाली सामग्री एवं सेवा।, महाविद्यालय में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में फोटो एवं वीडियोग्राफी का कार्य/करिज्ग एवं एलबम क्रय |
| 9 | नोटिस बोर्ड/दीवारों पर पेंट द्वारा लिखावट का कार्य/बोर्ड एवं नेम प्लेट मेटल क्रय |
| 10 | महाविद्यालय के सभी गार्डन के रख–रखाव / मौसमी पुष्पीय पौधे लगाने का कार्य / औषधीय पौधे क्रय प्लास्टिक /सीमेन्ट स्टैण्ड सहित गमला क्रय /घडी/ग्रास कटर/लेवलिंग मशीन 'गार्डन कैंची एवं गार्डन से संबंधित समस्त सामग्री कय |
| 11 | खेल संबंधी सामग्री व पुरस्कार से संबधित सामग्री हेतु |
| 12 | महाविद्यालय मे वार्षिक अंकेक्षण एवं महाविद्यालय मे आयकर वित्तीय विवरण हेतु |
| 13 | महाविद्यालय भवन मरम्मत का कार्य |
| 14 | बायोमैट्रिक/फोटो फेसिंग की मशीन क्रय एवं रिपेयरिंग |
| 15 | मेटल/मारबल मूर्तियों का क्रय |
| 16 | बाड/स्टील फेमिंग फैसींग/पोल/चैन सहित लोहे की जाली फैसींग बाड के लिए सामग्री क्रय /निकल स्टील कार्य |
| 17 | गार्डन में सीमेन्ट/लोहे की बैठक चेयर/टीन शेड/प्लास्टिक शेड सामग्री क्रय |
| 18 | पर्दा, झण्डा, डोरमेट, कारपेट, डस्टविन, डस्टविन स्टैण्ड, क्राकरी आदि सामग्री क्रय |
| 19 | सोफा/स्टील आलमारी/मूविंग चेयर/टेबिल/स्टूल आदि सामग्री क्रय/स्टील की कुर्सियां और बेंच 3 सीटर सहित |
| 20 | इन्टरनेट से संबंधित समस्त सामग्री क्रय |
| 21 | मोटर पम्प 01 एच.पी. क्रय एवं रिपेयरिंग |
| 22 | बास्केटबाल/बैडमिंटन /बॉलीबॉल मैदान निर्माण एवं रागतलीकरण |
| 23 | पार्टीशन हेतु ग्लास एवं एल्यूमीनियम फ्रेम , विथ ग्लास सहित |
| 24 | महाविद्यालय के ग्रास कटर मशीन/सफाई मशीन /इलेक्ट्रानिक एवं मनुअल |
| 25 | इलेक्ट्रानिक टी.वी. डिजिटल टी.वी. 65 इंच से 100 इंच क्रय एवं मरम्मत कार्य |
| 26 | ड्रोन कैमरा 200 से 500 मीटर सोलर कैमरा हेतु निविदा |
| 27 | महाविद्यालय के सुरक्षा गार्ड हेतु शासन द्वारा मान्य ऐजेन्सी से निविदा |
| 28 | सफाई कर्मी हेतु निविदा |

प्राचार्य
शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय
रीवा (म.प्र.)

## टीआरएस कॉलेज में लगाया गया स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

**रीवा।** टीआरएस कालेज में एनएसएस महिला एवं पुरुष इकाई के तत्वाधान में अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल के द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों, शैक्षणिक और अशैक्षणिक, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपना स्वास्थ्य परीक्षण करवाया। शिविर में 113 लोगों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया गया। परीक्षण के दौरान हॉस्पिटल से आए हुए डॉक्टरों की टीम में शामिल डॉ. रंजना, डॉ. सोनाली, डॉ. राजनंदनी, डॉ. नादिया सैफी एवं नर्सिंग स्टाफ ने स्वास्थ्य परीक्षण किया।

## महामहोपाध्याय की मानद उपाधि से अलंकृत हुए डॉ. सूर्यनारायण गौतम

**रीवा।** हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग द्वारा संस्कृत के मूर्धन्य विद्वान डॉ. सूर्यनारायण गौतम को विगत 27 मई को डॉ. प्रभात शास्त्री की 107वीं जयन्ती के अवसर पर संस्कृत विषयक साहित्यिक अवदान के लिए संस्कृत महामहोपाध्याय की मानद उपाधि प्रदान की गई। डॉ. गौतम को यह उपाधि काशी हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी के ज्योतिष विभागाध्यक्ष प्रो. गिरिजाशंकर शास्त्री एवं पूर्व न्यायमूर्ति, इलाहाबाद उच्च न्यायालय सुधीर नारायण द्वारा प्रदान की गई। एकलव्य विश्वविद्यालय दमोह में प्राध्यापक संस्कृत के पद पर है। इस अवसर पर संस्कृत परिषद् के सचिव रामायण तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार अंजनी कुमार शास्त्री तथा सीधी से बघेली कवि सतीश कुमार पांडेय सलभ उपस्थित रहे।

### कार्यालय, नगर पालिक निगम, रतलाम (म.प्र.)

क्रमांक/272/ज.प्र./2025 — :: ई-निविदा आमंत्रण :: — रतलाम, दिनांक 27.05.2025

नगर पालिक निगम रतलाम द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रण की जाती है जिसकी विस्तृत जानकारी ऑनलाईन वेबसाईड https://mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है:-

| क्र | ऑनलाईन निविदा क्र. | कार्य का विवरण | कार्य की समयावधि एवं लागत | निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD | निविदा की अंतिम तिथि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | 427010 | Repairing of Leakage at Various Places in Zone No 01 Ward No 01 to 25 Ratlam as per Estimate ( प्रथम आमंत्रण ) | 1- 365 Days 2- 20,40,000/- | 1- 5,000/- 2- 40,800/- | 1- 27/06/2025 15:30 |
| 2. | 427011 | Repairing of Leakage at Various Places in Zone No 02 Ward No 26 to 49 Ratlam as per Estimate ( प्रथम आमंत्रण ) | 1- 365 Days 2- 20,40,000/- | 1- 5,000/- 2- 40,800/- | 1- 27/06/2025 15:30 |

**नोट :-** निविदा से संबंधित किसी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाईड पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
जलप्रदाय
नगर पालिक निगम, रतलाम

**प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं का सम्मान 15 जून को** : रीवा। हर साल की तरह इस साल भी कक्षा 1 से लेकर स्नातकोत्तर तक के किसी भी क्लास में पढ़ने वाले बच्चे जिन्होंने अपने कक्ष में टॉप किया है, उन्हें सूफी इकरा प्रतिभा सम्मान समिति एक भव्य कार्यक्रम आयोजित करके सम्मानित करेगी। इस आयोजन का मकसद बच्चों में पढ़ाई की ओर रुझान पैदा करना है। इसके माध्यम से बच्चे अपनी कक्षा में प्रथम आने की तैयारी करते हैं।

नाटा 2025
Choose Architecture
हिस्सा बनें राष्ट्र निर्माण का

वास्तुकला परिषद
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

**नाटा-2025 वास्तुकला परीक्षा**

नाटा-2025 के लिए पंजीकरण 03-02-2025 से www.nata.in पर आरम्भ हो चुका है और 24-06-2025 को समाप्त होगा। 5 वर्षीय बी.आर्क. डिग्री प्रोग्राम के पहले वर्ष में प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे तुरंत नाटा-2025 के लिए अपना पंजीकरण करवा लें।

**कौन आवेदन कर सकता है?**

कक्षा 11वीं एवं 12वीं में उत्तीर्ण और उपस्थित होने वाले वे सभी छात्र, जिन्होंने भौतिकी और गणित अनिवार्य विषयों के साथ 45 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हों अथवा 10+3 डिप्लोमा गणित विषय के साथ 45 प्रतिशत अंकों के साथ प्राप्त किया हो।

नाटा-2025 ब्रोशर में पात्रता मानदंड, पाठ्यक्रम और बी.आर्क में छात्रों को प्रवेश देने वाले संस्थानों की सूची शामिल है। नाटा में प्राप्त अंकों के आधार पर कार्यक्रम के लिए आवेदन की अंतिम तिथि सहित अन्य महत्वपूर्ण विवरण www.nata.in और www.coa.gov.in पर उपलब्ध है।

नाटा-2025 में प्राप्त अंक परीक्षा देने वाले वर्ष से दो शैक्षणिक वर्षों के लिए वैध होगा। प्रति शैक्षणिक वर्ष अधिकतम अनुमत प्रयास 3 बार रहेगा।

www.nata.in
NATA Helpdesk
stusupport@nata-app.online
+91 7385395400

नई दिल्ली
29-05-2025
रजिस्ट्रार

www.facebook.com/coa.gov.in/ @council_of_architecture_india @coasocial9256 @CouncilofArchi1 coa.gov.in

### कार्यालय नगर पालिका परिषद सीहोर जिला, सीहोर (म.प्र.)

प्रारूप -28

**मनकामेश्वर मंदिर के सामने शॉपिंग कॉम्पलेक्स की दुकानों की ग्यारहवीं ई-निविदा आमंत्रण सूचना**

क्र. 6189/रा.शा./ई टेंडरिंग/2025 सीहोर — सीहोर. दिनांक 27.05.2025

| क्र. | निविदा क्र. | संपत्ति का विवरण | आरक्षित मूल्य राशि | निविदा प्रपत्र शुल्क | अमानत राशि | आरक्षण की स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 01 | 2024_UAD_329332_4 | भूतल दुकान क्रमांक 07 | 633622.50 | 5900/- | 100000/- | अनारक्षित |
| 02 | 2024_UAD_329340_4 | भूतल दुकान क्रमांक 08 | 633622.50 | 5900/- | 100000/- | अनारक्षित |
| 03 | 2024_UAD_329349_4 | भूतल दुकान क्रमांक 10 | 693967.50 | 5900/- | 100000/- | अनारक्षित |
| 04 | 2024_UAD_329353_4 | भूतल दुकान क्रमांक 11 | 633622.50 | 5900/- | 100000/- | अनारक्षित |
| 05 | 2024_UAD_329362_4 | भूतल दुकान क्रमांक 13 | 633622.50 | 5900/- | 100000/- | अनारक्षित |
| 06 | 2024_UAD_329366_4 | भूतल दुकान क्रमांक 14 | 633622.50 | 5900/- | 100000/- | अनारक्षित |
| 07 | 2024_UAD_329371_4 | भूतल दुकान क्रमांक 15 | 693967.50 | 5900/- | 100000/- | अनारक्षित |
| 08 | 2024_UAD_329373_4 | प्रथम तल दुकान क्रमांक 16 | 462645.00 | 5900/- | 100000/- | अनारक्षित |
| 09 | 2024_UAD_329403_4 | प्रथम तल दुकान क्रमांक 20 | 633622.50 | 5900/- | 100000/- | अनारक्षित |
| 10 | 2024_UAD_329420_4 | प्रथम तल दुकान क्रमांक 21 | 693967.50 | 5900/- | 100000/- | अनारक्षित |

1-इच्छुक बोलीदाता वेबसाईट http://mptenders.gov.in पर NIT देख सकते हैं।
2-बोली दस्तावेज सार्वजनिक अवकाश को छोड़कर दिनांक 28/05/2025 प्रातः 11.00 से 14/06/2025 सायं 17.30 तक ऑनलाईन क्रय किये जा सकते हैं।
3-NIT में संशोधन, यदि कोई होता है, तो केवल वेबसाईट पर प्रकाशित किया जाएगा, समाचार पत्र में नहीं।

विकास प्रिंस राठौर
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद सीहोर

भूपेंद्र कुमार दीक्षित
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद सीहोर

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

## विश्वास बहाली और संदेश देने का महत्वपूर्ण प्रयास

**पहलगाम में जम्मू-कश्मीर कैबिनेट की विशेष बैठक विश्वास बहाली की दिशा में अहम प्रयास है। इससे देश के लोगों में तो भरोसा जगेगा ही, सीमापार तक भी यह संदेश पहुंचेगा कि आतंकी गतिविधियां जम्मू-कश्मीर की तरक्की को रोक नहीं सकतीं।**

पहलगाम में कैबिनेट की बैठक विश्वास बहाली का एक महत्वपूर्ण प्रयास है, जो देश और सीमा पार यह संदेश देगा कि आतंकवाद जम्मू-कश्मीर की प्रगति को बाधित नहीं कर सकता।

पर्यटन में वृद्धि दर्शाती है कि घाटी में स्थिति सामान्य हो रही है। लेकिन आतंकी हमलों का उद्देश्य हमेशा से पर्यटन और जम्मू-कश्मीर की प्रगति को बाधित करना रहा है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि विशेष दर्जा खत्म होने और केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद से जम्मू-कश्मीर में पर्यटकों की आमद बढ़ी है। विधानसभा में पेश रिपोर्ट के मुताबिक, 2021 से 2024 के बीच 7.49 करोड़ से ज्यादा टूरिस्ट यहां पहुंचे थे। इसमें से 99.93 लाख से अधिक पर्यटकों ने घाटी की सैर की।

जम्मू के मुकाबले कश्मीर का डेटा भले कम हो, लेकिन इसमें लगातार बढ़ोतरी हो रही है। अच्छी बात यह रही कि इस दरम्यान कश्मीर में विदेशी पर्यटक अधिक आए, 2024 में 65 हजार से भी ज्यादा। ये आंकड़े केवल पर्यटन का हाल नहीं बताते, बल्कि साबित करते हैं कि जम्मू-कश्मीर, खासकर घाटी में चीजें सामान्य हो रही थीं। जो इलाका आतंकवाद का दंश दशकों से झेल रहा था, वह पूरे भारत के साथ कदमताल करने लगा था। आतंकी इसी पर चोट करना चाहते थे और पहलगाम हमले का मकसद यही था।

इसी वजह से पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों ने टारगेट किलिंग कर देश में सांप्रदायिक उन्माद फैलाने की कोशिश की। पहलगाम के बाद जम्मू-कश्मीर के तमाम पर्यटक स्थलों को बंद कर दिया गया था और होटल-टैक्सी वगैरह की 90 फीसदी तक बुकिंग कैंसल हो गई थीं। यह झटका केवल उनके लिए नहीं है, जिनका रोजगार सीधे पर्यटन से जुड़ा हुआ है, यह चोट पूरे राज्य की आर्थिक सेहत और टूरिज्म बढ़ाने के लिए हाल के बरसों में किए गए तमाम प्रयासों पर है। सीएम उमर अब्दुल्ला ने ठीक कहा कि अगर हम इन जगहों पर नहीं जाएंगे तो कौन जाएगा। अगर बंदूकों से डरकर घाटी को अकेला छोड़ दिया जाता है, तो यह आतंकी मंसूबों की जीत होगी। यही तो वे चाहते हैं। उनकी गोलियों का जवाब देने के साथ-साथ यह संदेश भी पहुंचना चाहिए कि हिंदुस्तान के किसी कोने में आतंकवाद के लिए कोई जगह नहीं है।

उमर अब्दुल्ला ने नीति आयोग की बैठक में यह सुझाव भी दिया था कि कश्मीर में बैठक करना अनिवार्य होना चाहिए। साथ ही, संसदीय समितियों को भी घाटी में जाकर मीटिंग करनी चाहिए। ये कदम छोटे-छोटे ही सही, पर स्थानीय लोगों में सुरक्षित होने का अहसास पैदा करने के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं।

इस कड़ी में पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला की यह बात भी गौर करने लायक है कि केवल टूरिज्म पर निर्भर न रहकर इंडस्ट्री लाई जाए। इससे तमाम दूसरे रास्ते अपने आप खुल जाएंगे।

# बेमौसम बरसात बिगाड़ रही है पारंपरिक कृषि समीकरण

मानसून का प्रभाव

पंकज चतुर्वेदी

**समय से पहले मानसून का आना मौसम के पैटर्न में एक व्यवधान का संकेत हो सकता है, जो कृषि से लेकर बुनियादी ढांचे तक कई क्षेत्रों में अनपेक्षित और नकारात्मक परिणाम पैदा कर सकता है। यदि जलवायु परिवर्तन के कारण मानसून यूं ही अनियमित होता रहा, तो देश के कई आर्थिक और कृषि संबंधी समीकरण बिगड़ सकते हैं। देश की खेती, हरियाली और वर्ष भर के जल संसाधनों की व्यवस्था इसी बरसात पर निर्भर करती है।**

कहते हैं, जब जेठ तपता है, तब आषाढ़ बरसता है और सावन-भादों में झड़ी लगती है। लेकिन इस वर्ष नौतपा में, जब देश को गर्मी से झुलसना चाहिए था, तब तो जैसे सावन ही आ गया हो– बारिश की झड़ी लग गई। मौसम वैज्ञानिक इसे मानसून-पूर्व वर्षा मानते रहे, परंतु चुपके से कर्नाटक, महाराष्ट्र और केरल में मानसून की बयार समय से पहले ही दस्तक दे गई।

हमारे देश की अर्थव्यवस्था और सामाजिक संरचना मानसून पर गहराई से निर्भर है। इस वर्ष केरल में मानसून 24 मई को, यानी सामान्य तिथि से आठ दिन पहले पहुंच गया। कर्नाटक और मुंबई में भी 26 मई को मानसून ने समय से पहले ही दस्तक दे दी। हालांकि इस असामयिक बारिश ने गर्मी से राहत जरूर दी, लेकिन यदि जलवायु परिवर्तन के कारण मानसून यूं ही अनियमित होता रहा, तो देश के कई आर्थिक और कृषि संबंधी समीकरण बिगड़ सकते हैं। देश की खेती, हरियाली और वर्ष भर के जल संसाधनों की व्यवस्था इसी बरसात पर निर्भर करती है।

भारतीय मानसून मुख्यतः गर्मियों के दौरान वायुमंडलीय परिसंचरण में होने वाले परिवर्तनों पर आधारित होता है। जैसे ही गर्मी की शुरुआत होती है, सूर्य उत्तरायण हो जाता है। सूर्य के उत्तरायण के साथ-साथ अंतःउष्णकटिबंधीय अभिसरण क्षेत्र का भी उत्तर की ओर स्थानांतरण होने लगता है। इसके प्रभाव से पश्चिमी जेट स्ट्रीम हिमालय के उत्तर में प्रवाहित होने लगती है, जिससे मानसून की स्थितियां बनती हैं।

ग्लोबल वार्मिंग के कारण महासागरों का तापमान बढ़ रहा है, जिससे वायुमंडल में नमी बढ़ती है और बादल जल्दी बनते हैं। जल्दी मानसून के कुछ वैश्विक कारक भी हैं। मॉरीशस और मेडागास्कर के पास से निकलने वाली एक प्रमुख निम्न-स्तरीय पवन धारा सोमाली जेट मई में तीव्र हो गई। यह जेट अरब सागर के पार केरल, कर्नाटक, गोवा और महाराष्ट्र सहित भारत के पश्चिमी तट पर नमी से भरी हवा पहुंचाता है। इस साल इसकी असामान्य ताकत मानवजनित प्रभावों के कारण प्रतीत होती है।

मानसून ने तय समय से पहले आने की लोग खुशी मना रहे हैं क्योंकि इसने गर्मी से तुरंत राहत दे दी है लेकिन गर्मी से राहत देने वाला और जल्दी आने वाला मानसून आम लोगों की जेब पर भी असर डालने लगा है, क्योंकि इसका असर कृषि पर दिखने लगा है और महंगाई को ये आमंत्रण दे चुका है।

प्याज के लिए ज्यादा कीमत देने के लिए तैयार हो जाइए क्योंकि महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में भारी बारिश के चलते प्याज जैसी अहम फसलों को नुकसान पहुंचा है। अब एक बार फिर सब्जियों की कीमतों में उछाल की आशंका है साथ ही जहां महंगाई काबू हो रही थी उसे भी झटका लग सकता है।

किसानों को अक्सर मानसून के एक निश्चित समय पर आने की उम्मीद होती है। यदि मानसून जल्दी आ जाता है, तो वे खेत तैयार करने, बुवाई करने या सही फसल का चुनाव करने के लिए तैयार नहीं हो सकते हैं। जल्दी मानसून से उनका सामान्य फसल चक्र बाधित हो सकता है। समय से पहले बरसात ने बड़े पैमाने पर फसलों को प्रभावित किया है। आम, अनार, नींबू जैसी बागवानी फसलों के साथ साथ बाजरा, मक्का की फसल भी प्रभावित हुई है। बारिश की सबसे ज्यादा मार प्याज के किसानों पर पड़ी है। इसके अलावा सोयाबीन और उड़द एवं मूंग जैसी फसलों के प्रभावित होने की भी आशंका जताई जा रही है। भारी बारिश के कारण बागवानी के आलावा बाजरा, मक्का जैसी फसलों को भी नुकसान पहुंचा है। मई महीने में हो रही बारिश के कारण 29,483 हेक्टेयर फसलें, खासतौर पर आम, अनार, संतरा, मीठा नींबू और सब्जियों जैसी बागवानी फसलों को नुकसान पहुंचा है। किसानों को इस बारिश ने परेशान कर दिया है, खासकर मराठवाड़ा और विदर्भ के ऐसे किसान जो आगामी खरीफ सीजन के लिए अपने खेतों को तैयार करने में जुटे थे। किसानों के मुताबिक सोयाबीन के लिए जुताई और कतार बनाने के मामले में खेत की तैयारी अभी पूरी नहीं हुई है। बारिश ने काम रोक दिया है। बुवाई का काम खेत में पर्याप्त नमी होने के बाद भी शुरू होता है। मूंग और उड़द जैसी फसलों के लिए बुवाई का समय कम होता है, जबकि कपास और सोयाबीन जैसी फसलों के लिए यह समय लंबा होता है। किसानों को चिंता है कि कहीं यह बारिश बुवाई के दौरान मुश्किल न बन जाए। कोंकण, नासिक, पुणे, कोल्हापुर, छत्रपति संभाजीनगर, लातूर, अमरावती और नागपुर में प्याज उत्पादक क्षेत्रों में बेमौसम बारिश से ज्यादा प्याज की फसल को नुकसान हुआ है। जिसमें सबसे ज्यादा प्याज की फसल को नुकसान हुआ है। प्याज उत्पादक जिलों में बेमौसम बारिश हुई है। बारिश में हजारों एकड़ में लगी प्याज की फसल बर्बाद हो गई है। कीमतें पहले से ही कम थीं और बेमौसम बारिश के कारण और भी गिर गई हैं। किसान एक साल पहले से ही रबी सीजन की तैयारी शुरू कर देते हैं जिसमें अगस्त-सितंबर 2024 में नर्सरी लगाई जाती है और नवंबर से जनवरी तक फिर से रोपाई की जाती है। इस साल मार्च से पहले फसल काटने वाले किसानों को प्रति एकड़ अच्छी उपज मिली है। वहीं अप्रैल-मई में कटाई करने वाले किसान उतने भाग्यशाली नहीं रहे हैं, क्योंकि फसल को बहुत ज्यादा गर्मी और फिर बेमौसमी बारिश का सामना करना पड़ा है । सभी किसानों के पास स्टोरेज की सुविधा नहीं है। जो किसान खेतों में अपनी उपज को स्टोर करते हैं वो मई में हुई बारिश में सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। इन किसानों की कटी हुई फसलें गीली हो गई हैं जबकि कई इलाकों में खड़ी फसलें भी खराब हो गई हैं।

मौसम विभाग और कृषि विशेषज्ञों की मानें तो यदि मानसून की गतिविधियां इसी तरह अनियमित रहीं, तो आगामी खरीफ सीजन की उत्पादन योजनाएं प्रभावित हो सकती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि जलवायु परिवर्तन के चलते किसानों को वैज्ञानिक और लचीली कृषि पद्धतियों को अपनाने की आवश्यकता है। इस बार समय से पहले आई बारिश किसानों के लिए मुसीबत बन गई है। हजारों हेक्टेयर फसलों का नुकसान और बुवाई में देरी ने पहले ही सीजन को संकटग्रस्त बना दिया है। हालांकि कृषि विभाग स्थिति पर नजर बनाए हुए है और जल्द ही पुनः बुवाई के लिए दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे। समय से पहले मानसून का आना मौसम के पैटर्न में एक व्यवधान का संकेत हो सकता है, जो कृषि से लेकर सार्वजनिक स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे तक कई क्षेत्रों में अनपेक्षित और नकारात्मक परिणाम पैदा कर सकता है।

# बढ़ते परीक्षणों से अंतरिक्ष में कचरा बढ़ने की आशंका

अंतरिक्ष कचरा

विवेक एस अग्रवाल

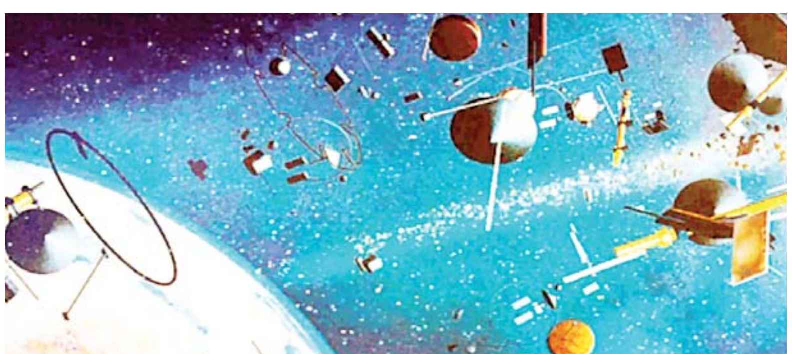

**विभिन्न राष्ट्रों द्वारा अंतरिक्ष पर्यटन एवं परीक्षणों को निजी क्षेत्र के लिए खोल देने से प्रतिस्पर्धा बढ़ने के साथ नए प्रकार के कचरे की समस्या पैदा होगी। अभी धरती पर पर्यटन से जुड़ा कचरा साफ होना ही बड़ी चुनौती है, ऐसे में अंतरिक्ष के बढ़ते उपयोग के कारण विभिन्न प्रकार का कचरा पृथ्वी की कक्षा में व्यापक होता जा रहा है।**

समस्त राष्ट्र अंतरिक्ष में अपनी जगह बनाने के लिए विभिन्न अभियानों को अंजाम दे रहे हैं, तो स्पेस एक्स जैसी कंपनियां निरंतर अंतरिक्ष में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नई-नई कवायद कर रही हैं। अभी धरती का पर्यटन से जुड़ा कचरा साफ होना ही बड़ी चुनौती है, ऐसे में अंतरिक्ष और विशेष तौर पर पृथ्वी की सतह से 160 से 2,000 किलोमीटर पर स्थित निम्न पृथ्वी कक्षा यानी लो अर्थ ऑर्बिट में बढ़ता कचरा भविष्य की आशंकाओं को प्रबल करता है। इस कक्षा में ही संचार, मौसम, खोजबीन उपग्रह स्थापित होते हैं और वैज्ञानिक प्रयोगों को अंजाम दिया जाता है। इन्हीं उपग्रहों के जरिये ईमेल, वीडियो कॉन्फ्रेंस, पेजिंग, डाटा संप्रेक्षण समेत दैनंदिन में उपयोगी क्रियाओं का संपादन भी होता है। उपग्रहों पर बढ़ती निर्भरता और इनके रक्षा उपयोग के कारण आने वाले दिनों में युद्ध का केंद्र भी अंतरिक्ष बन जाए, तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए। भारत समेत अमेरिका, रूस और चीन के पास दुश्मन के उपग्रहों को नष्ट करने की सफल तकनीक उपलब्ध है। इसके जरिये दुश्मन देश के उपग्रहों द्वारा जासूसी अथवा संचार प्रणाली को प्रभावित करने की अवस्था में सजीव उपग्रहों का भी विनाश किया जा सकता है। अंतरिक्ष में बढ़ती इस लड़ाई के कारण भी वहां मलबे का बढ़ना लाजिमी है। इसके अतिरिक्त, विभिन्न प्रकार के विश्लेषण एवं अनुसंधान हेतु अंतरिक्ष एवं उपग्रहों का उपयोग एक सामान्य प्रक्रिया हो गई है। 50 वर्ष पूर्व जब भारत ने आर्यभट्ट उपग्रह का प्रक्षेपण किया था, तो उसे महान उपलब्धि के रूप में माना गया था, किंतु अब उपग्रहों का प्रक्षेपण सामान्य प्रक्रिया हो गई है। कुछ वर्ष पहले स्पेस लैब के भारतीय भू-भाग पर गिरने की आशंका से ही बड़ी चिंता उत्पन्न हो गई थी। ऐसे में अंतरिक्ष का बढ़ता पर्यटन और राष्ट्रों की होड़ इसे किस दिशा में ले जाएगी, कह नहीं सकते। विभिन्न राष्ट्रों द्वारा अंतरिक्ष पर्यटन एवं परीक्षणों को निजी क्षेत्र के लिए खोल देने से प्रतिस्पर्धा बढ़ने के साथ ही नए कचरे की समस्या पैदा होगी। बढ़ते अंतरिक्ष उपयोग के कारण विभिन्न प्रकार का कचरा कक्ष में व्यापक होता जा रहा है। इनमें मानव निर्मित कचरा और उपग्रहों के कारण इकट्ठा होता मलबा है, जो मूलतः उपग्रहों के निष्क्रिय होने, रॉकेट अवशेष, उपकरणों एवं अन्य संबंधित वस्तुओं के अंतरिक्ष में ही रह जाने के कारण उत्पन्न होता है। बड़े आकार वाले मलबे के कण अंतरिक्ष यानों एवं उपग्रहों से टकराकर बड़ी क्षति कर सकते हैं, तो महीन कण वायुमंडल के प्रदूषण को बढ़ा सकते हैं। अंतरिक्ष में उपग्रह एवं उपकरणों के बढ़ते घनत्व के कारण आपसी टकराहट के साथ-साथ अंतरिक्ष की कक्षाओं के क्षरण होने की प्रबल आशंका रहती है। इसके चलते भविष्य में अंतरिक्ष में भी यातायात अवरुद्ध होने की स्थिति उत्पन्न हो जाएगी। यदि उपग्रह परिचालन में निर्धारित कक्ष अथवा गति संबंधी अवरोध होता है, तो लक्षित गतिविधियां परिणाम नहीं दे पाती हैं। अंतरिक्ष में मलबे की समस्या को हल करने के प्रयास शुरू हो गए हैं। पुनः उपयोग में लाए जाने वाले रॉकेट आदि को बढ़ावा दिया जा रहा है, तो दूसरी ओर निष्क्रिय होते उपग्रहों एवं अवशेषों के लिए गहन निगरानी प्रणाली के साथ उनके टकराने से पूर्व ही मार्ग को बदलने जैसी दूरस्थ तकनीक पर निरंतर शोध किया जा रहा है। लेकिन अब भी अंतरिक्ष की कक्षा से मलबे को वैज्ञानिक तरीके से हटाना चुनौती बना हुआ है। उपकरणीय मलबे के साथ मानव निर्मित कचरा भी अंतरिक्ष की समस्या है। ज्यादातर मल-मूत्र को भी वापसी तक एकत्रित करके रखा जाता है एवं लौटते हुए जलाकर निस्तारण होता है। कई बार अंतरिक्ष यानों में मूत्र को एकत्रित कर साफ पानी में परिवर्तित किया जाता है। वर्तमान में अंतरिक्ष में लंबी अवधि और स्थायी आवास की परिकल्पना के मध्य भविष्य की कचरा प्रबंधन संबंधी समस्या को भी दृष्टिगत किया जा रहा है। मल-मूत्र के अतिरिक्त बची हुई खाद्य सामग्री एवं उसके पैकेट समस्या के कारक हैं। गत वर्ष अंतरिक्ष का सर्वाधिक उपयोग करने वाली अमेरिकी संस्था नासा ने लूना रीसाइकिल चैलेंज के माध्यम से अंतरिक्षीय मलबे एवं कचरे की समस्या का पुनर्चक्रण हल ढूंढ़ने के लिए लगभग 25 करोड़ रुपये के पुरस्कार की घोषणा की है, ताकि इकट्ठे होते हुए मलबे को हटाया जा सके और उपग्रहों एवं अंतरिक्ष पर्यटन का मुक्त रूप से विचरण हो सके। इस पुरस्कार के तहत ठोस कचरे के चंद्रमा की सतह पर पुनर्चक्रण हेतु डिजाइन एवं हार्डवेयर के विकास तथा डिजिटल ट्रैक द्वारा संपूर्ण पुनर्चक्रण प्रणाली एवं अंतिम उत्पाद का मॉडल तैयार करने को पुरस्कृत किया जाएगा। पृथ्वी की समस्या धीरे-धीरे अंतरिक्ष की ओर आमुख होती जा रही है। मानव सृष्टि की अंतरिक्षीय उपकरणों पर बढ़ती निर्भरता के मध्य नवीन चुनौतियां जन्म ले रही हैं।

प्रसंगवश

## व्यापार में नाकामी की सजा पूरे परिवार को क्यों

**कर्ज से हारे व्यक्ति को ये अधिकार किसने दे दिया कि वो अपने साथ दो पीढ़ियों को सदा के लिये खत्म कर दे? कैसे कोई व्यक्ति अपनी नाकामी की सजा मां-बाप, पत्नी व बच्चों को दे सकता है?**

हरियाणा के पंचकूला में उत्तराखंड से आए एक परिवार की सामूहिक आत्महत्या ने हर संवेदनशील व्यक्ति को गहरे तक झकझोर कर रख दिया। एक कार में नाकाम बेटे ने मां-बाप, पत्नी, दो किशोर बेटियों व एक बेटे के साथ जहर खाकर आत्महत्या कर ली। पूरे परिवार के खत्म होने के बाद कुछ समय के लिए जीवित बचे व्यक्ति ने चश्मदीद को बताया कि वह कर्ज में डूब गया था, कोई रास्ता नजर न आता देख सामूहिक आत्महत्या का निर्णय लिया। पुलिस के पहुंचने व चिकित्सीय प्रयासों के बावजूद परिवार में किसी व्यक्ति को बचाया नहीं जा सका। निश्चय ही यह दुखद घटना हर इंसान को उद्वेलित करती है। लेकिन यह भयावह घटना तमाम सवालों को जन्म देती है। आखिर इंसान कैसे सोच लेता है कि आत्महत्या कर लेना संकट का अंतिम समाधान है? जब व्यक्ति में जोखिम से उपजे संकट से जूझने का सामर्थ्य नहीं है तो भारी कर्जा उठाना कितना तार्किक है? महत्वपूर्ण सवाल यह भी कर्ज से हारे व्यक्ति को ये अधिकार किसने दे दिया कि वो अपने साथ दो पीढ़ियों को सदा के लिये खत्म कर दे? कैसे कोई व्यक्ति अपनी नाकामी की सजा मां-बाप, पत्नी व बच्चों को दे सकता है? यह कल्पना करनी भी भयावह है कि अपना अधिकांश जीवन जी चुके मां-बाप, तीन बच्चों को जन्म देने वाली मां तथा सुखी भविष्य की कल्पना के साथ जीवन की पारी की शुरुआत करने वाले बच्चों ने जहर खाना सहज स्वीकारा होगा। यदि उन्हें यह जहर बिना बताए भी दिया गया होगा तो भी जहर की पीड़ा ने उन्हें तड़फाया भी होगा। अकसर ऐसे मामलों में पूरे परिवार को मौत की राह में ले जाने वाले आत्मघाती व्यक्ति के मन में यह भय भी होता है कि उसके जाने के बाद उसके परिवार का क्या होगा? कहीं उसके लिये कर्ज की सजा परिवार को तो नहीं मिलेगी?

निस्संदेह, एक परिवार का यूं जहर खाकर आत्महत्या करना हमारी सामाजिक व्यवस्था में आई विद्रूपताओं की ओर इशारा करता है। जिस भी बैंक या व्यक्ति से आत्महत्या करने वाले परिवार के मुखिया ने कर्ज लिया था, निश्चय ही वहां से उसे किसी भी तरह की राहत की उम्मीद नजर नहीं आई होगी। लेकिन सवाल उठता है कि क्या उसे अपने मित्रों व रिश्तेदारों से भी किसी राहत की उम्मीद नहीं थी? कहा जाता है कि पड़ोसी व मित्र ही संकट के समय में मददगार होते हैं। तो क्या माना जाना चाहिए कि आज हमारे रिश्ते महज दिखावे के रह गए हैं? आखिर विवाह समारोह समेत तमाम अवसरों पर जुटने वाली लोगों की भीड़ केवल महज खाने-पीने तक की ही दोस्त होती है? क्या नैतिक दायित्व नहीं बनता कि संकट में फंसे व्यक्ति के नाते रिश्तेदार या मित्र मदद करें? बहरहाल, गत सोमवार को घटी घटना के सभी तथ्य सामने आने में अभी वक्त लगेगा और घटनाक्रम से जुड़ी अन्य जानकारियां भी सामने आएंगी। लेकिन यह एक हकीकत है कि एक कर्ज से हारा हंसता-खेलता परिवार हमेशा-हमेशा के लिये चिरनिद्रा में सो गया है। लेकिन यह दुखांत हमें कई सबक दे गया है। पहला तो यही कि हमें कर्ज उसी सीमा तक लेना चाहिए, जिस सीमा तक हम चुकाने की सामर्थ्य रख सकें। कोई भी जोखिम यदि हम व्यापार में उठाएं तो उसके तमाम नकारात्मक पहलुओं पर जरूरी विचार करें। उसके बुरे से बुरे परिणाम के बारे में आकलन करें। दूसरा सबक यह है कि हमारे सामने संकट कितना भी बड़ा क्यों न हो, हमें हार नहीं माननी चाहिए। यह भी कि खुद व परिवार को मौत के मुंह में धकेलना किसी समस्या का समाधान नहीं है। आज की पीढ़ी जल्दी मोटा मुनाफा कमाने की होड़ में बड़े कर्ज लेकर दांव तो खेलती है,लेकिन जरूरी नहीं हर जोखिम लाभदायक ही साबित हो। हमें अपनी सामर्थ्य और देशकाल परिस्थितियों का पूरा आकलन करके ही कदम उठाना चाहिए। यह भी हकीकत है कि नई पीढ़ी में वह धैर्य व संयम धीरे-धीरे कम होता जा रहा है, जो हमें संकट से जूझने का सामर्थ्य देता था। कभी संयुक्त परिवार हमें ऐसे संकट से निबटने की ताकत ही नहीं देते थे, बुरे वक्त में मदद भी करते थे। हमें ऐसे तमाम पहलुओं पर विचार जरूर करना चाहिए।

## ॥गीता॥

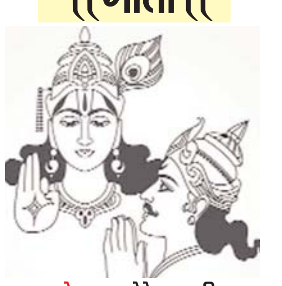

**श्लोक : यद्यप्येते न पश्यन्ति लोभोपहतचेतसः। कुलक्षयकृतं दोषं मित्रद्रोहे च पातकम ॥कथं न ज्ञेयमस्माभिः पापादस्मान्निवर्तितुम। कुलक्षयकृतं दोषं प्रपश्यद्भिर्जनार्दन॥**

**भावार्थ :** यद्यपि लोभ से भ्रष्टचित्त हुए ये लोग कुल के नाश से उत्पन्न दोष को और मित्रों से विरोध करने में पाप को नहीं देखते, तो भी हे जनार्दन! कुल के नाश से उत्पन्न दोष को जानने वाले हम लोगों को इस पाप से हटने के लिए क्यों नहीं विचार करना चाहिए।

जीवन दर्शन

## महत्वपूर्ण है दूसरों के दृष्टिकोण को समझना

जब हम एक चमकदार लाल गुलाब को देखते हैं, तो हम क्या देखते हैं? कुछ लोग इसके गहरे लाल रंग से मोहित होते हैं, कुछ को इसकी मुलायम पंखुड़ियों की कोमलता भाती है, जबकि कुछ इसके कांटों के कारण इसे सावधानी से देखते हैं। और कुछ इसकी कोमल खुशबू की ओर आकर्षित होते हैं। यह विभिन्न दृष्टिकोण हमें स्मरण दिलाता है कि हर कोई चीजों को अपने नज़रिये से देखता है। फिर भी, हम अक्सर मान लेते हैं कि दूसरे लोग दुनिया को उसी तरह देखते हैं जैसे हम देखते हैं, बिना उनके दृष्टिकोण को समझने का प्रयास किए। इस मान्यता में फंसना आसान है कि हर कोई हमारी जैसी धारणाओं को रखता है। लेकिन दूसरों के दृष्टिकोण को समझने का प्रयास करना महत्वपूर्ण है। बहुत बार, जब हम दूसरों को सुनते हैं, तो हम उनके दृष्टिकोण को समझने पर ध्यान केंद्रित नहीं करते हैं बल्कि उस समय के लिए अपनी प्रतिक्रिया की योजना बना रहे होते हैं। रिश्तों में, दूसरों के दृष्टिकोण को समझना न केवल महत्वपूर्ण होता है, बल्कि हमे अधिक सशक्त भी बनाता है। यह प्रभावी संचार और संपर्क की कुंजी है। इसलिए कहा जाता है, पहले समझने का प्रयास करें, फिर समझे जाने का। एक युवक की कल्पना करें जो नाराज़ और परेशान होकर घर आता है। माँ उसे बोलने के लिए मनाती है, लेकिन सहानुभूतिपूर्ण होने के बजाय, वह जीवन में प्रगति के लिए कॉलेज के महत्व पर व्याख्यान देती है। युवक निराश हो जाता है, कहता है, मुझे पता था कि आप नहीं समझेंगी! क्या यह जानी-पहचानी बात लगती है? यह एक आम घटना है जो तब घटित होती है, जब हम किसी के विचार प्रक्रिया और भावनाओं को समझने का प्रयास नहीं करते हैं। हम अपने मन को व्यक्त करने में अधिक रुचि रखते हैं। हम भूल जाते हैं कि उद्देश्य दूसरों के साथ जुड़ना और सहयोग करना है, न कि वार्तालाप में जीतना या चतुर दिखना। इसलिए प्रसिद्ध वाक्यांश है- पहले दयालु बनें, बाद में सही बनें। सचेतपूर्वक सुनकर और अपने प्रतिक्रियाओं पर विचार करके, हम अपने रिश्तों पर नियंत्रण प्राप्त कर सकते हैं और उन्हें अधिक स्वस्थ और पूर्ण बना सकते हैं।

## संक्षिप्त खबरें

### 31 को हर जिले में होंगे जागरूकता कार्यक्रम

**विसं, भोपाल।** तंबाकू एक धीमा जहर है, इससे बचाव ही समझदारी थीम पर 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा प्रदेश के समस्त जिलों में तंबाकू व नशा विरोधी गतिविधियां पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिनमें छात्रों, युवाओं, स्वयंसेवी संगठनों तथा विभिन्न विभागों की सक्रिय भागीदारी रहेगी।

### एमपीपीएससी ने जारी किए असिस्टेंट प्रोफेसर के रिजल्ट

**एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल।** मप्र लोक सेवा आयोग ने उच्च शिक्षा विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर (हिंदी) के 116 पदों के लिए आयोजित भर्ती परीक्षा के अंतिम रिजल्ट जारी कर दिए हैं। उक्त परीक्षा में रिजल्ट 87 फीसदी उम्मीदवारों के लिए जारी किए हैं। 13 फीसदी रिजल्ट हाईकोर्ट के अंतिम फैसले पर किए जाएंगे। क्योंकि ओबीसी को 13 फीसदी आरक्षण नहीं दिया जाता है, तो उक्त रिजल्ट सामान्य वर्ग के लिऐ जारी किए हैं। एमपीपीएससी ने परीक्षा गत वर्ष नौ जून को आयोजित कराई थी। गत वर्ष 25 सितंबर को रिजल्ट जारी करने बाद एमपीपीएससी ने 21 से 31 जनवरी तक उम्मीदवारों साक्षात्कार आयोजित कराए थे।

### अपने फोन से हितग्राही कर सकते हैं ई-केवायसी

**विसं भोपाल।** पीडीएस से राशन सामग्री लेने वाले हितग्राही अपने मोबाइल फोन के जरिए ई-केवायसी कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें केवल फेस वेरिफिकेशन करना पड़ेगा। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि हितग्राही अपने एंड्रायड फोन पर मेरा ई-केवायसी'' एप को डाउनलोड कर अपने फेस वेरिफिकेशन के माध्यम से ई-केवायसी कर सकता है। वृद्ध हितग्राही एवं बच्चों की ई-केवायसी भी इस एप से कर सकते हैं। राजपूत ने बताया है अब तक 8 लाख से अधिक हितग्राहियों ने इस सुविधा का लाभ लेकर घर बैठे अपनी ई-केवायसी करायी है तथा बिना किसी समस्या के राशन प्राप्त कर रहे हैं।

# मोदी की रैली में शाह की नो-इंट्री, स्वागत महिलाएं ही करेंगी

## सिंदूर थीम पर आयोजित होगा महिला सशक्तिकरण सम्मेलन, संगठन से जुड़ीं लगभग 1 हजार महिलाएं संभालेंगी व्यवस्थाएं

**विशेष संवाददाता, भोपाल।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में भोपाल के जम्बूरी मैदान में आयोजित महिला सशक्तीकरण महासम्मेलन में विजय शाह को छोड़कर सरकार के लगभग सभी मंत्री मौजूद रहेंगे। महिला मंत्रियों द्वारा ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मंच पर स्वागत किया जाएगा। इनके अलावा सामाजिक क्षेत्र और रचनात्मक गतिविधियों से जुड़ी महिलाएं भी मोदी का स्वागत करेंगी। महिला सशक्तीकरण सम्मेलन को लेकर सरकारी तैयारी लगभग पूरी हो गई है। इसके लिए सुरक्षा व्यवस्था को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों को जहां जिम्मेदारी सौंप दी गई है, वहीं आयोजन स्थल पर व्यवस्था के लिए भाजपा संगठन से जुड़ीं लगभग 1 हजार महिलाओं को चिन्हित कर लिया गया है, जिनकी सूची सुरक्षा की दृष्टि से एसपीजी के पास भेजी जाएगी। जानकारों की मानें तो भाजपा ने अकेले भोपाल संभाग से 25 हजार महिला कार्यकर्ताओं और एनजीओ व अन्य क्षेत्रों से जुड़ी महिलाओं को महासम्मेलन में लाने का लक्ष्य तय किया है। महिला मोर्चा की भोपाल में सक्रिय पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को व्यवस्था में लगाया जाएगा। इसके लिए 31 मंडलों से दो-दो महिला प्रतिनिधियों को बुलाया गया है। जो अलग-अलग 31 टोलियों से जुड़ेंगी। प्रत्येक टोली में 20 से

### सेना से जुड़ी महिलाएं भी रहेंगी मौजूद

सूत्रों की मानें तो महिला सशक्तीकरण महासम्मेलन में सेना और उनके परिवार से जुड़ीं महिलाओं को भी आमंत्रित किया जा सकता है। इनमें शहीद सैनिक के परिजन या उनके रिश्तेदारों के अलावा सेवानिवृत्त सैनिक व पूर्व सैन्य अधिकारी भी कार्यक्रम में मौजूद रह सकते हैं। इसके लिए भाजपा ने अपने सैनिक प्रकोष्ठ को इसकी जिम्मेदारी सौंपी है। महिला सशक्तीरण महासम्मेलन पूरी तरह से सिंदूर थीम पर आयोजित किया जाएगा। जिसकी पूरी जिम्मेदारी महिलाएं उठाएंगी। इसके लिए पूरी तैयारी कर ली गई है। सीएम डॉ. मोहन यादव ने खुद इन तैयारियां को जायजा लिया है।

राजधानी में मंगलवार को हुई बारिश के कारण जंबूरी मैदान स्थित कार्यक्रम स्थल पर पानी भर गया।

### जहां लोकार्पण होने हैं, वहां मौजूद रहेंगे केन्द्रीय मंत्री

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री भोपाल से वचुर्अली कई विकास कार्यों का लोकार्पण करेंगे। उनके द्वारा दतिया और सतना के एयरपोर्ट का लोकार्पण किया जाना है, तो वे जम्बूरी मैदान से ही इंदौर मेट्रो को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। बताया गया है कि पीएम द्वारा उज्जैन में शिप्रा नदी के घाटों के निर्माण कार्यो का भूमिपूजन भी किया जाएगा। इन सभी कार्यक्रमों में संबंधित स्थलों में केन्द्रीय राज्यमंत्री और प्रदेश सरकार के मंत्री मौजूद रहेंगे।

### मौसम पर भी नजर

प्रदेश के बदले मौसम के मिजाज पर भी आयोजकों की नजर है। बारिश या मौसम की वजह से महिला सशक्तीकरण महासम्मेलन में खलल नहीं पड़े, इसे लेकर आयोजन से जुड़े सभी विभाग नजर बनाए हुए हैं। ऐसे प्लान बनाए गए हैं कि यदि मौसम अनुकूल नहीं रहा, तो भोपाल आने वालीं लगभग 2 लाख महिलाओं को कार्यक्रम में शामिल होने में किसी भी तरह की असुविधा का सामना नहीं करना पड़े।

### 29 को भोपाल पहुंच जाएंगे सभी मंत्री

जानकारों की मानें तो सूबे की सरकार के सभी मंत्रियों से 29 मई तक भोपाल पहुंचने को कहा गया है। विशेषकर महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री संपतिया उईके से भी आयोजन से दो दिन पहले भोपाल आने की बात कही गई है। इनके अलावा पार्टी की आदिवासी महिला विधायक, संगठन से जुड़ी पदाधिकारी, राज्यसभा सांसद और सांसदों को भी इस महासम्मेलन में उपस्थित रहने को कहा गया है।

### पीएम मोदी सुबह 10.30 बजे पहुंचेंगे भोपाल, ढाई घंटे रहेंगे शहर में

प्रधानमंत्री मोदी महिला सशक्तिकरण सम्मेलन में भाग लेने के लिए शनिवार को लगभग ढाई घंटे तक भोपाल में रहेंगे। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर उनका मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम जारी नहीं किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी शनिवार सुबह 10.30 बजे भोपाल एयरपोर्ट पहुंचेंगे। सुबह 11 बजे जंबूरी मैदान कार्यक्रम स्थल पर पहुंचेंगे। वे यहां लगभग डेढ़ घंटे रुकेंगे और दोपहर 12.30 बजे भोपाल एयरपोर्ट के लिए रवाना होंगे। लगभग 1 बजे एयरपोर्ट से प्रस्थान करेंगे। हालांकि, इस कार्यक्रम में बदलाव संभव है। पीएम मोदी की सुरक्षा व्यवस्था के लिए बुधवार को भोपाल में डीजीपी कैलाश मकवाना सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने तैयारियों की समीक्षा की। इस आयोजन की सुरक्षा की कमान एडीजी चयन एवं भर्ती सोनाली मिश्रा के नेतृत्व में महिला पुलिस अधिकारियों के हाथों में रहेगी।

### जंबूरी मैदान 10 घंटे के लिए नो-फ्लाई जोन

भोपाल की डीसीपी सुरक्षा सोनाक्षी सक्सेना ने बुधवार को आदेश जारी करते हुए कार्यक्रम स्थल जंबूरी मैदान और उसके 5 किलोमीटर के दायरे में ड्रोन, पैराग्लाइडर, हॉट एयर बैलून और अन्य उड़ने वाली वस्तुओं के उड़ान पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह प्रतिबंध शनिवार को सुबह 6 बजे से शाम 4 बजे तक लागू रहेगा। इस क्षेत्र को रेड जोन और नो-फ्लाई जोन घोषित करते हुए, आदेश में स्पष्ट किया गया है कि कमर्शियल वाणिज्यिक उड़ानें इस प्रतिबंध से मुक्त रहेंगी।

**ट्रैफिक डायवर्जन प्लान:** पीएम के दौरे को देखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने डायवर्जन, पार्किंग और ट्रैफिक प्लान जारी कर दिया है। आयोजन में लगभग 5000 से ज्यादा वाहन आने की उम्मीद है। इन की पार्किंग के लिए जिलों के आधार स्थान तय किए गए हैं। आयोजन के दौरान जंबूरी मैदान की तरफ जाने वाली सड़कों पर यातायात डायवर्ट किया जाएगा।

### कई विभागों की अब तक तबादला सूची नहीं हो सकी जारी

# विरोध के डर से विभागों ने लगाई कैविएट

**विशेष संवाददाता, भोपाल।** अधिकारी-कर्मचारियों के तबादला प्रक्रिया में व्यस्त सरकारी विभागों को डर सताने लगा है कि तबादलों के विरोध में कर्मचारी कोर्ट का रुख कर सकते हैं। ऐसे में कई विभागों ने स्थानांतरण आदेश जारी करने से पहले हाईकोर्ट में केविएट दायर किए हैं। गौरतलब है कि राज्य सरकार ने नई तबादला नीति जारी करते हुए 1 से 31 मई के बीच अधिकारी कर्मचारियों के तबादले करने की छूट दी है। ऐसी संभावना भी है कि सरकार 10 से 15 दिन तक और छूट दे सकती है यानि कि तबादले 10 या 15 जून तक हो सकेंगे। तबादलों पर से प्रतिबंध हटे 28 दिन हो चुके हैं, लेकिन कई विभागों ने अभी तक बड़े स्तर पर स्थानांतरण सूची जारी नहीं की है। स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, नगरीय विकास एवं आवास, परिवहन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, गृह, ऊर्जा और जल संसाधन जैसे विभागों में स्थानांतरण प्रक्रिया जारी है। कई विभागों में स्थानांतरण के लिए निर्धारित प्रतिशत से ज्यादा आवेदन आए हैं। ऐसे में विभाग को सूची जारी करने में दिक्कत हो रही है। कुछ ऐसे अधिकारी जो एक ही स्थान पर पिछले 3 साल से अपनी सेवाएं दे रहे हैं, उन्हें प्रशासनिक आधार पर स्थानांतरित किया जा सकता है,जिसके विरोध में ऐसे अधिकारी कर्मचारी स्टे लेने के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटा सकते हैं।

# देश की महिलाएं हमेशा रहीं हैं सशक्त : मुख्यमंत्री

## पॉलिटेक्निक पहुंचे सीएम ने छात्राओं से किया संवाद, अहिल्याबाई -दुर्गावती के जीवन पर डाला प्रकाश

**विशेष संवाददाता, भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव मंगलवार को महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज पहुंचे.जहां उन्होंने छात्राओं से सीधा संवाद किया। सीएम ने महारानी दुर्गावती और लोकमाता देवी अहिल्याबाई के जीवन पर प्रकाश डाला। डॉ. यादव ने कहा है कि राष्ट्र से बढ़कर कुछ नहीं है और राष्ट्र का हित सर्वोपरि है। देश में महिलाएं तब भी सशक्त थीं, जब उन्हें कम अधिकार थे और आज भी उतनी ही सशक्त हैं, जब उन्हें सर्वाधिकार प्राप्त हैं। महारानी दुर्गावती और देवी अहिल्याबाई ने अपने साहस, शौर्य, पराक्रम और कौशल से न केवल शासन किया अपितु प्रशासन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में आदर्श प्रस्तुत किया। दोनों का जीवन आसान नहीं था, इनके जीवन में नाना प्रकार के संघर्ष थे, अवरोध थे, कठिनाईयां

थीं, दुश्वारियां थीं, फिर भी इन्होंने हार नहीं मानी और अंततः सारी कठिनाईयों से लेकर और जूझकर उन्होंने अपना मुकाम हासिल किया। यही वजह है कि आज हम इन्हें उनके पराक्रम के लिए जानते हैं।

### क्लासरूम में लगी पाठशाला

मुख्यमंत्री ने कॉलेज के फैशन टेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट की छात्राओं से उनके क्लासरूम में सीएम की पाठशाला लगाई। उन्होंने छात्राओं को मध्यप्रदेश की महारानी दुर्गावती और लोकमाता देवी अहिल्याबाई के सम्पूर्ण जीवन वृतांत पर रोचकतापूर्वक प्रकाश डालकर छात्राओं का ज्ञान संवर्धन किया। उन्होंने कहा कि 31 मई को स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देवी अहिल्याबाई की स्मृति में आयोजित महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में शामिल होने भोपाल आ रहे हैं। इस कार्यक्रम में बेटियों को भी आना चाहिए।

**दो बड़े पत्थरों के बीच फंसी पाई गई**

# मादा बाघ का शव मिला साल में छठवां मामला

**जागरण, मंडला।** प्रदेश के कान्हा टाइगर रिजर्व के मुंडीदादर वन परिक्षेत्र में स्थित सुलकुम नदी के पास 8 से 10 वर्ष की मादा बाघ का शव मिला है। यह इस साल रिजर्व और इसके आसपास के क्षेत्र में बाघ की छठवीं मौत का मामला है। वन विभाग के अनुसार, मादा बाघ दो बड़े पत्थरों के बीच फंसी हुई पाई गई, जिससे उसके भूस्खलन में फंसकर मरने की आशंका जताई जा रही है। हाल ही में क्षेत्र में तेज बारिश हुई थी, जिससे वहां भूस्खलन की स्थिति बनी थी। बाघ की मौत की जानकारी मिलते ही उच्च अधिकारियों ने राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण और मुख्य वन्यजीव संरक्षक के दिशा-निर्देशों के अनुसार तत्काल कार्रवाई की। डॉग स्क्वॉड की मदद से आसपास के क्षेत्र की गहन जांच की गई, ताकि किसी तरह के शिकार या मानव हस्तक्षेप की संभावना से इनकार किया जा सके। मौके पर पहुंचे वन्यजीव विशेषज्ञ डॉ. संदीप अग्रवाल और डॉ. आशीष वैद्य की देखरेख में बाघ का पोस्टमार्टम किया। प्रारंभिक जांच में बाघ के सभी अंग सुरक्षित पाए गए, जिससे किसी प्रकार के अवैध शिकार की आशंका को नकारा गया है। हालांकि, फॉरेंसिक

जांच के लिए नमूने भेजे हैं ताकि मौत के सटीक कारणों की पुष्टि की जा सके।

**इस साल हुई ये मौतें:** गौरतलब है कि 2025 की शुरुआत से अब तक कान्हा और उसके आसपास के क्षेत्रों में छह बाघों की मौत हो चुकी है। इनमें जनवरी में दो वर्षीय मादा बाघ, फरवरी में 13 वर्षीय बाघिन, मार्च में 5 वर्षीय नर बाघ, अप्रैल में 15 माह की मादा बाघ और 6 माह के बाघ शावक की मौत शामिल हैं। इन छह में से पांच मौतें रिजर्व क्षेत्र के भीतर और एक बाहर पार्क के समीप हुई है।

## आईसेक्ट बना मप्र क्रिकेट लीग का प्रेजेंटिंग स्पॉन्सर

**भोपाल।** आईसेक्ट समूह के अध्यक्ष संतोष चौबे ने घोषणा की है कि आईसेक्ट को मध्यप्रदेश क्रिकेट लीग का प्रेजेंटिंग स्पॉन्सर बनने पर अत्यंत गर्व और प्रसन्नता है। इस मौके पर उन्होंने कहा कि क्रिकेट भारत में केवल एक खेल नहीं है, बल्किएक जुनून है जो समुदायों को जोड़ता है और पीढ़ियों को प्रेरित करता है। इस साझेदारी के माध्यम से हमारा उद्देश्य मध्यप्रदेश के प्रतिभाशाली क्रिकेट खिलाड़ियों को एक मजबूत मंच प्रदान करना है जिससे वे अपने हुनर को दिखा सकें और अपने सपनों को साकार कर सकें। यह प्रयास आईसेक्ट के उस लक्ष्य के साथ पूर्णतः मेल खाता है, जिसके तहत हम व्यक्तियों को सशक्त बनाने और क्षेत्र के समग्र विकास में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आईसेक्ट की ओर से प्रेजेंटिंग स्पॉन्सर का प्रतिनिधित्व करते हुए, आईसेक्ट के कार्यकारी उपाध्यक्ष एवं स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने सभी खिलाड़ियों एवं आयोजकों को आगामी क्रिकेट सत्र के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में क्रिकेट के भविष्य को संवारने और इस लीग की सफलता सुनिश्चित करने के लिए आईसेक्ट पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगा।

# आरटीई: निजी स्कूलों में प्रवेश के लिए आज से शुरू होगी प्रक्रिया

**27 हजार स्कूलों की एक लाख सीटों पर होगा प्रवेश**

**एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल।** निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत निजी स्कूलों की पहली या प्रारंभिक कक्षा की पच्चीस फीसदी सीटों पर सरकार द्वारा प्रवेश दिया जाता है। इसका पूरा खर्चा सरकार स्कूलों को देती है। सूबे के करीब 27 हजार निजी स्कूलों की करीब एक लाख सीटों पर आरटीई के तहत प्रवेश दिए जाने हैं। आवेदन पहले ही जमा करा लिए गए हैं। अब इसकी प्रवेश प्रक्रिया गुरुवार से शुरू हो रही है। पहले चरण की लाटरी आज निकाली जाएगी। अभिभावकों ने सबसे ज्यादा आवेदन सीबीएसई स्कूलों में प्रवेश लेने के लिए जमा किए हैं। वहीं सीबीएसई स्कूल विभाग को स्कूल की उपलब्ध सीटों से कम जानकारी देकर गुमराह करते हैं। वे एससी-एसटी और ईडब्ल्यूएस के बच्चों के कम से कम प्रवेश देना चाहते हैं। विभाग के पास पूरी जानकारी होने के बाद भी सीबीएसई स्कूलों के झूठ पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। स्कूलों में मैनेजमेंट कोटा हावीः राजधानी में सभी सीबीएसई स्कूलों ने मैनेजमेंट कोटे की पांच-पांच सीटें रखी हैं। इसके बाद प्रारंभिक कक्षा में नाम मात्र की सीटें बताई हैं, जबकि बाद की क्लासों में सीटों की संख्या बढ़ गई है। राच्य शिक्षा केंद्र के पास सभी सीटों के आंकड़े और यूडाइज आंकड़े होने के बाद गरीब और वंचित वर्ग के बच्चों के साथ धोखा होने दिया जा रहा है।

### कल शपथ लेंगे हाईकोर्ट के तीन नवनियुक्त जज

**जबलपुर।** मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के तीन नवनियुक्त न्यायाधीश 30 मई यानि कल शुक्रवार को पद व गोपनीयता की शपथ लेंगे। मुख्य पीठ जबलपुर में कोर्ट रूम नंबर एक में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह सुबह 10.30 बजे शुरू होगा। एक्टिंग चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा नवनियुक्त जजों को शपथ दिलाएंगे। गौरतलब है कि जबलपुर के अधिवक्ता अमित सेठ और ग्वालियर से दीपक खोत व पवन द्विवेदी को 26 मई को न्यायाधीश बनाया गया है। तीन नई नियुक्तियों के साथ ही कार्यरत जजों की संख्या 35 हो गई है।

### हिंडनबर्ग केस में सेबी की पूर्व चीफ बुच को क्लीनचिट

**मुंबई, जेएनएन।** सेबी की पूर्व चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच को हिंडनबर्ग मामले में लोकपाल ने क्लीनचिट दे दी है। लोकपाल की एंटी करप्शन बॉडी ने उनके खिलाफ दर्ज सभी शिकायतों का निपटारा कर दिया है। लोकपाल ने कहा है कि बुच के खिलाफ जांच का आदेश देने के लिए कोई ठोस सबूत नहीं है। हम इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि शिकायतों में लगाए गए आरोप अनुमानों और मान्यताओं पर आधारित हैं। इस मामले में कोई भी वेरिफाइड मटेरियल नहीं मिला, इसलिए उनके खिलाफ की गई सभी शिकायतों को खारिज किया जाता है। बता दें कि बुच पर आरोप था कि उन्होंने और उनके पति धवल बुच ने अडाणी ग्रुप में निवेश से जुड़े एक फंड में काफी बड़ी रकम निवेश की। उन्होंने ब्लैकस्टोन इंक जैसी कंपनियों से कंसल्टेंसी सर्विसेज फीस की आड़ में लेन-देन किया। किराए की इनकम की आड़ में वॉकहार्ट से लेन-देन किया।

**लोकपाल ने कहा- उनके खिलाफ कोई ठोस सबूत नहीं मिला**

### मणिपुर में नई सरकार बनाने की कवायद तेज

**इम्फाल, जेएनएन।** मणिपुर में 10 विधायकों ने बुधवार को राज्यपाल अजय कुमार भल्ला से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया है। इनमें 8 भाजपा, एनपीपी और निर्दलीय के एक-एक विधायक हैं। इन्होंने दावा किया है इनके पास 44 विधायकों का समर्थन है। राज्यपाल से मुलाकात के बाद भाजपा विधायक थोकचोम राधेश्याम ने कहा, कांग्रेस को छोड़कर 44 विधायक मणिपुर में सरकार बनाने के लिए तैयार हैं। नई सरकार के गठन का विरोध करने वाला कोई नहीं है। मणिपुर विधानसभा अध्यक्ष सत्यव्रत ने 44 विधायकों से मुलाकात की है। दूसरी तरफ, विधानसभा अध्यक्ष नेतृत्व के बुलावे पर दिल्ली रवाना हो गए हैं। जल्द ही सरकार बनाने पर आलाकमान का फैसला आ सकता है। मणिपुर में 60 विधानसभा सीटें हैं।

# गुना के म्याना में हिरासत में हुई युवक की मौत पर सीबीआई ने दर्ज की एफआईआर

**मुख्य संवाददाता, भोपाल।** 14 जुलाई 2024 को शादी से ठीक एक दिन पहले गिरफ्तार किए गए युवक देवा पारदी की पुलिस हिरासत में हुई मौत के मामले में सीबीआई ने केस दर्ज कर लिया है। मामला प्रदेश के गुना जिले के म्याना थाना अंतर्गत आने वाली झागर पुलिस चौकी का है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपते हुए आदेश दिया था कि दोषी पुलिसकर्मियों को एक महीने के भीतर गिरफ्तार करे। सुप्रीम कोर्ट ने 15 मई को मामले की सुनवाई के दौरान ये आदेश देते हुए कहा था कि एमपी पुलिस दोषी पुलिसकर्मियों को बचाने की कोशिश कर रही है। कोर्ट ने आदेश में लिखा था कि एमपी पुलिस ने दोषी पुलिसवालों को बचाने जो एफआईआर लिखी उसमें आरोपियों के नाम की जगह तीन फूल वाले साहब और अन्य जैसे शब्द इस्तेमाल किए। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की युगलपीठ ने मामला सीबीआई को सौंपते हुए जांच के आदेश दिए थे। देवा की मौत के मामले में म्याना थाने के तत्कालीन थाना प्रभारी और झागर चौकी के इचार्ज सब इंस्पेक्टर समेत अन्य पुलिसकर्मियों पर हत्या के गंभीर आरोप मृतक के परिजनों और चश्मदीद गवाहों ने लगाए थे, लेकिन इसके बाद भी गुना जिले की पुलिस ने उनके खिलाफ नामजद एफआईआर तक नहीं की थी। गुना में दर्ज रिपोर्ट में भी इस बात का उल्लेख है कि देवा की मौत हिरासत में बेरहमी से की गई मारपीट की वजह से हुई थी। कोर्ट ने इस मामले में म्याना थाने के दो पुलिस अफसरों टीआई संजीत माबई और एसआई उत्तम सिंह कुशवाह को एक माह में गिरफ्तार कर 90 दिन में चार्जशीट पेश करने के आदेश सीबीआई को दिए हैं।

### प्रोफेसर महमूदाबाद की अंतरिम जमानत बढ़ी

**नई दिल्ली, जेएनएन।** ऑपरेशन सिंदूर पर कथित सोशल मीडिया पोस्ट कर चर्चा में आए अशोका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद की याचिका पर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। अदालत ने उनकी अंतरिम जमानत की अवधि को बढ़ा दिया। हालांकि, हरियाणा सरकार की ओर से कोर्ट में पेश वकील ने कहा कि हमने एसआईटी का गठन किया है। इस पर प्रोफेसर महमूदाबाद की ओर से पेश वकील कपिल सिब्बल ने पूछा कि क्या एसआईटी ने जांच शुरू कर दी है। सरकारी वकील ने कहा कि उन्हें कुछ डॉक्यूमेंट का इंतजार है। तब अदालत ने पूछा कि किन डॉक्यूमेंट्स की जरूरत है। जांच ही शुरू नहीं हुई तो जमानत खारिज करने की मांग क्यों की जा रही है? कोर्ट ने हरियाणा सरकार को निर्देश दिया कि पहले जांच रिपोर्ट पेश कीजिए, उसके बाद दूसरी बात होगी।

**प्रवेश प्रक्रिया** | तीस तक होंगे पंजीयन और 31 तक विद्यार्थी करा पाएंगे सत्यापन

# यूजी-पीजी में अब तक डेढ़ लाख छात्रों ने कराया पंजीयन

**एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल।** उच्च शिक्षा विभाग ने निजी कालेजों को मान्यता देना शुरू कर दिया है। इससे उन्हें संबंधित विवि से संबद्धता भी मिलने लगी है। अब वे विभाग की आनलाइन काउंसलिंग से जुड़ने लगे हैं। वर्तमान में प्रदेश के 868 निजी, सरकारी और अल्पसंख्यक कालेजों में प्रवेश लेने के लिए पंजीयन कराने के लिए चंद दिन ही शेष रह गए हैं। प्रथम राउंड की काउंसलिंग में करीब डेढ़ लाख विद्यार्थियों ने पंजीयन करा लिए हैं। वहीं एक लाख विद्यार्थियों का सत्यापन हो सका है। विद्यार्थियों के पास तीस मई तक पंजीयन और 31 मई तक सत्यापन करने का समय है। विभाग ने 868 सरकारी, निजी और अल्पसंख्यक कालेजों की यूजी और पीजी कोर्स में प्रवेश देने आनलाइन काउंसलिंग करा रहा है। इसमें करीब डेढ़ लाख विद्यार्थियों ने पंजीयन करा लिए हैं। जबकि एक लाख विद्यार्थियों का

सत्यापन हो चुका है। यह पहला मौका है जब विभाग ने विद्यार्थियों से मोबाइल से पंजीयन करने की व्यवस्था शुरू की है। इसमें करीब 60 फीसदी विद्यार्थियों ने मोबाइल एप और अपने लैपटॉप से पंजीयन किए हैं। इससे विद्यार्थियों को कियोस्क के पास तक जाने की जरुरत नहीं पड रही है। इससे वे कियोस्क से अवैध वसूली से भी बच रहे हैं। विभाग पांच जून को सुबह 11 बजे पंजीयन और सत्यापित विद्यार्थियों को सीटों का आवंटन करेगा। विद्यार्थी पांच से 12 जून तक फीस जमा कर प्रवेश ले पाएंगे।

### एनसीटीई कोर्स में 15 हजार पंजीयन

एनसीटीई के कोर्स बीएड, बीपीएड, एमएड, एमपीएड, बीएडएमएड, आईटीईपी, बीएलएड, अंशकालीन बीएड और राज्य शिक्षा केंद्र का बीएड में प्रवेश लेने के लिए विद्यार्थी प्रथम चरण में 15 हजार पंजीयन और आठ हजार सत्यापन हो गए हैं। विद्यार्थी तीस मई तक पंजीयन और 31 मई तक सत्यापन कर सकेंगे। विभाग एक जून को मेरिट जारी करेगा। विभाग पांच जून को प्रवेश आवंटित करेगा। पांच से 11 जून तक मूल दस्तावेज, टीसी माईग्रेशन का भौतिक सत्यापन के लिए उपस्थित होकर लिंग इनिशिएट कराएंगे। विद्यार्थी पांच से 12 जून तक प्रवेश ले पाएंगे।

**कालेजों की स्थिति**

| | |
|---|---|
| अनुदान प्राप्त कालेज | 39 |
| निजी कालेज | 267 |
| सरकारी कालेज | 562 |
| यूजी-पीजी पंजीयन | 1,50,200 |
| सत्याापन | 1,0,020 |

**एनसीटीई की स्थिति**

| | |
|---|---|
| सरकारी कालेज | 05 |
| आरएसके कालेज | 03 |
| निजी कालेज | 341 |
| बीएड पंजीयन | 15,005 |
| सत्याापन | 8,100 |

### जमीन के बंटवारे को लेकर बैठी पंचायत में विवाद के बाद खूनी संघर्ष, छह लोग हुए घायल

**जागरण, छिंदवाड़ा।** जिले के जुन्नारदेव थाना क्षेत्र में अंबाड़ा पुलिस चौकी के रिछेड़ा गांव में बंटवारे को लेकर बैठी पंचायत में विवाद हो गया। जमीनी विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। दो पक्षों के बीच खेत के हिस्से के बंटवारे को लेकर कहासुनी हुई। यह इतनी बढ़ गई कि दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर कुल्हाड़ी और फरसे से हमला कर दिया। इसमें 6 लोग घायल हो गए। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया है। पुलिस ने मामले में काउंटर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। चौकी प्रभारी तरुण मरकाम ने बताया कि मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। खेत के बंटवारे को लेकर परिवार के भीतर पंचायत बिठाई गई थी। पंचायत का नतीजा उल्टा निकला और दोनों पक्षों में विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। एक पक्ष ने कुल्हाड़ी से हमला कर दिया, वहीं दूसरे पक्ष ने फरसे से जवाबी हमला किया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और घायलों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

## पृष्ठ एक के शेष

**धान, कपास समेत ..**

सरकार हर फसल सीजन से पहले सीएसीपी यानी कमीशन फॉर एग्रीकल्चर कॉस्ट एंड प्राइजेज की सिफारिश पर एमएसपी तय करती है।

**17 वर्षीय बेटी ने...**

जाने से रोक दिया। छात्रा ने इसका विरोध किया। तभी माता-पिता ने उसके साथ मारपीट कर दी। थाना प्रभारी ने बताया कि छात्रा का मेडिकल कराया गया। उसके कान, गाल-पीठ में चोट लगने की पुष्टि हुई है। छात्रा के पिता व्यापारी हैं। मां गृहणी है।

**एसआईटी को मिला जांच...**

विजय शाह ने ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी मीडिया के सामने रखने वाली कर्नल सोफिया कुरैशी पर अपमानजनक टिप्पणी की थी। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने 14 मई को शाह के बयान पर नोटिस लेते हुए एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था। कोर्ट के आदेश पर उनके खिलाफ इंदौर के मानपुर थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी। इसी के खिलाफ शाह सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं।

**मीठी नदी मामले में डिनो ...**

किया था। आरोप है कि बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के अधिकारियों ने गाद निकालने के ठेके के लिए ऐसा टेंडर तैयार किया था, ताकि काम के लिए जरूरी मशीनरी के एक खास सप्लायर को फायदा हो। पुलिस का कहना है कि ठेकेदारों ने मुंबई से गाद बाहर ले जाने के लिए फर्जी बिल बनाए और पूरे घोटाले की वजह से नगर निगम को 65.54 करोड़ का नुकसान हुआ। मुख्य आरोपी कदम और उसके सहयोगी जयेश जोशी ने कथित तौर पर सप्लायर्स और बीएमसी के बीच बिचौलिये का काम किया।

## संक्षिप्त समाचार

### ईरान पहुंचते ही तीन भारतीय लापता हुए

**नई दिल्ली।** ईरान पहुंचे तीन भारतीय नागरिक लापता हो गए हैं। ये तीनों पंजाब के बताए जा रहे हैं। इनकी पहचान हुसनप्रीत सिंह (संगरूर), जसपाल सिंह (एसबीएस नगर) और अमृतपाल सिंह (होशियारपुर) के रूप में हुई है। परिवारवालों ने बताया कि तीनों 1 मई को ईरान पहुंचे और उसी दिन लापता हो गए। परिवार वालों ने आरोप लगाया है कि उनसे 1 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी गई है। इस घटना को लेकर भारतीय दूतावास ने बुधवार को एक्स पर बयान जारी करते हुए बताया कि ईरानी अधिकारियों को इस मामले की जानकारी दी गई है। वहीं, भारत सरकार ने मांग की है कि तीन नागरिकों को जल्द से जल्द खोज निकाला जाए। दूतावास ने बताया कि वह परिजनों को लगातार इस मामले में जानकारी दे रहे हैं। परिवार वालों ने दावा किया है कि उन्हें एक एजेंट ने ऑस्ट्रेलिया भेजने का वादा किया था। इसके तहत ही वो 1 मई को तेहरान पहुंचे थे, लेकिन वो गायब हो गए।

### राणा की याचिका पर कोर्ट ने मांगा जवाब

**नई दिल्ली।** पटियाला हाउस स्थित विशेष न्यायाधीश की अदालत ने 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के आरोपित तहव्वुर हुसैन राणा की परिवार के सदस्यों से बात करने की अनुमति को लेकर दायर याचिका पर तिहाड़ जेल प्रशासन और एनआइए से जवाब मांगा है। विशेष न्यायाधीश चंदर जीत सिंह ने तिहाड़ जेल प्रशासन और एनआइए नोटिस जारी कर चार जून तक इस मामले में स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का भी आदेश दिया है। मामले की अगली सुनवाई चार जून को होगी। पाकिस्तानी मूल का कनाडाई व्यापारी राणा इस समय न्यायिक हिरासत में हैं। राणा 26/11 मुंबई हमले के मुख्य साजिशकर्ता डेविड कोलमैन हेडली उर्फ दाऊद गिलानी का करीबी सहयोगी है। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट द्वारा चार अप्रैल को उसकी प्रत्यर्पण के खिलाफ पुनर्विचार याचिका खारिज करने के बाद उसे भारत लाया गया। राणा पर आरोप है कि उसने हेडली, प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा, हरकत-उल-जिहादी इस्लामी और अन्य पाकिस्तान स्थित षड्यंत्रकारियों के साथ मिलकर तीन दिन तक चले आतंकवादी हमले की साजिश रची थी। 26 नवंबर 2008 को 10 पाकिस्तानी आतंकवादी समुद्री रास्ते से भारत पहुंचे थे और मुंबई में रेलवे स्टेशन, दो होटल और एक यहूदी केंद्र पर एक के बाद एक हमले किए थे, जिसमें 166 लोगों की जान गई थी।

### मिस्री ने अमेरिकी उप सचिव से की मुलाकात

**वाशिंगटन।** भारतीय दूतावास ने बताया कि विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने महत्वपूर्ण एवं उभरती प्रौद्योगिकियों में द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए वाशिंगटन में अमेरिकी अवर सचिव जेफरी केसलर से मुलाकात की। विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा कि मिसरी अमेरिकी प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात करने के लिए 27-29 मई तक वाशिंगटन डीसी का दौरा करेंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह यात्रा फरवरी 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संयुक्त राज्य अमेरिका यात्रा का अनुवर्ती है , जब दोनों पक्षों ने 21वीं सदी के लिए भारत-अमेरिका कॉम्पैक्ट (सैन्य साझेदारी, त्वरित वाणिज्य और प्रौद्योगिकी के लिए अवसरों को उत्प्रेरित करना) का शुभारंभ किया था। भारतीय दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मिसरी ने महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों में भारत-अमेरिका सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए केसलर से मुलाकात की। दूतावास ने कहा, उन्होंने तकनीक और व्यापार सहयोग को गहरा करने के लिए भारत-अमेरिका रणनीतिक व्यापार वार्ता को जल्द करने पर भी चर्चा की।

#### कांग्रेस सांसद थरूर बोले-पाकिस्तान उस जमीन को पाना चाहता है, जो उसकी है ही नहीं

# भारत शांति चाहता है, पाक ऐसा नहीं होने देता

**नई दिल्ली, जेएनएन।** पनामा के दौरे पर पहुंचे कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा कि भारत अकेले शांति से जीना चाहता है, लेकिन पाकिस्तान ऐसा नहीं होने देता। उन्होंने साफ किया कि भारत युद्ध नहीं चाहता था, लेकिन आतंकवादियों को सजा दिए बिना नहीं छोड़ा जा सकता। थरूर ने कहा कि पाकिस्तान लगातार भारत के खिलाफ आतंकी हमलों को बढ़ावा दे रहा है। इस मुलाकात के बाद पनामा ने भारत के समर्थन का ऐलान किया है। पनामा की असेंबली की अध्यक्ष डाना कास्टानेडा ने कहा है कि पनामा शांति के इस अभियान में भारत के साथ खड़ा होना चाहता है और हमें उम्मीद है कि हम आतंकवाद को हरा सकते हैं। कास्टानेडा के साथ बैठक में कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि हम सभी अलग-अलग राजनीतिक पृष्ठभूमि और भारत के अलग-अलग हिस्सों से आते हैं, लेकिन हम राष्ट्रीय उद्देश्य में एकजुट हैं।

**गुयाना में भी आतंकियों को दी थी चेतावनी:** थरूर की टीम ने पनामा से पहले गुयाना का दौरा किया था, जहां उन्होंने 26 मई को गुयाना के स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लिया और वहां के प्रधानमंत्री और मंत्रियों के साथ आतंकवाद जैसे मुद्दों पर चर्चा की। थरूर ने गुयाना से भी पाकिस्तान को चेतावनी दी थी।

### पाक को एफएटीएफ की ग्रे सूची में फिर लाना चाहिए: ओवैसी

बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल में एआईएमआईएम के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने पाकिस्तान को वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) की ग्रे सूची में फिर से शामिल करने की पुरजोर वकालत की और पड़ोसी देश के खिलाफ सख्त वित्तीय जांच की मांग की। कुवैत में भारतीय प्रवासियों के साथ बातचीत के दौरान ओवैसी ने कहा कि पाकिस्तान आईएमएफ के 2 अरब डॉलर के ऋण का इस्तेमाल अपनी सेना और आतंकवादी समूहों को समर्थन देने के लिए कर सकता है। पाकिस्तान को समूह की ग्रे लिस्ट में वापस लाया जाना चाहिए। इसके ग्रे लिस्ट का महत्व यह है कि जब आप पैसे का लेन-देन करेंगे तो उस देश पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख असीम मुनीर को 'बेवकूफ जोकर' भी कहा, क्योंकि उन्हें ऑपरेशन बनयान-उन-मर्सूस के नकली स्मृति चिन्ह के साथ देखा गया था, जो भारत के ऑपरेशन सिंदूर के जवाब में शुरू किया गया था।

#### सिंगापुर से भी समर्थन का आग्रह

इस बीच बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल जेडीयू सांसद संजय कुमार झा ने सिंगापुर के विदेश एवं गृह राज्यमंत्री सिम एन के साथ बैठक के दौरान सिंगापुर से पाकिस्तान को एफएटीएफ की काली सूची में शामिल करने के लिए दबाव डालने का आग्रह किया।

### फ्रांस लड़ाई में भारत के साथ : रविशंकर

**पेरिस।** भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा, फ्रांस ने पाकिस्तान में पनप रहे आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ एकजुटता दोहराई और सहमति व्यक्त की कि लोकतांत्रिक दुनिया को इस मुद्दे पर एक स्वर में आवाज उठाने की जरूरत है। यह बात यूरोप यात्रा पर गए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे प्रसाद ने पेरिस यात्रा के समापन पर कही। भारत के इस नौ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने फ्रांस की उपराष्ट्रपति जैकलीन यूस्टेश ब्रिनियो नीत भारत-फ्रांस मैत्री समूह के प्रतिनिधियों और विदेश मामलों एवं रक्षा समिति के सदस्यों के साथ भव्य 'लक्जमबर्ग पैलेस' में अंतिम कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

### रूस और स्लोवेनिया ने दिया मजबूत समर्थन

यूरोपीय संघ में भारत के पूर्व राजदूत मंजीव सिंह पुरी ने कहा, रूस और स्लोवेनिया ने आतंक के खिलाफ भारत के वैश्विक रुख पर मजबूत समर्थन व्यक्त किया है, इसे आधुनिक दुनिया का कैंसर कहा है जिसे मिटाना होगा। रूस और स्लोवेनिया में शानदार बैठकें हुईं और इन दोनों देशों से यह सुनना विशेष रूप से उत्साहजनक है कि वे आतंक के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में हमारे साथ हैं।

● **ग्रीस ने भी दिया समर्थन:** ग्रीस पहुंचे भारतीय राजदूत रुद्रेंद्र टंडन ने हवाई अड्डे पर प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। इस दौरे के दौरान प्रतिनिधिमंडल ग्रीक सरकार के अधिकारियों, मीडिया हस्तियों और सांसदों से बातचीत करेगा, जिसमें पाकिस्तान के आतंकवाद और भारत के ऑपरेशन सिंदूर पर प्रकाश डाला जाएगा।

### ट्रेड यूनियन नेता पर 5.5 करोड़ जुर्माना

**अयोध्या।** विद्युत विभाग ने श्रमिक संघ के नेता पर कर्मचारियों की बर्खास्तगी के खिलाफ आंदोलन करने को लेकर 5.5 करोड़ जुर्माना लगाया है। विद्युत वितरण खंड के मुख्य अभियंता (वितरण) अशोक कुमार चौरसिया ने कर्मचारी संघ नेता को नोटिस जारी कर 1,500 बिजली कर्मचारियों की बर्खास्तगी के विरोध में 'धरना-प्रदर्शन' को लेकर 5.5 करोड़ का जुर्माना भरने को कहा है। 'विद्युत मजदूर पंचायत उत्तर प्रदेश' की अयोध्या इकाई के जिलाध्यक्ष जय गोविंद ने बताया कि उन्हें नोटिस मिला है, जिसमें 5.5 करोड़ जुर्माना भरने को कहा गया है। उन्होंने कहा, इतिहास में किसी भी विभाग या कोर्ट द्वारा ऐसा नोटिस नहीं दिया गया है। जब मुख्य अभियंता से यह पूछा गया कि उन्होंने किस कानून की धारा तहत जुर्माना लगाने का नोटिस जारी किया है तब उन्होंने कहा, मुझे कोई धारा या कानून नहीं पता है, मैंने सिर्फ नोटिस जारी किया है। कानून की धाराएं पुलिस और न्यायालय तय करेंगे। पिछले महीने 1500 आउटसोर्सिंग बिजली कर्मचारियों की सेवाओं को 'मानकों के अनुपालन' का कारण बताकर समाप्त कर दिया गया था। मुख्य अभियंता द्वारा जय गोविंद को भेजे पत्र में कहा गया था कि 22 अप्रैल से 10 मई तक वह लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे थे और उच्च तीव्रता वाले लाउडस्पीकर का उपयोग कर रहे थे, जिससे विभागीय कार्य, बिजली आपूर्ति और राजस्व वसूली प्रभावित हुई थी।

## पाटेकर ने राजामौली को दिया तगड़ा झटका, 20 करोड़ का ऑफर ठुकराया

**मुंबई, जेएनएन।** नाना पाटेकर इन दिनों जहां 'हाउसफुल 5' के कारण चर्चा में हैं, वहीं इस बीच उनको लेकर और बड़ी खबर आई है। चर्चा है कि दिग्गज बॉलीवुड एक्टर ने बॉलीवुड के सबसे सफल डायरेक्टर एसएस राजामौली की फिल्म का ऑफर ठुकरा दिया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पाटेकर ने एसएसएमबी 29 फिल्म करने से इनकार कर दिया है। यह वही फिल्म है, जिसमें महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा लीड रोल में हैं।

राजामौली व महेश बाबू की फिल्म एसएसएमबी२९ का टाइटल अभी फाइनल नहीं हुआ है। इसी साल जनवरी महीने में इसकी शूटिंग शुरू हुई है। बीते दिनों प्रियंका चोपड़ा भी इंडिया फिल्म के सिलसिले में आई थीं। उन्होंने भी महेश बाबू के साथ हैदराबाद में शुरुआती शेड्यूल की शूटिंग की है। फिल्म में महेश बाबू व प्रियंका चोपड़ा के अलावा पृथ्वीराज सुकुमारन भी हैं। साल की शुरुआत में ही यह खबर आई थी कि नाना पाटेकर को फिल्म के अप्रोच किया गया है। तब रिपोर्ट्स में कहा गया कि 2024 के आखिर में राजामौली खुद पुणे गए थे और उन्होंने नाना पाटेकर को फिल्म की स्क्रिप्ट सुनाई थी। इसके बाद दिग्गज एक्टर ने एक लुक टेस्ट भी दिया, लेकिन अब दावा किया गया है कि नाना पाटेकर ने यह फिल्म छोड़ दी है।

#### 15 दिनों की शूटिंग के लिए 20 करोड़ का दिया था ऑफर

'बाहुबली' और आरअसारआर के डायरेक्टर राजामौली एसएसएमबी 29 को अब तक का सबसे ग्रैंड प्रोजेक्ट बनाना चाहते हैं। ऐसे में वह एक दमदार और प्रमुख रोल में पाटेकर को कास्ट करना चाहते थे, लेकिन एक्टर ने विनम्रता के साथ ठुकरा दिया है। नाना को इसके लिए 20 करोड़ रुपए की फीस ऑफर की गई थी, जबकि उनके हिस्से सिर्फ 15 दिनों की शूटिंग थी।

### मानव तस्करी के आरोप में भारतीय समेत 2 को हो सकती है 3 साल की सजा

**न्यूयार्क।** बर्फीले तूफान में कनाडा की सीमा के सुदूर क्षेत्र से अमेरिका में प्रवेश करने का प्रयास करते समय भारत के चार सदस्यों के एक परिवार की ठंड से मौत की घटना के तीन वर्ष से अधिक समय बाद दो व्यक्तियों को बुधवार को मिनेसोटा में मानव तस्करी के आरोप में सजा सुनाई जाएगी, जिसे अभियोजकों ने अंतरराष्ट्रीय षडयंत्र बताया है। संघीय अभियोजकों ने कथित सरगना हर्ष कुमार रमनलाल पटेल के लिए लगभग 20 वर्ष की जेल की सजा तथा परिवार को लेने आने वाले ड्राइवर स्टीव एंथनी शैंड के लिए लगभग 11 वर्ष की जेल की सजा की सिफारिश की है। जेल की सजा का फैसला अमेरिकी जिला न्यायाधीश जॉन टुनहेम पर निर्भर है, जिन्होंने पिछले महीने दोषी के फैसले को खारिज करने से इनकार कर दिया था और लिखा था, 'यह कोई करीबी मामला नहीं था।' टुनहेम उत्तरपश्चिमी मिनेसोटा शहर फर्गस फॉल्स स्थित संघीय न्यायालय में सजा सुनाएंगे, जहां पिछले नवंबर में दोनों व्यक्तियों पर मुकदमा चलाया गया था और उन्हें चार-चार मामलों में दोषी ठहराया गया था। अभियोजकों ने मुकदमे में कहा कि पटेल, जो एक भारतीय नागरिक है और जो उपनाम 'डर्टी हैरी' से जाना जाता है तथा शैंड, जो फ्लोरिडा का एक अमेरिकी नागरिक है।

● **कनाडा के रास्ते यूएस में अवैध रूप से घुसते समय ठंड से मौत का मामला**

## अमेरिकी नागरिकों की पोस्ट सेंसर करने वालों पर लगेगा बैन, नहीं मिलेगा वीजा

#### ऐसा करने वाला पहला देश, अधिकतर टेक कंपनियां हैं अमेरिकी

**वॉशिंगटन, जेएनएन।** अमेरिकी सरकार ने बुधवार को उन लोगों का वीजा बैन करने की ऐलान किया है, जो अमेरिकी टेक कंपनियों के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अमेरिकी लोगों की पोस्ट को सेंसर करते हैं। यह फैसला लेने वाला अमेरिका पहला देश है। विदेश मंत्री मार्को रुबिया ने कहा, अगर किसी विदेशी अधिकारी ने अपने देश में अमेरिकी लोगों को गिरफ्तारी या अन्य सजा की धमकी देकर पोस्ट सेंसर की तो यह स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उन विदेशी अधिकारियों पर वीजा बैन लगाया जाएगा जो अमेरिकी टेक प्लेटफॉर्म्स पर कंटेट हटाने या कंट्रोल करने की मांग करते हैं। रुबियो ने कहा, यह

स्वीकार्य नहीं है कि विदेशी अधिकारी अमेरिकी नागरिकों के खिलाफ उनके सोशल मीडिया पोस्ट के लिए गिरफ्तारी की धमकी दें। हालांकि, इस बयान में किसी खास देश या अधिकारी नाम नहीं लिया गया। रुबियो ने कहा कि कुछ विदेशी नागरिकों ने आधिकारिक पद पर रहते हुए अमेरिकी टेक कंपनियों और अमेरिकी नागरिकों के खिलाफ 'सेंसरशिप' की कार्रवाई की है, जबकि उन्हें ऐसा करने का अधिकार नहीं था। दुनियाभर में इस्तेमाल होने वाले ज्यादातर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म अमेरिकी टेक कंपनियों के हैं। एक्स कंपनी के मालिक इलॉन मस्क हैं, फेसबुक और इंस्टाग्राम और मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग हैं, जबकि यूट्यूब और गूगल भी अमेरिकी कंपनी है। अमेरिका ने नया वीजा प्रतिबंध तब लागू किया है, जब कई यूरोपीय और एशियाई देशों ने अमेरिकी सोशल मीडिया कंपनियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है। इन देशों ने सोशल मीडिया कंटेंट हटाने के लिए नोटिस जारी किए और सजा भी सुनाई।

### हार्वर्ड में सिर्फ 15 फीसदी हो विदेशी छात्र : ट्रंप

**वाशिंगटन।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि हार्वर्ड विश्वविद्यालय को 15 फीसदी से अधिक विदेशी छात्रों को प्रवेश नहीं देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि हार्वर्ड को सरकार को उन सभी अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की सूची दिखानी चाहिए, जो वर्तमान में वहां पढ़ रहे हैं। ट्रंप ने ओवल ऑफिस में संवाददाताओं से कहा, वे (हार्वर्ड) हमारे देश के साथ अनादरपूर्ण व्यवहार कर रहे हैं और वे जो कुछ भी कर रहे हैं, वह खुद को और अधिक परेशानी में डाल रहा है। उन्होंने यह भी कहा, मैं चाहता हूं कि हार्वर्ड फिर से महान बने...। उन्होंने कहा, यह कैसे महान हो सकता है, जब हार्वर्ड ने दो सप्ताह पहले घोषणा की थी कि वे उपचारात्मक गणित पढ़ाने जा रहे हैं?... ये लोग हार्वर्ड में कैसे पहुंचे? हालांकि, हार्वर्ड ने अभी तक ट्रंप के बयान पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

## सीमा शुल्क एक्ट की धारा 27 या अनुचित लाभ सिद्धांत बैंक गारंटी वापसी पर लागू नहीं: कोर्ट

**नई दिल्ली, जेएनएन।** सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि सीमा शुल्क अधिनियम की धारा 27 पर तब लागू नहीं होती, जब गलत तरीके से बैंक गारंटी के रिफंड की मांग की गई है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि सीमा शुल्क विभाग द्वारा बैंक गारंटी के नकदीकरण को सीमा शुल्क के भुगतान के रूप में नहीं माना जा सकता है। इसलिए न तो धारा 27 और न ही अन्यायपूर्ण संवर्धन का सिद्धांत लागू होता है। ऐसा मानते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सीमा शुल्क विभाग द्वारा बैंक गारंटी के जबरदस्ती नकदीकरण के खिलाफ पतंजलि फूड लिमिटेड की अपील को स्वीकार कर लिया, जिसमें विभाग को 6 फीसदी ब्याज के साथ चार महीने के भीतर भुनाई गई राशि वापस करने का निर्देश दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट जस्टिस अभय एस ओक और जस्टिस उज्जल भुइयां की खंडपीठ ने 2002 के एक विवाद पर सुनवाई की, जब रुचि सोया (बाद में पतंजलि फूड्स) ने आयातित कच्चे सोयाबीन तेल पर उच्च सीमा शुल्क को चुनौती दी थी, जो एक टैरिफ अधिसूचना के माध्यम से लगाया गया था, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि यह उस समय लागू नहीं था। गुजरात हाईकोर्ट ने शुरू में बैंक गारंटी के खिलाफ मंजूरी की अनुमति दी थी, लेकिन 2012 में याचिकाओं को खारिज कर दिया, जिससे 2013 में नकदीकरण हुआ।

पतंजलि फूड्स ने तब रिफंड की मांग की थी, जिसके बाद रिफंड की मांग को अवैध करार दिया था। विभाग ने सीमा शुल्क अधिनियम की धारा 27 और अन्यायपूर्ण संवर्धन के सिद्धांत को लागू करते हुए विरोध किया, यह दावा करते हुए कि अपीलकर्ता को यह साबित करना होगा कि उसने उपभोक्ताओं पर बोझ नहीं डाला है।

● **सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि फूड लि. की याचिका मंजूर की**

## गैंगरेप पीड़ित के परिवार को राहुल ने दिया मदद का भरोसा

**जागरण, खंडवा।** प्रदेश के खंडवा में आदिवासी महिला से गैंगरेप और फिर उसकी हत्या के मामले में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पीड़ित परिवार से बात की है। उन्होंने मृतक महिला के बेटे से घटना के बारे में जानकारी ली। दरअसल, बुधवार को झाबुआ विधायक और आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रांत भूरिया खंडवा में पीड़ित परिवार से मिलने उनके गांव पहुंचे थे।

#### कांग्रेस विधायक भूरिया से बोले- इन्हें पूरा सपोर्ट करें

यहां उन्होंने मोबाइल पर पीड़ित परिवार के सदस्य से राहुल गांधी की बात कराई। राहुल गांधी ने पीड़ित परिवार को हर संभव मदद का भरोसा दिया। उन्होंने कांग्रेस विधायक विक्रांत भूरिया से कहा कि आप इन्हें सपोर्ट करें। मदद लगे तो प्लीज मुझे बताना।

#### घटना की जानकारी ली

राहुल गांधी ने गैंगरेप पीड़िता महिला के बेटे से पूछा कि, घटना कैसे हुई, कौन लोग थे, क्या उन्हें जेल हो गई है। इस पर पीड़िता के बेटे ने कहा, 'गांव में शादी समारोह था और इसी बीच मां महिला रिश्तेदारों को छोड़ने खेत पर गई थी, उनके साथ गांव के सुनील और हरि ने दुष्कर्म किया और फिर हत्या कर दी। दोनों आरोपी अभी जेल में हैं।

### जम्मू-कश्मीर समेत 6 राज्यों में मॉक ड्रिल स्थगित

**नई दिल्ली।** पाकिस्तान से सटे 6 राज्यों में गुरुवार को होने वाली मॉकड्रिल स्थगित कर दी गई है। इनमें जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, हरियाणा और चंडीगढ़ शामिल थे। इसे ऑपरेशन शील्ड नाम दिया गया है। पंजाब में 3 जून को ड्रिल होगी। बाकी राज्य नई तारीखों का ऐलान जल्द करेंगे। इससे पहले 7 मई को देश के 244 जिलों में मॉक ड्रिल हुई थी। इसमें नागरिकों को हमले के दौरान खुद को बचाने की ट्रेनिंग दी गई। यह इसलिए किया गया ताकि युद्ध की स्थिति में लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। देश में पिछली बार ऐसी मॉक ड्रिल 1971 में हुई थी।

### छत्तीसगढ़: बस्तर जिला अब नक्सल मुक्त घोषित

**नई दिल्ली, जेएनएन।** छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले को नक्सल प्रभावित जिलों की सूची से हटा दिया गया है। केंद्र के गृह मंत्रालय ने बस्तर जिले को वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित जिलों की सूची से बाहर कर दिया है। यह छत्तीसगढ़ राज्य, विशेषकर बस्तर क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि मानी जा रही है। हालांकि बस्तर संभाग के कुछ जिले अब भी नक्सल प्रभावित हैं। बस्तर न केवल एक जिला है, बल्कि एक संभाग भी है, जिसमें कुल 7 जिले शामिल हैं- बस्तर (मुख्यालय जगदलपुर), कोंडागांव, दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा, नारायणपुर और बीजापुर।

## आर्मी एरिया से बांग्लादेशी रोहिंग्या पकड़ाया, पूछताछ

#### नौ अन्य लोगों के साथ आने का दावा, एजेंसियां अलर्ट

**जागरण, जबलपुर।** प्रदेश के जबलपुर में पुलिस ने डुमना एयरपोर्ट से सटे आर्मी एरिया से एक संदिग्ध युवक को हिरासत में लिया है। पूछताछ के दौरान युवक ने खुद को बांग्लादेश का रोहिंग्या मुसलमान बताया है। इस खुलासे के बाद खुफिया एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। मामले की गंभीरता को देख वरिष्ठ अधिकारियों ने थाने पहुंचकर युवक से पूछताछ की है। बंगाली भाषी होने के कारण पुलिस को बयान लेने में दिक्कत आ रही थी। इस कारण अनुवादक को बुलाकर पूछताछ की गई। संदिग्ध युवक टी-शर्ट और हाफ पैंट में घूमता दिखा और पुलिस को देखते ही भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन उसे पकड़ लिया। पुलिस ने उससे नाम और पता पूछा तो वह अनजान भाषा में बोलने लगा। पहले तो पुलिस समझी कि वह मानसिक अस्थिर है लेकिन थाने में पूछताछ की गई तो उसके बांग्लादेशी होने का पता लगा। सूत्रों के मुताबिक युवक ने पूछताछ में बताया कि वह 9 अन्य लोगों के साथ भारत में दाखिल हुआ था। हालांकि, उसके बयान की सत्यता जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। युवक ने अपना नाम रहमत अली बताया और कहा कि वह बांग्लादेश के बागुड़ा जिले के रामचंद्रपुर गांव का निवासी है। जब परिवार के बारे में पूछा तो पहले पिता का नाम मन्ना सरकार बताया, फिर बयान मोहम्मद बताने लगा। मां का नाम मेमरा बेगम बताया। युवक बार-बार अपने बयान बदलता रहा, जिससे शक है कि वह जानबूझकर गुमराह कर रहा है।

### अन्ना यूनिवर्सिटी में रेप: ज्ञानशेखरन दोषी करार 2 को सजा का एलान

चेन्नई। दिसंबर 2024 में एक सनसनीखेज मामला सामने आया था, जहां एक छात्रा का यौन उत्पीड़न किया गया था। अब इस मामले में चेन्नई की एक महिला अदालत ने अन्ना विश्वविद्यालय की छात्रा के साथ हुई शर्मनाक घटना को लेकर आरोपी ज्ञानशेखरन दो दोषी करार दिया है। अदालत ने माना है कि आरोपी के खिलाफ लगाए गए आरोप सच है इसलिए ज्ञानशेखरन को दोषी करार दिया गया है। इस मामले को लेकर न्यायाधीश दो जून को फैसला सुनाने वाली हैं। हालांकि, आरोपी को क्या सजा होगी, इसे लेकर महिला अदालत की न्यायाधीश राजलक्ष्मी 2 जून को अपना फैसला सुनाएंगी। बता दें, इस मामले के आरोपी व्यक्ति के तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक के साथ कथित संबंधों की वजह से राजनीतिक विवाद भी खड़ा हो गया था।

**कानून** | लाइलाज रोगियों के हित में फ्रांस की नेशनल असेंबली में ऐतिहासिक विधेयक को मंजूरी

# अब फ्रांस में भी मौत चुनने का अधिकार

**पेरिस, जेएनएन।** फ्रांस के निचले सदन नेशनल असेंबली ने मंगलवार को एक ऐतिहासिक विधेयक को मंजूरी दे दी। इसके तहत फ्रांस में लाइलाज बीमारियों से ग्रस्त व्यस्क लोगों को मौत चुनने का अधिकार मिलेगा। यूरोप में लंबे समय से मौत चुनने के अधिकार को कानूनी करने की मांग उठ रही हैं। फ्रांस में भी लंबे समय से ऐसी मांग की जा रही है और महीनों से इस पर संसद में चर्चा में चल रही है। लंबी चर्चा के बाद मंगलवार को नेशनल असेंबली ने इसकी मंजूरी दे दी।

अब इस विधेयक को उच्च सदन सीनेट में पेश किया जाएगा। प्रस्तावित विधेयक में जहां गंभीर बीमारियों से ग्रस्त लोगों को मौत का विकल्प चुनने की मंजूरी दी गई है, वहीं कड़ी शर्तें भी लगाई गई हैं। शर्तों के तहत लाइलाज बीमारी होने पर मरीज को खुद ही जहर लेना होगा, लेकिन अगर वह खुद इस स्थिति में नहीं है कि खुद अपनी जान ले सके तो उस स्थिति में डॉक्टर या नर्स की मदद से व्यक्ति को जहर दिया जा सकेगा। विधेयक के तहत मौत का विकल्प चुनने के लिए मरीज का कम से कम 18 साल का होना जरूरी है। साथ ही उसका फ्रांस का नागरिक होना भी जरूरी है। मौत का विकल्प चुनने से पहले स्वास्थ्य विशेषज्ञों की टीम यह सत्यापित करेगी कि व्यक्ति लाइलाज बीमारी से ग्रस्त है और उसका कोई इलाज नहीं है। साथ ही मरीज असहनीय पीड़ा से गुजर रहा है। इस सत्यापन के बाद ही मौत चुनने का विकल्प मिलेगा। मानसिक रोगियों को मौत चुनने के विकल्प से बाहर रखा गया है। विधेयक के तहत बीमार व्यक्ति को अगर जान देने की अनुमति मिल जाती है, तो वह अपने घर, नर्सिंग होम या स्वास्थ्य केंद्र में जानलेवा दवाई या जहर ले सकेगा।

#### कई देशों में विकल्प

फ्रांस की तरह ही ब्रिटेन में भी ऐसे ही विधेयक पर चर्चा चल रही है। अभी स्विट्जरलैंड, कई अमेरिकी राज्यों, नीदरलैंड, स्पेन, पुर्तगाल, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, कोलंबिया, बेल्जियम, लक्जमबर्ग में भी कुछ शर्तों के साथ मौत चुनने का विकल्प मौजूद है।

#### विरोध भी कम नहीं

विधेयक का विरोध भी हो रहा है। फ्रांस के धार्मिक नेताओं के संगठन द कॉन्फ्रेंस ऑफ रिलीजियस लीडर्स इन फ्रांस ने इस विधेयक का विरोध किया है। इस संगठन में कैथोलिक, ऑर्थोडॉक्स, प्रोटेस्टेंट, यहूदी, मुस्लिम और बौद्ध समुदाय के प्रतिनिधि शामिल हैं। संगठन का दावा है कि इस विधेयक के बाद बुजुर्गों, बीमार और अक्षम लोगों पर भी दबाव बढ़ेगा।

## बाजार पर नजर

शेयर बाजार में आज

81,312

-239

**Nifty 50 Top Gainers**

| Scrip | High | %Gain |
|---|---|---|
| HDFC Life | 790.75 | 1.76% |
| Bharat Elec | 393.50 | 1.31% |
| Bajaj Finance | 9,294.50 | 1.05% |
| Bharti Airtel | 1,867.00 | 0.67% |
| Hero Motocorp | 4,383.40 | 0.55% |

**Nifty 50 Top Losers**

| Scrip | Close | %Loss |
|---|---|---|
| ITC | 420.20 | -3.16% |
| Induslnd Bank | 805.15 | -1.89% |
| Nestle | 2,419.00 | -1.70% |
| Appollo Hospital | 6,956.50 | -1.65% |
| Ultra Tech cement | 11,238.00 | -1.60% |

**फोरेक्स रेट**

| मुद्रा | बिक्री |
|---|---|
| $ डॉलर | 85.36 |
| € यूरो | 96.73 |
| ¥ येन | 05.92 |
| £ पौंड | 115.32 |

# 22 कैरेट से दूर हो रहे ग्राहक 18 कैरेट सोने की ओर झुकाव

### महंगे सोने ने बदला जेवरों का स्वाद

**नई दिल्ली, जेएनएन।** सोने की आसमान छूती कीमतों ने भारतीय ज्वेलरी बाजार में ग्राहकों की पसंद को धीरे-धीरे बदलना शुरू कर दिया है। जहां कभी शुद्धता की पहचान 22 कैरेट हुआ करती थी, अब वही ग्राहक बजट और डिजाइन के संतुलन के लिए 18 कैरेट गहनों की ओर रुख कर रहे हैं। मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के भारतीय परिचालन के मैनेजिंग डायरेक्टर ओ. अषेर ने बताया कि कंपनी अब हल्के वजन की ज्वेलरी डिजाइन कर रही है, जिससे ग्राहकों के बजट में रहते हुए उनकी पसंद के डिजाइन बरकरार रहें। उन्होंने कहा, 'अगर किसी का बजट 1 लाख रुपए है, तो वो अपने बजट से बाहर नहीं जा सकते। ऐसे में हम उसी डिजाइन को थोड़ा हल्का करके पेश कर रहे हैं। इससे उनकी आकांक्षाएं भी पूरी होती हैं और जेब पर बोझ भी नहीं पड़ता।'

**कीमतों ने बढ़ाई चुनौती :** 2025 में अंतराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतों में लगभग 25 फीसदी की बढ़ोतरी ने उपभोक्ताओं के व्यवहार में साफ बदलाव ला दिया है। बीते वर्ष की तुलना में इसमें लगभग 45 फीसदी की उछाल आई है। यह उछाल खासतौर पर अमेरिका की ट्रंप प्रशासन की व्यापारिक नीतियों - जैसे पारस्परिक शुल्क और जवाबी शुल्क से उत्पन्न वैश्विक अस्थिरता के चलते हुआ है। सोना एक पारंपरिक 'सेफ हेवन' संपत्ति मानी जाती है, जो संकट के समय भी अपनी मूल्यवत्ता को बनाए रखती है। यही कारण है कि कीमतों के बढ़ने के बावजूद दीर्घकालिक निवेशकों में इसका आकर्षण बना हुआ है।

**खरीदी में गिरावट**

बढ़ती कीमतों के चलते ग्राहक 22 कैरेट से 18 कैरेट ज्वेलरी की ओर शिफ्ट हो रहे हैं। कुल बिक्री मूल्य में वृद्धि हुई है, लेकिन प्रति ग्राहक खरीदी गई मात्रा में गिरावट देखी गई है।

- ओ. अषेर, मैनेजिंग डायरेक्टर, मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स (भारतीय परिचालन)

### पूर्व आईएएस विक्रम सिंह मेहता बने इंडिगो के नए चेयरमैन

**नई दिल्ली, जेएनएन।** देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने विक्रम सिंह मेहता को अपना नया चेयरमैन नियुक्त किया है।

विक्रम पूर्व आईएएस ऑफिसर रह चुके हैं। इससे पहले विक्रम शेल ग्रुप ऑफ कंपनीज इंडिया के चेयरमैन रह चुके हैं। वे मिस्र में शेल मार्केट्स व शेल केमिकल्स के सीईओ जैसे पद भी संभाले चुके हैं। विक्रम सिंह मेहता, पूर्व चेयरमैन वेंकट सुमंत्रन की जगह लेंगे। सुमंत्रन ने तीन साल तक कंपनी की कमान संभाली थी।

# विदेशी निवेशकों ने भारत में लगाया जमकर पैसा

### वित्त वर्ष 2024-25 में 81.04 बिलियन डॉलर हुआ एफडीआई

**मुंबई, जेएनएन।** भारत के लिए यह अच्छी खबर है कि साल 2025 में विदेशी निवेशकों की तरफ से जमकर निवेश किया गया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की तरफ से जारी बयान के मुताबिक, एफडीआई वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान पिछले साल के मुकाबले 14 प्रतिशत बढ़कर 81.04 बिलियन डॉलर हो गया है। सालभर पहले यानी वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान ये 71.28 बिलियन डॉलर था। सूत्रों के मुताबिक सबसे ज्यादा विदेशी निवेश सर्विस सेक्टर में हुआ है, जिसकी कुल विदेशी निवेश में 19 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इसके बाद कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर में कुल निवेश का 16 फीसदी हिस्सेदारी और फिर व्यापार में 8 प्रतिशत हिस्सा रहा। मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि पिछले 11 वर्षों के दौरान एफडीआई में इजाफा हुआ है। वित्त वर्ष 2013-14 के दौरान एफडीआई 36.05 बिलियन डॉलर था। बयान में कहा गया है कि इसकी बड़ी वजह निवेशक के अनुरूप तैयार नीतियां है, जिसमें कई सेक्टर के एफडीआई को 100 फीसदी तक बढ़ाकर कर दिया गया है। मैन्युफैक्चरिंग के सेक्टर में काफी एफडीआई लगा हुआ है और ये हब बन चुका है। एक साल के दौरान इसमें 18 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान इसमें जहां 16.12 बिलियन एफडीआई लगा था तो वहीं ये एक साल बाद यानी वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़कर 19.04 बिलियन डॉलर हो चुका है। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान सबसे ज्यादा महाराष्ट्र में कुल एफडीआई के 39 प्रतिशत हिस्सा निवेश हुआ। इसके बाद कर्नाटक में 13 प्रतिशत और फिर दिल्ली में 12 प्रतिशत एफडीआई का पैसा लगा। जिन देशों की तरफ से एफडीआई के तौर पर पैसा लगाया गया है, उनमें सिंगापुर की 30 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि मॉरिशस 17 प्रतिशत और उसके बाद अमेरिका का 11 प्रतिशत एफडीआई में पैसा भारत आया है। पिछले 11 वर्षों के दौरान यानी वित्त वर्ष 2014-25 में भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के तौर पर 748.78 अरब डॉलर का निवेश हुआ है, जो उसके पिछले 11 वर्षों की तुलना में करीब 143 प्रतिशत का इजाफा है। वित्त वर्ष 2003-2014 के बीच एफडीआई के तौर पर 308.38 बिलियन डॉलर का निवेश हुआ था।

# 18 साल में दूसरी बार मुनाफे में आई बीएसएनएल कंपनी

**नई दिल्ली, जेएनएन।** वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में भारत सरकार की कंपनी बीएसएनएल को 280 करोड़ का शुद्ध मुनाफा हुआ है, जबकि पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी को 849 करोड़ का घाटा हुआ था। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि 2007 के बाद यानी 18 साल में यह लगातार दूसरी बार है, जब कंपनी को किसी तिमाही में प्रॉफिट हुआ है। इससे पहले पिछली तिमाही यानी वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में कंपनी को 262 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। बीएसएनएल ने मंगलवार को जनवरी-मार्च तिमाही और सालाना नतीजे जारी किए हैं।

**बीएसएनएल का नेट लॉस घटकर 2,247 करोड़ :** ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बताया कि पूरे वित्त वर्ष 2024-25 में बीएसएनएल का नेट लॉस घटकर 2,247 करोड़ रह गया। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 5,370 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था।

वहीं वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का ऑपरेशन से रेवेन्यू 7.8 प्रतिशत बढ़कर 20,841 करोड़ रुपए रहा। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी का रेवेन्यू 19,330 करोड़ रुपए रहा था। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि 18 साल में यह लगातार दूसरी बार है, जब कंपनी को किसी तिमाही में प्रॉफिट हुआ है।

**मोबिलिटी रेवेन्यू 6 प्रतिशत बढ़कर 7,499 करोड़ रुपए हुआ :** सिंधिया ने कहा कि वित्त वर्ष 2025 में 24,432 करोड़ रुपए के कैपेक्स बावजूद टोटल रेवेन्यू लगभग 10 प्रतिशत बढ़कर 23,400 करोड़ रुपए हो गया, जो किसी भी वित्त वर्ष में सबसे बड़ी राशि है। वित्त वर्ष 2025 के दौरान बीएसएनएल का मोबिलिटी रेवेन्यू 6 प्रतिशत बढ़कर 7,499 करोड़ रुपए हो गया। फाइबर-टू-द-होम (एफटीटीएच) रेवेन्यू 10 प्रतिशत बढ़कर 2,923 करोड़ रुपए रहा। वहीं एंटरप्राइज सेगमेंट टॉपलाइन समेत लीज्ड लाइन 3.5 प्रतिशत बढ़कर 4,096 करोड़ रुपए हो गया। सिंधिया ने कहा कि बीएसएनएल का 4जी अब एक्टिव है और सभी टावरों को सिंक्रोनाइज करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि 4जी सर्विसेज के लिए 93,450 टावर शुरू किए गए हैं और कंपनी का एसेट मोनेटाइजेशन वित्त वर्ष 25 में 77 प्रतिशत बढ़कर 1,120 करोड़ हो गया है। बीएसएनएल के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर ए रॉबर्ट जे रवि ने कहा कि यह तेज ग्रोथ प्रोफेशनल मैनेजमेंट, सरकारी सपोर्ट और बॉटम-टॉप लाइन दोनों पर लगातार फोकस करने का प्रमाण है।

# शिलांग में लापता इंदौर के दंपति के बैग-बाइक मिले, ढूढ़ने वाले को 5 रुपए लाख का इनाम

### सांसद लालवानी पहुंचे, सीएम यादव ने मेघालय सरकार से की बात

**इंदौर।** हनीमून पर मेघालय के शिलांग घूमने गए इंदौर के दंपति का 6 दिन भी पता नहीं लग सका है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा से की गई चर्चा के बाद वहां की पुलिस ने 50 जवानों की टीम सर्चिंग में उतार दी है। सर्चिंग में दंपति का बैग और किराए पर ली गई बाइक तो मिल गई है, लेकिन पति-पत्नी का कोई पता नहीं चला है। इंदौर के सांसद शंकर लालवानी भी दंपति को खोजने शिलांग पहुंच गए हैं। ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी और उनकी पत्नी सोनम रघुवंशी 20 मई को हनीमून पर मेघालय गए थे। मगर 23 मई को शिलांग के सोहरारिम इलाके के बाद इनकी लोकेशन नहीं मिल रही। इसी दिन यहां के ओसरा हिल्स के पास सोहरारिम में दंपति की लावारिस बाइक मिली थी। संपर्क टूटने के बाद सोनम के भाई गोविंद ने गूगल सर्च कर बाइक रेंट पर देने वाले की जानकारी निकाली थी। ये जगह दुनिया के सबसे अधिक बारिश वाली जगहों में से एक है, जो चेरापूंजी के नाम से लोकप्रिय है। बुधवार को छठवें दिन भी दंपति की तलाश चलती रही, लेकिन तेज बारिश के कारण रोक दिया। परिवार ने दंपती का पता देने वालों पर 5 लाख रुपए का इनाम रखा है। बताया जाता है कि जिस इलाके में दंपती के बैग मिले हैं, वहां लूटपाट होना आम है। स्थानीय लोग भी यहां अकेले घूमने नहीं आते।

# सेमीकंडक्टर सेक्टर में अपना वर्चस्व कायम करेगा भारत

### 2030 तक चिप उत्पादन में 5 फीसदी हिस्सेदारी का लक्ष्य

**मुंबई, जेएनएन।** भारत का सेमीकंडक्टर का सपना अब नए चरण में पहुंच रहा है। सरकार ने सेमीकॉन 2.0 के तहत अपने लक्ष्यों को और मजबूत किया है, जिसमें 2030 तक वैश्विक चिप उत्पादन में 5 फीसदी हिस्सेदारी हासिल करने का लक्ष्य रखा गया है। सूत्रों के मुताबिक 2021 में, भारत ने अपने सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को विकसित करने के लिए 10 अरब डॉलर (करीब 83,000 करोड़ रुपए) का प्रोत्साहन पैकेज घोषित किया था। अब यह फंड आवंटित होने लगा है और इस योजना के तहत चिप फैब्रिकेशन, ओएसएटी

और एटीएमपी से जुड़े 5 प्रोजेक्ट्स को मंजूरी मिल चुकी है।

### 5 कंपनियों को हो सकता है सबसे ज्यादा फायदा

सरकार का लक्ष्य वैश्विक चिप कंपनियों को आकर्षित करने के साथ-साथ घरेलू खिलाड़ियों को भी बढ़ावा देना है। अगर सब कुछ योजना के अनुसार चला, तो भारत के सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन में निवेशकों के लिए बड़े अवसर खुल सकते हैं। यहां 5 ऐसे स्टॉक्स हैं जो इस बदलाव से फायदा उठा सकते हैं।

- **आईजेएमओ :** आईजेडएमओ ऑटोमोटिव सेक्टर में इंटरएक्टिव मार्केटिंग और विजुअलाइजेशन टेक्नोलॉजी के लिए जाना जाता है, लेकिन अब यह सेमीकंडक्टर पैकेजिंग में भी अपनी पकड़ बना रहा है।
- **मॉशचिप टेक्नोलॉजीज:** मॉशचिप टेक्नोलॉजीज भारत के सेमीकंडक्टर डिजाइन इकोसिस्टम का एक अहम हिस्सा है।
- **सिएंट :** सिएंट इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस में 30+ साल के अनुभव के साथ अब सेमीकंडक्टर डिजाइन पर जोर दे रही है।
- **एचसीएल टेक्नोलॉजीज :** एचसीएल टेक्नोलॉजीज, भारत की टॉप आईटी कंपनियों में से एक है और अब सेमीकंडक्टर डिजाइन और टेस्टिंग में भी हाथ आजमा रही है।
- **टाटा इलेक्टॉनिक्स (अनलिस्टेड) :** टाटा ग्रुप की यह कंपनी भारत के पहले कमर्शियल सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन प्लांट (ढोलेरा, गुजरात) का निर्माण कर रही है।

### गैस रिफलिंग के अड्डे पर पुलिस की रेड

**क्राइम रिपोर्टर, भोपाल।** अवैध तरीके से गैस रिफलिंग का गोरखधंधा कर रहे जालसाज के अड्डे पर टीटी नगर पुलिस ने रेड मारी है। पुलिस ने तीन सिलेंडर जब्त किए हैं। टीला जमालपुरा पुलिस को सूचना मिली कि हरि मजार के पास वसुन्धरा कालोनी में एक व्यक्ति अवैध रूप से कार में गैस रिफलिंग कर रहा है। पुलिस ने वसुंधरा कॉलोनी निवासी 36 वर्षीय नाजिम के खिलाफ एफआईआर दर्ज उसे गिरफ्तार किया। नाजिम इससे पूर्व वर्ष 2022 मे भी अपने भाई के साथ अवैध गैस रिफलिंग करते हुए पकड़ा गया था।

# आंधी तूफान से केले की फसल जमींदोज, रो दिए किसान

**जागरण, बुरहानपुर।** जिले में मंगलवार शाम आए आंधी तूफान ने एक दर्जन से ज्यादा गांवों में जमकर तबाही मचा दी। खेतों में खड़ी केला फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई है। बुधवार सुबह जब किसान खेतों में पहुंचे तो बर्बाद फसल देखकर रो पड़े। खून पसीना बहा कर तैयार की गई लाखों की फसल बर्बाद हो चुकी है। फसलों को नुकसान की जानकारी मिलने के बाद विधायक अर्चना चिटनिस ने एसडीएम पल्लवी पुराणिक और राजस्व अमले के साथ आधा दर्जन से ज्यादा गांवों का दौरा किया। इसके अलावा सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल के प्रतिनिधि गजेंद्र पाटिल भी किसानों के साथ कई गांवों में फसल नुकसानी का जायजा लेने पहुंचे। विधायक और सांसद प्रतिनिधि ने किसानों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि संकट की इस घड़ी में भाजपा सरकार उनके साथ है। फसल नुकसानी का सर्वे करा जल्द ही उन्हें क्षतिपूर्ति राशि वितरित की जाएगी। विधायक चिटनिस ने सर्वे दलों से कहा है कि वे केले के पौधों की गणना करने की जगह नुकसानी का आंकलन प्रतिशत में करें। इससे 50 प्रतिशत से अधिक क्षति वाले किसानों को दो लाख रुपए प्रति हेक्टेयर के मान से मुआवजा राशि दी जा सके।

**इन गांवों में पहुंचे जनप्रतिनिधि :** विधायक अर्चना चिटनिस ने ग्राम रायगांव, नीमगांव, फोफनार, बख्खारी, खामनी व शाहपुर सहित अन्य गांवों में पहुंचकर किसानों से चर्चा की और खेतों में जाकर फसलों को हुए नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने मौके से ही अधिकारियों को फोन कर जल्द सर्वे शुरू कराने के लिए कहा। उन्होंने किसानों को बताया कि कलेक्टर ने सर्वे दल गठित कर सुबह से ही आंकलन शुरू करा दिया है। बुधवार को सांसद प्रतिनिधि गजेंद्र पाटिल भी ग्राम नीमगांव, रायगांव, बख्खारी, शाहपुर, निंबोला सहित आधा दर्जन गांवों में पहुंच कर केला फसल की नुकसानी देखी।

उन्होंने जिला प्रशासन से कहा है कि फसलों के नुकसान का सर्वे जीपीएस पद्धति से किया जाए, जिससे सटीक और समयबद्ध तरीके से नुकसान का आंकलन हो पाएगा। इसके साथ ही मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव से फोन पर चर्चा कर प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान की जानकारी दी थी। मुख्यमंत्री ने कहा है कि भाजपा सरकार किसानों के साथ है।

# उल्टी करने गेट पर बैठी नवनिवाहिता ट्रेन से गिरी, कंधे पर टांग आधा किमी चला पति

### ट्रेन नहीं रुकी तो पति ने लगा दी छलांग, फिर सामने आया पुलिस का अमानवीय रवैया

**जागरण, शिवपुरी।** यात्रा के दौरान तबियत बिगड़ने पर उल्टी करने गेट पर बैठी नवविवाहिता पैर फिसलने से ट्रेन से गिर गई। चेन खींचने के बाद ट्रेन रुकने में समय ले रही थी तो पति ने छलांग लगा दी। तब तक ट्रेन करीब डेढ़ किमी आगे निकल चुकी थी। इससे पति टार्च की रोशनी में अपनी पत्नी को खोजते रहा। मदद करने वाला कोई न दिखा तो पति अपने कंधे पर पत्नी को टांगकर करीब आधा किमी तक पैदल चलकर सड़क तक आया। सड़क पर पुलिस आई तो पति पर ही आरोप लगाते हुए लिखा-पढ़ी के लिए शव को रोके रही। यह हादसा मंगलवार देर रात उज्जयिनी एक्सप्रेस में हुई। ग्वालियर से इंदौर जा रहे विकास जोशी की पत्नी शिवानी की रास्ते में तबियत बिगड़ गई। शिवानी को अचानक उल्टियां आने लगीं। उसने कहा- सांस लेने में तकलीफ हो रही है। तकलीफ ज्यादा बढ़ी तो वह गेट के पास बैठकर उल्टी करने लगी। इसी बीच पति सीट से पानी लेकर लौटा तो गेट पर खड़े लड़के ने बताया कि उनका पैर फिसल गया और वह ट्रेन से गिर गई। पति ने घबराहट में चेन खींची, फिर कुछ नहीं सूझा तो चलती ट्रेन से कूद गया। जैसे-तैसे कंधे पर टांगकर वह पत्नी को हाईवे तक लाया। यहां जीआरपी स्टॉफ आ गया, उन्होंने आते ही पति को फटकारते हुए कहा कि तुम भागकर जा रहे हो, लिखा-पढ़ी पूरी होने के बाद ही जाने देंगे। इसी बीच पुलिस आई और 15 मिनट के अंदर उन्होंने कार से अस्पताल भिजवाया।

### भाजपा पार्षद से लड़ने पहुंची महिला भिड़ते ही भड़की आग, झुलसीं

**शिवपुरी।** भाजपा पार्षद के घर पहुंची एक महिला से विवाद के बीच ही अचानक आग भड़क गई। इससे बीजेपी पार्षद सुमन बाथम और झगड़ा करने आई महिला बुरी तरह झुलस गईं। डेढ़ मिनट में ही महिला 95 प्रतिशत तक झुलस गई, जबकि पार्षद खतरे से बाहर है। दोनों के पति पुराने दोस्त हैं। मगर विवाद और आग लगने की वजह अभी तक सामने नहीं आई है। महिला के बयान होने के बाद ही जांच आगे बढ़ सकेगी। न्यू दर्पण कॉलोनी की रहने वाली रानी नामदेव ऑटो रिक्शा से पार्षद सुमन बाथम के घर पहुंची थी। सीसीटीवी में पूरी घटना कैद हो गई। तस्वीरों में साफ है कि महिला पार्षद के घर पहुंची, फिर दोनों के बीच किसी मामले को लेकर बहस हो रही थी। इसी बीच अचानक आग दिखने लगी। पार्षद सुमन जलते भागी तो आसपास खड़े लोग आग बुझाने में जुट गए। वहीं जब तक महिला को बचाया वह बुरी तरह जल चुकी थी। मौके पर मौजूद लोग और पुलिस पेट्रोल से आग लगने की आशंका जता रहे हैं, लेकिन पेट्रोल कहां से आया और आग कैसे लगी, इसे लेकर कोई पुष्टि नहीं हो सकी है। पार्षद पति घटना के समय घर में सो रहे थे।

#### पार्षद पति बोले- आग कैसे लगी जानकारी नहीं

घटना के समय पार्षद सुमन बाथम के पति राजू बाथम घर में सो रहे थे। वहीं, महिला और पार्षद पति राजू के बीच पिछले 15 सालों से दोस्ती है। राजू ने ऑटो दिलाने और एक बेटी की शादी में मदद की थी। महिला का अपने पति के साथ मंगलवार शाम विवाद हुआ था। इसके बाद वह बुधवार सुबह पार्षद से झगड़ने पहुंच गई। फिजिकल थाना पुलिस के मुताबिक घटना में गंभीर रूप से झुलसी रानी नामदेव अभी बयान देने की हालत में नहीं हैं। उसका परिवार भी ग्वालियर में उसके साथ है। रानी के बयान के बाद ही घटना की असली वजह सामने आएगी।

**'हंगर फ्री वर्ल्ड' पहल के तहत वंचितों को बांटे 2.5 करोड़ भोजन**

# मलाबार समूह ने अपनी सीएसआर पहलों के लिए आवंटित किए 150 करोड़ रुपए

**दिल्ली।** भारत के अग्रणी व्यापारिक समूह एवं मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स की मूल कंपनी मलाबार समूह ने 2025-26 में अपनी सीएसआर पहलों को आगे बढ़ाने के लिए 150 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। ये पहल स्वास्थ्य, शिक्षा, भूख एवं गरीबी उन्मूलन, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण और वंचितों के लिए आवास पर केंद्रित है। समूह ने अपनी प्रमुख सीएसआर पहल 'हंगर फ्री वर्ल्ड' के तहत भारत और जाम्बिया में वंचितों को प्रतिदिन 70 हजार भोजन वितरित करने की प्रतिबद्धता जताई है। इस तरह 2025-26 में में कुल 2.50 करोड़ भोजन बांटे जाएंगे। यह पिछले 3 सालों में बांटे गए 2.5 करोड़ भोजन की अब तक की पूरी उपलब्धि से एक बड़ी छलांग है। यह खाद्य सुरक्षा के लिए समूह की ठोस प्रतिबद्धता के बारे में भी बताता है। यह पहल संयुक्त राष्ट्र के सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल 2- जीरो हंगर के अनुरूप है। नीति आयोग के पूर्व सीईओ एवं जी-20 शेरपा डॉ. अमिताभ कांत ने नई दिल्ली के जनपथ स्थित डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में 28 मई बुधवार को आयोजित एक कार्यक्रम में समूह के सीएसआर कार्यक्रमों के अगले चरण का शुभारंभ किया। 28 मई को ही वर्ल्ड हंगर डे मनाया जाता है। इस कार्यक्रम में मलाबार समूह के चेयरमैन एमपीअहमद, मलाबार समूह के वाइस चेयरमैन केपी अब्दुल सलाम और मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के भारतीय परिचालन के मैनेजिंग डायरेक्टर ओ. अशर शामिल थे।

**महिलाओं के लिए मुफ्त आवास और आश्रय स्थल**

समूह ने 'ग्रैंडमा होम्स' नामक एक पहल भी शुरू की है, जिसके तहत बेसहारा महिलाओं के लिए मुफ्त आवास और देखभाल प्रदान करने के लिए आश्रय स्थल बनाए हैं। अभी बेंगलुरु, केरल और हैदराबाद में इनका संचालन हो रहा है। इस पहल का चेन्नई, कोलकाता, दिल्ली और मुंबई में विस्तार करने की योजना है.

### हर रोज 70 हजार भोजन के पैकेट बांट रहे

मलाबार समूह के चेयरमैन एमपी अहमद ने इस पहल के बारे में कहा, 'मलाबार समूह में सीएसआर हमारी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है और हम समाज को वापस देने में विश्वास करते हैं। हम 28 मई को अपने वार्षिक सीएसआर दिवस के रूप में समर्पित करते हैं। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार, वैश्विक स्तर पर 29.5 करोड़ लोग 'अक्यूट हंगर' से जूझ रहे हैं, इसलिए तत्काल कदम उठाना जरूरी है। हंगर फ्री वर्ल्ड परियोजना के तहत अभी भारत और जाम्बिया में हर रोज 70 हजार भोजन के पैकेट बांटे जाते हैं। भारत में 20 राज्यों में फैले 167 केंद्रों के माध्यम से हर रोज 60 हजार से अधिक भोजन बांटे जाते हैं, जो पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं।

जाम्बिया में समूह जाम्बिया सरकार के साथ सहयोग करके तीन स्कूलों में 10 हजार छात्रों को प्रतिदिन भोजन प्रदान करता है। हंगर फ्री वर्ल्ड परियोजना आधुनिक सुविधाओं से लैस अत्याधुनिक रसोईघरों से संचालित होती है, जहां प्रशिक्षित रसोइया और स्वच्छता के प्रति जागरूक कर्मचारी काम करते हैं। मलाबार समूह ने अपनी शैक्षिक और सामाजिक कल्याण पहल के तहत भारत भर में 716 माइक्रो-लर्निंग केंद्र स्थापित किए हैं, जो बेसहारा बच्चों को प्राथमिक शिक्षा और पोषण प्रदान करते हैं. इनमें 32 हजार से अधिक बच्चों का नामांकन हुआ है, जिनमें से 9 हजार बच्चों को पहले ही औपचारिक स्कूलों के साथ जोड़ा जा चुका है। यह परियोजना थनल (Thanal) के सहयोग से चल रही है. इसके अलावा, 1.14 लाख लड़कियों को उनकी शिक्षा का समर्थन करने के लिए छात्रवृत्ति प्रदान की है। फीचर

**'उयिरप्पु परियोजना' की शुरू**

मलाबार समूह ने 'उयिरप्पु परियोजना' भी शुरू की है, जो पिछले साल वायनाड में आए भूस्खलन से प्रभावित बच्चों को उच्च शिक्षा में मदद करती है। इसके तहत 134 छात्रों को वित्तीय सहायता दी जा रही है. मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स अपनी स्थापना के बाद से ही अपने मुनाफे का 5 फीसदी हिस्सा सामाजिक कल्याण के लिए आवंटित कर रहा है।

**140 चिकित्सा स्टोर बनेंगे**

समूह ने स्वास्थ्य एवं आपदा राहत के क्षेत्र में केरल के 140 स्थानों पर गैर-लाभकारी चिकित्सा स्टोर स्थापित करने की योजना बनाई है, जो रियायती दरों पर दवाएं प्रदान करेंगे। राज्य के 27 स्थानों पर पहले से ही ऐसे स्टोर चल रहे हैं।

# गर्भवती महिलाओं का समय पर पंजीयन न करने वालों पर होगी कार्यवाही : कलेक्टर

## मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर की स्थिति संतोषजनक नहीं, नियंत्रण के प्रभावी उपाय करने के निर्देश

**रीवा।** कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने स्वास्थ्य विभाग के योजनाओं की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर की स्थिति संतोषजनक नहीं है। इन पर नियंत्रण के लिए प्रभावी उपाय करें। जिला स्तर से लेकर ग्राम स्तर तक निर्धारित प्रोटोकॉल का कठोरता से पालन कराते हुए गर्भवती महिलाओं की जाँच और फालोअप करें। गर्भवती महिलाओं के समय पर पंजीयन न करने वाले आशा कार्यकर्ता पर कड़ी कार्यवाही करें। सभी बीएमओ टीकाकरण केन्द्र एवं प्रसव केन्द्र में व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। विभागीय पोर्टल में महिलाओं के पंजीयन, टीकाकरण तथा अन्य जानकारियाँ बीएमओ सात दिवस में दर्ज कराएं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी हर माह की 9 और 25 तारीख को लगाए जाने वाले शिविरों में अनुपस्थित डॉक्टरों के विरुद्ध कार्यवाही करें। कलेक्टर ने बीएमओ गंगेव के विरुद्ध कार्यवाही करने तथा ग्राम धर्मपुरा की आशा कार्यकर्ता की सेवा समाप्त करने एवं एएनएम को निलंबित करने के निर्देश दिए।

### प्रत्येक प्रकरण के कारण सहित रिपोर्ट दें

कलेक्टर ने कहा कि सीएमएचओ वर्ष 2024-25 में अब तक हुई 52 गर्भवती और प्रसूता महिलाओं की मौत में प्रत्येक प्रकरण के कारण सहित रिपोर्ट दें, जिनमें मृत्यु के कारण का स्पष्ट उल्लेख करते हुए उत्तरदायी के विरुद्ध कार्यवाही प्रस्तावित करें। जिन स्थानों में गर्भवती महिलाओं की जाँच की जाती है वहाँ डिजिटल थर्मामीटर, डिजिटल ग्लूकोमीटर, पल्स ऑक्सीमीटर, बीपी इन्स्ट्रूमेंट तथा अन्य आवश्यक उपकरण तत्काल उपलब्ध कराएं। हर माह 9 और 25 तारीख को गर्भवती महिलाओं की निःशुल्क जाँच की कारगर व्यवस्था करें। बीपीएम और बीपीओ के कार्यों की समीक्षा करके रिपोर्ट प्रस्तुत करें। इसी के आधार पर उनके अनुबंध का नवीनीकरण किया जाएगा। शिशुओं और गर्भवती महिलाओं का संपूर्ण टीकाकरण 92 प्रतिशत है, लेकिन तीन विकासखण्डों में प्रगति ठीक नहीं है। अतिरिक्त दल तैनात कर शत-प्रतिशत टीकाकरण कराएं। बैठक में कलेक्टर ने पोषण पुनर्वास केन्द्र में कुपोषित बच्चों की भर्ती, एसएनसीयू के भर्ती बच्चों के फालोअप तथा चाइल्ड डेथ रिपोर्ट के संबंध में निर्देश दिए।

### लापरवाही बरतने वाली एएनएम का वेतन रोका

बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला ने बताया कि लक्षित गर्भवती में से 87 प्रतिशत का समय पर पंजीयन करके उनकी नियमित जाँच की गई है। हाई रिस्क महिलाओं के लिए जिला अस्पताल सहित पाँच अस्पतालों में वेटिंग रूम की व्यवस्था की गई है जहाँ प्रसव से एक सप्ताह पूर्व महिलाएं भर्ती हो सकती हैं। उप स्वास्थ्य केन्द्रों तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में आवश्यक दवायें तथा उपकरण तत्काल उपलब्ध कराए जा रहे हैं। शिशुओं के टीकाकरण के लिए निर्धारित 40829 सत्रों में से 38583 सत्रों का आयोजन करके 92 प्रतिशत टीकाकरण किया गया है। टीकाकरण में लापरवाही बरतने वाली एएनएम का वेतन रोका गया है। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने विभागीय योजनाओं की प्रगति की जानकारी दी। बैठक में सिविल सर्जन डॉ प्रतिभा मिश्रा, टीकाकरण अधिकारी डॉ बीके अग्निहोत्री, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास प्रतिभा पाण्डेय, डीपीएम राघवेन्द्र मिश्रा, जिला क्षय अधिकारी डॉ अनुराग शर्मा, डॉ सुनील अवस्थी तथा सभी बीएमओ, बीपीओ उपस्थित रहे।

# महिलाएँ स्वस्थ होंगी तो समाज और देश सशक्त बनेगा

## अंतर्राष्ट्रीय महिला स्वास्थ्य दिवस पर टीआरएस में संवाद कार्यक्रम

**रीवा।** शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय के समाज कार्य विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला स्वास्थ्य दिवस के विशेष अवसर पर स्वस्थ नारी, सशक्त समाज विषय पर संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अर्पिता अवस्थी के निर्देशन व समाज कार्य विभागाध्यक्ष डॉ. अखिलेश शुक्ल के संयोजन तथा आईक्यूएसी. एवं चेतना फ्लैगशिप योजना के संयुक्त तत्वावधान में सम्पन्न हुआ। प्राचार्य डॉ. अर्पिता अवस्थी ने अपने उद्घाटन उद्बोधन में कहा कि, किसी भी राष्ट्र की प्रगति का आधार उसकी महिलाएँ होती हैं, और यदि वे स्वस्थ होंगी तो पूरा समाज, पूरा देश सशक्त बनेगा। महिला स्वास्थ्य पर संवाद, जागरुकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्य की मुख्य वक्ता डॉ. रचना श्रीवास्तव प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग जीडीसी रहीं। अपने सारगर्भित वक्तव्य में उन्होंने महिला स्वास्थ्य से जुड़े सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा महिला स्वास्थ्य को केवल शारीरिक दृष्टिकोण से देखना पर्याप्त नहीं। मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक स्वास्थ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है। ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी मासिक धर्म, प्रसव पूर्व देखभाल, पोषण एवं मानसिक स्वास्थ्य को लेकर अनेक भ्रांतियाँ एवं उपेक्षाएँ हैं। इन्हें दूर करने के लिए शिक्षा और संवाद ही सबसे प्रभावशाली साधन हैं। विद्यार्थियों ने भी महिला स्वास्थ्य विषय पर अपने विचार एवं अनुभव साझा किए। डॉ. अखिलेश शुक्ल ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि समाज कार्य विभाग सदैव जमीनी मुद्दों पर जन-जागरुकता हेतु संवाद एवं सहभागिता आधारित गतिविधियों को प्राथमिकता देता है। कार्यक्रम का डॉ. प्रियंका तिवारी द्वारा किया गया। आयोजित संवाद ने महिला स्वास्थ्य के प्रति छात्र-छात्राओं को न केवल संवेदनशील बनाया, बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में योगदान देने की प्रेरणा भी दी। समाज में परिवर्तन तभी आएगा जब स्वास्थ्य शिक्षा को केवल चिकित्सा के क्षेत्र तक सीमित न रखते हुए इसे सामाजिक विमर्श का हिस्सा बनाया जाए।

# रतहरा नहर से लगी शहर की भूमि पर किया जाएगा पौधारोपण

## निगमायुक्त ने जल संसाधन विभाग के इंजीनियरों के साथ किया निरीक्षण

## नहर से लगी सरकारी भूमि का सीमांकन जल्द से जल्द कराने के निर्देश

**जागरण, रीवा।** शहरी क्षेत्र में रतहरा नहर से लगी सरकारी भूमि पर पौधारोपण कर हरित क्षेत्र को बढ़ावा दिया जाएगा। उक्त सरकारी जमीन पर भू-माफिया की नजर लगी हुई है। इसका संरक्षण नहीं किया गया तो यह भूमि भी भू-माफिया की भेंट चढ़ जाएगी। उक्त जमीन के संरक्षण के लिए निगमायुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे ने बुधवार को जल संसाधन विभाग के अधिकारियों एवं नगर निगम के इंजीनियरों के साथ संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने नहर से लगी भूमि का सीमांकन जल्द से जल्द कराने के निर्देश दिए, ताकि उक्त भूमि सुरक्षित रहे। इसके अलावा इस जमीन पर भविष्य में किसी प्रकार का अतिक्रमण न हो। निगमायुक्त डॉ. सोनवणे ने उक्त भूमि के विकास की दृष्टि से कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने लेआउट तैयार कराकर पैच बनाते हुए साल दर साल की योजना बनाने के लिए निर्देशित किया। इस अवसर पर जल संसाधन विभाग के अधीक्षण यंत्री मनोज कुमार तिवारी, एसडीओ आर.पी. सिंह, उपयंत्री एन.एस. चौहान, अश्वनी पटेल, मेघा श्रीवास्तव सहित नगर निगम के सहायक यंत्री अभिनव चतुर्वेदी, विक्रम सिंह तिवारी एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

# नरवाई जलाने के विवाद में दो पक्षों में मारपीट

## सेमरिया थाना क्षेत्र के गौरा गांव की घटना

**जागरण, रीवा।** खेत में नरवाई जलाने के विवाद में दो पक्षों के बीच हुए विवाद में दूसरे पक्ष के लोगों ने एक पक्ष के लोगों पर जानलेवा हमला कर दिया। बताया गया कि नरवाई जलाने से आग की लपटें आम के बगीचे तक पहुंची जिसके बाद विवाद शुरू हो गया। मारपीट की घटना में गंभीर हालत में घायल युवक को उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना सेमरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गौरा की है। घटना के संबंध में घायल शिवकुमार द्विवेदी की मां किशोरी देवी ने जानकारी देते हुए बताया कि पड़ोसियों द्वारा खेत की नरवाई जलाई जा रही थी। इस दौरान नरवाई की आग की लपटें उनके आम के बगीचे तक जा पहुंची जिससे उनके करीब आधा दर्जन पेड़ों को नुकसान हुआ है। उनके पुत्र शिवकुमार ने जब इसका विरोध किया तो आरोपियों ने गाली गलौज करते हुए अकेला पाकर लाठी-डंडे व रॉड से हमला बोल दिया। मारपीट की घटना में शिवकुमार को गंभीर चोट पहुंची जिसके बाद परिजनों ने घटना की शिकायत सेमरिया पुलिस से की है, वहीं घायल को उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल लाया गया है, जहां चिकित्सकों द्वारा उसका उपचार किया जा रहा है।

# अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में विचार संगोष्ठी 29 को

**रीवा।** लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की जन्म जयंती के अवसर पर 29 मई को अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय के पं. शम्भूनाथ शुक्ला सभागार में विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया है जिसके मुख्य अतिथि प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला होंगे। संगोष्ठी की अध्यक्षता कुलगुरु राजेन्द्र कुड़ारिया अ.प्र.सिंह वि.वि. करेंगे। विशिष्ट अतिथि व संगोष्ठी कार्यक्रम का मार्गदर्शन भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता के निर्देशन में आयोजित होगा। विशिष्ट अतिथि के तौर पर नीता कोल अध्यक्ष जिला पंचातय रीवा व प्रो. सुरेन्द सिंह परिहार कुलसचिव, अ.प्र.सिंह वि.वि भी मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम संयोजक संजय द्विवेदी व कार्यक्रम प्रभारी डॉ. के के त्रिपाठी, कार्यक्रम सह संयोजक राजेश सिंह ने गणमान्य जनों से विचार संगोष्ठी में शामिल होने की अपील की है।

# रानी तालाब बंसल बस्ती में निगमायुक्त ने भ्रमण कर किया जनसंवाद

## जिन्हें पीएम आवास मिल चुका है, वे नवनिर्मित पक्के मकानों में जायें परम्परागत बांस व्यवसाय के लिए लोगों को स्व-सहायता समूहों से जोड़ा जाएगा

**जागरण, रीवा।** शहर में रानी तालाब के समीप स्थित बंसल बस्ती का निरीक्षण कर निगमायुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे ने बुधवार को वहां की अवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने बस्ती में निवासरत लोगों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने बस्ती में ऐसे हितग्राहियों की जानकारी ली, जिन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास स्वीकृत हो चुके हैं। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन परिवारों को आवास मिल चुके हैं, वे पुराने कच्चे मकानों को हटाकर नव-निर्मित पक्के मकानों में स्थानांतरित हों। इसके अलावा जिन पात्र लाभार्थियों को अब तक पीएम आवास नहीं मिला है, उन्हें बीएलसी एवं ईडब्ल्यूएस श्रेणी के अंतर्गत आवास उपलब्ध कराने की बात कही। डॉ. सोनवणे ने कहा कि बस्ती की मूलभूत आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उसका सुनियोजित पुनर्वास किया जाएगा, जिससे निवासियों को एक सुरक्षित और गरिमामय जीवन मिल सके। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि किसी भी प्रकार की भ्रामक जानकारी या अफवाहों से बचें। निगम एवं शासन का उद्देश्य केवल नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इसी दृष्टिकोण से केवल जर्जर और खतरनाक कच्ची झुग्गियों को हटाने की कार्रवाई की जाएगी। आयुक्त ने बस्ती में बनी कच्ची नाली के शीघ्र निर्माण हेतु इस्टीमेट तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने यहाँ से गुजरने वाले बड़े नाले का निर्माण भी शीघ्र प्रारंभ करने की बात कही गई। उन्होंने बस्ती में पेयजल की स्थिति सुधारने और स्वच्छता बनाए रखने हेतु अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए। बस्ती की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए निगमायुक्त ने वहां के परंपरागत जीविकोपार्जन जैसे बांस से बनी टोकरी, सूप, छिटकी आदि शिल्पों को बढ़ावा देने की बात कही। उन्होंने कहा कि इन कार्यों में लगे लोगों को स्व-सहायता समूहों से जोड़ा जाएगा, ताकि उन्हें संगठित रूप से प्रशिक्षण, विपणन और ऋण की सुविधा मिल सके। इसके साथ ही स्थानीय स्तर पर अच्छी गुणवत्ता के बांस की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए बांस की खेती शुरू कर वित्तीय स्थिति मजबूत करने की योजना पर भी कार्य किया जाएगा।

# रानी अहिल्याबाई की न्यायप्रियता और लोकसेवा की भावना प्रेरणा का स्त्रोत है : राज्यमंत्री

## हनुमना में स्वसहायता समूह सम्मेलन में मनाई गई अहिल्याबाई की जयंती

**मऊगंज।** रानी अहिल्याबाई की 300वीं जयंती के कार्यक्रम प्रदेश भर में आयोजित किए जा रहे हैं। इस क्रम में मऊगंज जिले के हनुमना में जनपद पंचायत परिसर में आयोजित महिला स्वसहायता समूह सम्मेलन में रानी अहिल्याबाई की 300वीं जयंती मनाई गई। समारोह की मुख्य अतिथि नगरीय विकास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने कहा कि रानी अहिल्याबाई की न्यायप्रियता और लोकसेवा की भावना हम सबके लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। उनकी अद्वितीय प्रशासनिक क्षमता ने जनकल्याण के नए प्रतिमान गढ़े। रानी अहिल्याबाई भगवान शिव की परमभक्त होने के साथ-साथ कुशल शासिका और रणनीतिकार के रूप में अपनी छाप छोड़ी। उनके 30 वर्ष के शासनकाल में एक भी युद्ध नहीं हुआ और पूरा शासनकाल सुशासन और जनकल्याण के प्रतीक के रूप में याद किया जाता है। रानी अहिल्याबाई ने देश भर के प्रमुख धार्मिक स्थानों में तीर्थयात्रियों के लिए धर्मशालाओं का निर्माण और बनारस के बाबा काशी विश्वनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण कराया। उन्होंने 250 से अधिक मंदिरों का निर्माण कराया। वह स्वयं दरबार में बैठकर प्रजा की समस्याएं सुनकर तत्काल न्याय करती थीं। उनका जीवन महिला सशक्तीकरण और सुशासन का अनुपम उदाहरण है।

सम्मेलन में राज्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने महिलाओं के कल्याण और सशक्तीकरण के अनेक प्रयास किए हैं। हनुमना में 1200 से अधिक महिला स्वसहायता समूह विभिन्न आर्थिक गतिविधियों से स्वाबलंबी बने हैं। इनसे जुड़ी महिलाओं का जीवन बेहतर हो रहा है। सरकार महिला स्वसहायता समूहों को मध्यान्ह भोजन निर्माण, गेंहू और धान के उपार्जन, उचित मूल्य दुकानों का संचालन सहित अनेक आर्थिक विकास के अवसर दे रही है। महिला सशक्तिकरण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सम्मेलन में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत ने महिला स्वसहायता समूहों की गतिविधियों की जानकारी दी। सम्मेलन में वरिष्ठ समाजसेवी डॉ राजेन्द्र मिश्रा, सुश्री सरिता सिंह, सुनील शुक्ला, एसडीएम हनुमना रश्मि चतुर्वेदी तथा बड़ी संख्या में महिलाएं एवं आमजन उपस्थित रहे।

# मऊगंज में जिला खनिज मद संबंधी बैठक 3 जून को

**मऊगंज।** मऊगंज के कलेक्ट्रेट सभागार में 3 जून का सुबह 10.45 बजे से जिला खनिज मद न्यास समिति की बैठक आयोजित की जा रही है। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर मऊगंज संजय जैन करेंगे। इस संबंध में समिति के तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर ने बताया कि बैठक में खनिज प्रतिष्ठान मद से प्रस्तावित कार्यों तथा वार्षिक कार्ययोजना पर विचार किया जाएगा। समिति के सभी सदस्यों और संबंधित अधिकारियों से बैठक में उपस्थित रहने का अनुरोध किया गया है।

# युवक पर जानलेवा हमले का आरोपी पकड़ाया

## अमहिया पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर पहुंचाया जेल

जागरण, रीवा। युवक पर लोहे की रॉड और बेल्ट से जानलेवा हमला करने वाले आरोपी को अमहिया पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से आरोपी को जेल भेजा गया है। पकड़ा गया आरोपी को पूर्व में सगरा पुलिस एनडीपीएस एक्ट मामले में गिरफ्तार कर जेल पहुंचाया था। घटना के संबंध में अमहिया थाना प्रभारी शिवा अग्रवाल ने बताया कि आरोपी प्रमोद कोल पिता झल्लू कोल निवासी ग्राम बगदरा थाना सगरा के खिलाफ कार्रवाई की गई है। आरोपी ने मंगलवार की शाम करीब 7 .15 बजे लोटस टॉवर के सामने मेन रोड के किनारे दीपक पाण्डेय पुत्र हरिचरण पाण्डेय 28 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 11 सिरमौर के साथ लोहे की रॉड और बेल्ट से मारपीट की और बेहोशी की हालत में छोड़कर फरार हो गया। घटना की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 296(2),109(1),115(2),351(2), 3(5) बीएनएस के तहत मामला कायम कर आरोपी की तलाश शुरू की, जिसके बाद आरोपी पकड़ा गया।

# श्रीमद् भागवत कथा का हुआ समापन,ब्राह्मण भोज आज

**नौबस्ता।** कौवाढान में गत 22 मई से आयोजित श्रीमद् भागवत कथा का समापन बुधवार को रुक्मणी विवाह, सुदामा चरित्र व परीक्षित मोक्ष की कथाओं के साथ हवन व पूर्णाहुति कर किया गया। गुरुवार को कथा स्थल पर ब्राह्मण भोज का आयोजन किया गया है। श्रीमद् भागवत कथा गुरुदेव अशोक कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन में पूर्व प्राचार्य आचार्य प्रेमलाल पाण्डेय के मुखारविंद से अमृतमयी कथा का श्रवण कराया गया। प्रथम दिवस कलश यात्रा के साथ ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ हुआ। जिसमें देव पूजन, ध्रुव चरित्र, पुरंजन प्रसंग की कथा प्रहलाद चरित्र, समुद्र मंथन, श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के साथ भगवन की बाल लीलाओं का श्रवण कराकर आचार्य श्री ने उपस्थितजनों को भक्ति रस से भाव विभोर कर दिया। आयोजन में जजमान रामकली त्रिपाठी व भगवान दीन त्रिपाठी के साथ ही एड. विनोद त्रिपाठी, ज्ञानेन्द्र त्रिपाठी, मनोज त्रिपाठी, पिन्टू त्रिपाठी, बृजकिशोर त्रिपाठी, विजय मिश्रा, विपिन त्रिपाठी, राहुल त्रिपाठी सहित त्रिपाठी परिवार का सहयोग रहा।

# संत और ऋषि करते हैं सही मार्गदर्शन : उप मुख्यमंत्री

## ओरछा में श्रीमद्भागवत कथा में हुए शामिल

**रीवा।** उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि भारत संतों, ऋषियों और मनीषियों की भूमि है। संत और ऋषि हमें जीवन जीने का सही रास्ता दिखवाते हैं। उन्होंने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि मुझे श्रीमद्जगतगुरु राजेन्द्र दास जी महाराज श्री धाम वृन्दावन के दर्शन प्राप्त हुए हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल निवाड़ी जिले के प्रवास के दौरान कनक भवन मंदिर, भक्तमाली आश्रम ओरछा में श्रीमद्भागवत कथा में शामिल हुए। उन्होंने कथावाचक श्रीमद्जगतगुरू राजेन्द्र दास जी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने उपस्थित जनों से गौसेवा और गौपूजन के महत्व पर विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि गौ पूजन भारतीय धर्म, संस्कृति और जीवनदृष्टि का मूल आधार है। यह केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि समस्त प्राणीमात्र के प्रति करुणा, सहअस्तित्व और प्रकृति-मैत्री के भाव का प्रतीक है। विधायक निवाड़ी अनिल जैन सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

# बैल के हमले से वृद्ध घायल, पूर्व में एक वृद्ध की गई थी जान

**जागरण, रीवा।** शहर में आवारा मवेशियों की धमाचौकड़ी लोगों के जीवन पर भारी पड़ रही है। करीब तीन माह पूर्व एक वृद्ध को वार्ड क्रमांक चार पड़रा नई बस्ती में बैल ने मारा था, जिसके बाद घायल वृद्ध का काफी दिनों तक उपचार चला और फिर जान चली गई। अब इसी तरह का एक मामला विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र के निराला नगर में सामने आया है। 80 वर्षीय वृद्ध के ऊपर एक बैल ने हमला कर दिया, जिससे वृद्ध के पेट में सींग घुस गई। घटना के बाद वृद्ध को गंभीर अवस्था में उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। घटना के संबंध में आशीष सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि निराला नगर निवासी रामसुंदर मिश्र उम्र 80 वर्ष सुबह तकरीबन 6.30 बजे अपने घर के पास टहल रहे थे। इसी दौरान सड़क पर घूम रहे बैल ने उन पर हमला कर दिया। आशीष ने बताया कि बैल ने खूंखार तरीके से हमला करते हुए अपनी सींग वृद्ध का पेट में घुसा दी जिससे वो लहूलुहान हो गए। स्थानीय लोगों ने जब वृद्ध के ऊपर बैल को हमला करते हुए देखा तो तत्काल मौके पर पहुंचे और बैल को खदेड़ दिया। इस दौरान वृद्ध को गंभीर अवस्था में उपचार के लिए अस्पताल में दाखिल कराया गया है जहां उनका उपचार जारी है।

# शिवानी पाठक को मिला प्रमाण-पत्र

**रीवा।** हाई स्कूल बोर्ड परीक्षा में राज्यस्तरीय टॉप 10 बच्चों के क्रम में रीवा शहर की शिवानी पाठक जो चिल्ड्रेन एकेडेमी हायर सेकण्ड्री स्कूल अनन्तपुर की छात्रा हैं, शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि शिवानी प्रदेश की प्रतिभावान छात्राओं में अपना नाम दर्ज कराया है। उनकी इस उपलब्धि पर विद्यालय प्राचार्य पायल सिंह ने छात्रा को ससम्मान प्रमाण पत्र प्रदान किया।

# स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में चल रहीं हैं खेल प्रतियोगिताएं

**जागरण,रीवा।** म.प्र. शासन के निर्देशानुसार खेल और युवा कल्याण विभाग के तात्वाधान में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 31 मई तक शहरी क्षेत्रों के विभिन्न खेल मैदान पर 15 खेलों में प्रशिक्षण देने हेतु कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह के मार्गदर्शन में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें ग्रामीण एवं शहरी युवाओं में खेलों के प्रति जागरुकता, खेल को सर्व सुलभ बनाने, प्रतिभावान खिलाड़ियों की पहचान व आधुनिक तकनीकी पद्धति से खेलों में आगे आने का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से शहरी क्षेत्र में कबड्डी, वालीबॉल, फुटबॉल, बास्केटबॉल, क्रिकेट, हॉकी, खो-खो, हैंडबॉल, एथलेटिक्स, कुश्ती, बैडमिन्टन, बॉक्सिंग, कराते, ताईक्वाण्डो, टेबल-टेनिस, तीरंदाजी, क्रिकेट, मार्शल आर्ट एवं शतरंज का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में समर कैंप खेल स्पधाएं आयोजित की जा रही है।

# किंग्स और रॉयल के बीच फाइनल के लिए जंग

## आईपीएल क्वालिफायर-1 आज शाम 7:30 बजे से

जेएनएन, मुलांपुर (चंडीगढ़)

आईपीएल 2025 का पहला क्वालिफायर पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच गुरुवार को मुल्लांपुर में खेला जाएगा। पंजाब और आरसीबी को अपने पहले आईपीएल खिताब का इंतजार है। 2014 के बाद यह पहली बार है, जब पंजाब ने प्लेऑफ में प्रवेश किया है, 2014 में खिताबी मुकाबले में उन्हें कोलकाता नाइट राइडर्स के हाथों हार मिली थी। दोनों टीम इस पहली सीढ़ी से ही फाइनल में जगह बनाने की कोशिश करेंगी। इस मैच में हारने वाली टीम दूसरे क्वालिफायर में गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस के बीच होने वाले एलिमिनेटर के विजेता से भिड़ेगी। इस मुकाबले के साथ ही श्रेयस अय्यर की प्रेरक नेतृत्व क्षमता की अब तक की सबसे कठिन परीक्षा होगी। दूसरी ओर आरसीबी को नॉकआउट चरण में कई बार हार का सामना करना पड़ा तथा इस बार वह खिताब के सूखे को खत्म करने की उम्मीद कर रही है।

## पिच और परिस्थितियां

इस सीजन मुल्लांपुर में कुल चार मुकाबले खेले गए और पहले दो मुकाबलों में तीन बार 200 से अधिक स्कोर बने। जबकि अंतिम दो मैचों में - 95 और 117 ऑलआउट के अलावा 20 ओवर में 157 पर छह का स्कोर बना। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि पहले क्वालिफायर में मुल्लांपुर में कैसी पिच पर मुकाबला खेला जाता है। गुरुवार को मुल्लांपुर में तापमान अधिकतम 30 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है और बारिश होने का कोई पूर्वानुमान नहीं है।

## विराट-सॉल्ट बनाम अर्शदीप

इस सीजन में विराट कोहली और फिल सॉल्ट की जोड़ी ने आरसीबी के लिए 11 पारियों में छह अर्धशतकीय साझेदारियों की बदौलत साथ में कुल 517 रन बनाए हैं। इस दौरान दोनों बल्लेबाजों ने साथ में 176 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। हालांकि अर्शदीप इस आक्रामक जोड़ी पर लगाम लगा सकते हैं। इस सीजन 18 विकेट ले चुके अर्शदीप ने सॉल्ट को टी-20 की आठ पारियों में चार बार आउट किया है, इस दौरान सॉल्ट अर्शदीप के खिलाफ 78 के स्ट्राइक रेट से महज 25 रन ही बना पाए हैं। हालांकि अर्शदीप के खिलाफ कोहली के आंकड़े बेहतर हैं, उन्होंने अर्शदीप की गेंदों पर 182 स्ट्राइक रेट से 93 रन बनाए हैं। हालांकि कोहली को अर्शदीप ने दो बार शिकार बनाया है। बाएं हाथ के स्पिनर हरप्रीत बराड़ भी कोहली के लिए मुश्किल खड़ी कर सकते हैं, वह सात पारियों में दो बार कोहली का शिकार कर चुके हैं और इस दौरान कोहली ने उनके खिलाफ 110 के स्ट्राइक रेट से 74 रन बनाए हैं।

■ 2023 से दोनों टीमों के बीच खेले गए कुल पांच मुकाबलों में चार में आरसीबी को जीत हासिल हुई है।

■ इस सीजन दोनों टीमों का दो बार आमना-सामना हुआ और दोनों टीमों को एक दूसरे के खिलाफ एक मैच में जीत और एक में हार का सामना करना पड़ा।

### हेड टू हेड

| | |
|---|---|
| कुल मैच | 35 |
| पंजाब जीता | 18 |
| आरसीबी जीती | 17 |

## प्रभसिमरन और श्रेयस को रहना होगा भुवनेश्वर से सावधान

भुवनेश्वर इस सीजन आरसीबी के लिए तीसरे सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। भुवनेश्वर पंजाब की बल्लेबाजी के मजबूत स्तंभ प्रभसिमरन और कप्तान श्रेयस के लिए खतरा बन सकते हैं। भुवनेश्वर ने आईपीएल की सात पारियों में तीन बार प्रभसिमरन को शिकार बनाया है, हालांकि प्रभसिमरन ने इस दौरान उनके खिलाफ 169 के स्ट्राइक रेट से 59 रन बनाए हैं। भुवनेश्वर ने आईपीएल की 11 पारियों में तीन बार श्रेयस को आउट किया है। श्रेयस उनके खिलाफ 90 के स्ट्राइक रेट से 45 रन ही बना पाए हैं। हेजलवुड अगर खेलते हैं, तो वह भी श्रेयस के लिए बड़ा खतरा साबित हो सकते हैं। हेजलवुड ने आईपीएल की पांच पारियों में तीन बार श्रेयस को आउट किया है। इस दौरान श्रेयस उनके खिलाफ 47 के स्ट्राइक रेट से नौ रन ही बना पाए हैं।

### जितेश, अग्रवाल और पाटीदार तीनों को चहल से है खतरा

कलाई की चोट के चलते युजवेंद्र चहल लीग के अंतिम चरण में पंजाब के लिए उपलब्ध नहीं थे। हालांकि मुंबई के खिलाफ मैच के बाद मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने उम्मीद जताई कि चहल जल्द ही उपलब्ध होंगे। अगर चहल अगर खेलते हैं, तो आरसीबी के मध्य क्रम के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं। चहल ने मयंक अग्रवाल को आईपीएल की नौ पारियों में छह बार आउट किया है, जबकि जितेश शर्मा को चहल सात पारियों में तीन बार अपना शिकार बना चुके हैं। चहल ने आरसीबी के नियमित कप्तान रजत पाटीदार को भी चार पारियों में दो बार आउट किया है।

**पंजाब किंग्स :** प्रियांश आर्य, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), जॉश इंग्लिस, श्रेयस अय्यर (कप्तान), नेहल वढेरा, शशांक सिंह, मार्कस स्टॉयनिस, अजमतुल्लाह ओमरजई, काइल जेमिसन, हरप्रीत बराड़, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल।

**रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु :** विराट कोहली, फिल सॉल्ट, मयंक अग्रवाल, रजत पाटीदार (कप्तान), जितेश शर्मा (विकेटकीपर/उपकप्तान), कुणाल पंड्या, टिम डेविड, लियाम लिविंगस्टन, रोमारियो शेफर्ड, भुवनेश्वर कुमार, यश दयाल, जॉश हेजलवुड, सुयश शर्मा।

## पंत पर धीमी ओवर गति के लिए 30 लाख का जुर्माना

**लखनऊ, जेएनएन।** लखनऊ सुपर जाएंट्स के कप्तान रिषभ पंत पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ मंगलवार को खेले गए मैच के दौरान धीमी ओवर गति के लिए 30 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया। इम्पैक्ट प्लेयर सहित अंतिम एकादश में शामिल अन्य खिलाड़ियों पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया। यह धीमी ओवर गति से संबंधित आईपीएल की आचार संहिता के तहत उनकी टीम का सत्र का तीसरा अपराध था, इसलिए पंत पर 30 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया। इम्पैक्ट प्लेयर सहित अंतिम एकादश में शामिल अन्य खिलाड़ियों में से प्रत्येक पर 12 लाख रुपए या उनकी मैच फीस का 50 प्रतिशत (जो भी कम हो) जुर्माना लगाया गया है।

## हॉकी: भारतीय टीम ने अर्जेंटीना को पेनल्टी शूटआउट में हराया

**रोसारियो ( अर्जेंटीना ), जेएनएन।** गोलकीपर और कप्तान निधि ने लगातार चार गोल बचाए, जिससे भारत ने चार देशों के जूनियर महिला हॉकी टूर्नामेंट में मेजबान अर्जेंटीना को मैच 1-1 से बराबर छूटने के बाद पेनल्टी शूटआउट में 2-0 से हराया। कनिका (44वें मिनट) ने निर्धारित समय में भारत के लिए एकमात्र गोल किया, जबकि लालरिनपुई और लालथंतलुआंगी ने शूटआउट में गोल करके टूर्नामेंट के अपने तीसरे मैच में भारत को जीत दिलाई। अर्जेंटीना ने अच्छी शुरुआत की। मिलग्रोस डेल वैले (10वें मिनट) ने घरेलू टीम को पहले क्वार्टर में बढ़त दिलाई, जबकि भारत ने तीसरे क्वार्टर में कनिका के गोल से स्कोर बराबर किया। भारत का अगला मुकाबला शुक्रवार को चिली से होगा।

## नार्वे शतरंज : विश्व चैंपियन गुकेश को हराकर एरिगैसी संयुक्त रूप से शीर्ष पर

**स्टावेंजर ( नॉर्वे ), जेएनएन।** विश्व चैंपियन डी गुकेश का नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा और उन्हें दूसरे दौर में हमवतन अर्जुन एरिगैसी से हार का सामना करना पड़ा। एरिगैसी इस शानदार जीत से संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंच गए हैं। दूसरे दौर के एक अन्य महत्वपूर्ण मुकाबले मे हिकारू नाकामुरा ने आर्मागेडन टाई-ब्रेक में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को हराया। कार्लसन ने पहले दौर में गुकेश को हराया था। छह खिलाड़ियों वाले डबल राउंड-रॉबिन ओपन वर्ग में खिताब के प्रबल दावेदार माने जा रहे गुकेश शुरुआती दो राउंड हारने के बाद अंक तालिका में सबसे नीचे हैं। विश्व के चौथे नंबर के भारतीय खिलाड़ी एरिगैसी 4.5 अंकों के साथ अमेरिकी ग्रैंडमास्टर नाकामुरा के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं।

## एशियाई भारोत्तोलन चैंपियनशिप अगले साल अप्रैल में अहमदाबाद में

**नई दिल्ली, जेएनएन।** भारतीय भारोत्तोलन महासंघ ने बुधवार को पुष्टि की है कि 2026 में एशियाई भारोत्तोलन चैंपियनशिप एक से 10 अप्रैल तक अहमदाबाद में आयोजित की जाएगी। पिछले वर्ष एशियाई भारोत्तोलन महासंघ (एडब्ल्यूएफ) ने अपनी वार्षिक कांग्रेस के दौरान भारत को इसकी मेजबानी का अधिकार सौंपा था। आईडब्ल्यूएलएफ के अध्यक्ष सहदेव यादव ने बताया, एशियाई चैंपियनशिप की तारीखें तय कर दी गई हैं। यह एक से 10 अप्रैल तक आयोजित की जाएगी। यह पहली एशियाई चैंपियनशिप होगी, जिसका आयोजन अंतरराष्ट्रीय भारोत्तोलन महासंघ की संशोधित भार श्रेणियों के अंतर्गत किया जाएगा। पहले इस प्रतियोगिता का आयोजन गांधीनगर में किया जाना था, लेकिन बाद में अहमदाबाद को इसकी मेजबानी सौंपी गई।

महिला सशक्तिकरण पर विशेष

इम्पैक्ट फीचर

## जिले में पेट्रोल पंपों पर 45 शक्ति दीदियाँ संभाल रही हैं फ्यूल डिलेवरी वर्कर का दायित्व

# महिला सशक्तिकरण की अनूठी मिसाल पैदा करेगा महासम्मेलन

■ शक्ति दीदी आत्मनिर्भर बनकर महिलाओं के लिये बनीं उदाहरण

देश की विरासत और विकास के एजेण्डे को लेकर काम कर रही सरकारों ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में कई कदम उठाए है। बात चाहे लाड़ली बहना योजना की करे या फिर लाड़ली लक्ष्मी योजना। लखपति दीदी की बात हो या महिलाओं को उद्यमी बनाने के दिशा में उन्हें तमाम छूट देने के नियम बनाना हो,इन सब में मध्यप्रदेश की डॉ. मोहन यादव सरकार ने अकल्पनीय प्रयास किए,जो धरातल पर दिखने भी लगे है। सरकार की सोच आधी आबादी के सशक्त होने पर ही समाज ,प्रदेश और देश सशक्त होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मंशा के अनुरूप महिलाओं के सशक्तिकरण और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिये ग्वालियर जिले में शक्ति दीदी के नाम से इस पहल की शुरूआत की। कहानी भी काफी रोचक है।

महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में ग्वालियर में एक अनूठी और अद्वितीय पहल हुई है। ग्वालियर कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की परिकल्पना को साकार करते हुए समाज की आर्थिक रूप से कमजोर, विधवा और जरूरतमंद महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर शक्ति दीदी के रूप में तब्दील कर दिया गया। आज ग्वालियर जिले के अनेक पेट्रोल पंपों पर यह शक्ति दीदियाँ फ्यूल डिलेवरी वर्कर की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। कलेक्टर ने इन शक्ति दीदियों को फ्यूल वर्कर के रूप में नौकरी दिलाने की अनूठी पहल का जो सिलसिला शुरू किया, वह अब काफी आगे बढ़ चुका है। अभी तक जिले के विभिन्न पेट्रोल पंपों पर 45 जरूरतमंद महिलायें शक्ति दीदी के रूप में काम करके अपने परिवार का बेहतर ढंग से पालन-पोषण कर रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मंशा के अनुरूप महिलाओं के सशक्तिकरण और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिये ग्वालियर जिले में शक्ति दीदी के नाम से इस पहल की शुरूआत की। कहानी भी काफी रोचक है। दरअसल हर मंगलवार को लोगों की समस्यायें जानने के लिये कलेक्ट्रेट में होने वाली जन-सुनवाई में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के समक्ष अनेक ऐसी जरूरतमंद, विधवा लेकिन ऊर्जा से ओत-प्रोत महिलायें अपने नौकरी के आवेदन लेकर पहुँचती थीं। ऐसी महिलाओं को देखकर कलेक्टर के मन में यह कल्पना आई कि इन्हें पेट्रोल पंपों पर फ्यूल डिलेवरी वर्कर का काम भी सौंपा जा सकता है। उन्होंने ऐसी जरूरतमंद महिलाओं से भी इस बारे में बातचीत में राय चाही तो ज्यादातर महिलाओं ने इस काम के प्रति अपना उत्साह दिखाया। इसके बाद पेट्रोल पंप डीलर्स से भी उन्होंने बात की और अंततः ग्वालियर में शक्ति दीदी के रूप में महिलायें पेट्रोल पंपों पर नजर आना प्रारंभ हो गईं। शक्ति दीदियों को पेट्रोल पंप की कमान सौंपने का श्रीगणेश भी समारोहपूर्वक हुआ। जिले में 2 जनवरी 2025 को पाँच पेट्रोल पंपों पर 7 शक्ति दीदियों को फ्यूल डिलेवरी वर्कर के रूप में कार्यरत किया गया। इसके साथ ही 16 जनवरी को 5 अन्य पेट्रोल पंपों पर 6 शक्ति दीदियों को, 12 फरवरी को 5 पेट्रोल पंपों पर 7 शक्ति दीदियों को, 5 मार्च को जिले के ग्रामीण क्षेत्र में 4 पेट्रोल पंपों पर 7 शक्ति दीदियों को, 2 अप्रैल को शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र के 5 पेट्रोल पंपों पर 7 शक्ति दीदियों को और एक मई को 6 पेट्रोल पंपों पर 11 शक्ति दीदियों को फ्यूल डिलेवरी वर्कर का काम सौंपा गया। पेट्रोल पंपों पर शक्ति दीदियों को फ्यूल डिलेवरी की जिम्मेदारी सौंपते समय कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह ने उपस्थित होकर शक्ति दीदियों को एप्रन पहनाकर उनका मनोबल बढ़ाया। इसके साथ ही उनकी सुरक्षा के लिये समीप स्थित पुलिस थाने को भी निरंतर मॉनीटरिंग करने की जवाबदारी सौंपी। जिले में अब तक 30 पेट्रोल पंपों पर 45 शक्ति दीदियां फ्यूल वर्कर के रूप में अपने दायित्वों का बखूबी निर्वहन कर महिला सशक्तिकरण का सशक्त उदाहरण प्रस्तुत कर रही हैं।

■ महिला सशक्तिकरण की दिशा में सार्थक पहल

### यह सिलसिला थमा नहीं है

महिला सशक्तिकरण के लिये जिले में शक्ति दीदी बनाने का सिलसिला अभी थमा नहीं है। जरूरतमंद एवं आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान निरंतर कार्य कर रही हैं। जिले की ऐसी महिलाओं को महिला एवं बाल विकास विभाग में संपर्क कर अपना आवेदन देने का आग्रह भी किया गया है। प्राप्त आवेदनों पर कलेक्टर स्वयं जरूरतमंद महिलाओं से संवाद स्थापित कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त कराने की दिशा में कार्य कर रही हैं। जिले की शक्ति दीदियाँ न केवल अब सशक्त हुई हैं बल्कि अन्य महिलाओं में भी स्वयं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में उत्साह पैदा कर रही हैं।

### शक्ति दीदियों को दिया गया है सुरक्षा का कवच

जिले में महिला सशक्तिकरण के लिये संचालित शक्ति दीदी परियोजना के तहत कार्यरत महिलाओं को प्रशासन की ओर से सुरक्षा कवच भी दिया गया है। सभी पेट्रोल पंपों पर पुलिस के उड़नदस्ते द्वारा निरंतर भ्रमण कर महिलाओं को सुरक्षा प्रदान की जा रही है। सभी महिलायें प्रातः 9 बजे से शाम 5 बजे तक पेट्रोल पंपों पर फ्यूल डिलेवरी का दायित्व संभाल रही हैं।

## शिप्रा की तट पर बनेंगे घाट,दो शहरों को मिलेगी एयरपोर्ट की सौगात

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी महासम्मेलन के दौरान भोपाल के जम्बूरी मैदान से जहां जल योजना के तहत पवित्र शिप्रा नदी के किनारे 30 किलोमीटर घाटों के लिए भूमिपूजन करेंगे,तो उनके द्वारा दतिया और सतना को एयरपोर्ट की सौगात भी देंगे। सम्मेलन में प्रधानमंत्री जल,थल,और वायु क्षेत्रों में जनहित की योजनाओं का शुभारंभ भी करेंगे। प्रधानमंत्री द्वारा हरी झंडी दिखाने के बाद इंदौर मेट्रो शहर के रूप से पहचाना जाने लगेगा। सम्मेलन से पहले पीएम रोडशो पर निकलेंगे,तो जनता उनका अभिवादन करेगी।

### कार्यक्रम की विशेषताएं

- गौरव की बात है कि इस ऐतिहासिक सम्मेलन में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी महिला शक्ति को संबोधित करेंगे।
- इस सम्मेलन के अवसर प्रदेश के नागरिकों की खुशहाली समृद्धि की अनेकों सौगातें भी मिलेंगी।
- इस अवसर पर जल, स्थल और वायु तीनों क्षेत्रों में जनहित की योजनाएं प्रारंभ करने जा रहे हैं।

**जल योजना में :** शिप्रा के किनारे 30 किलोमीटर घाटों का भूमि पूजन कार्यक्रम, संत समाज होगा शामिल

**स्थल योजना में :** प्रधानमंत्री जी की गरिमामयी उपस्थिति में इंदौर मेट्रो का लोकार्पण होगा, जिसमें अधिक से अधिक महिलाएं शामिल होंगी।

**वायू सेवा के क्षेत्र में :** प्रदेश के दो प्रमुख नगरों में हवाई अड्डों का लोकार्पण होने जा रहा है।

### प्रदर्शनी महिला सशक्तिकरण व महत्वपूर्ण विषयों पर आधारित होगी

- जो हमारी विरासत व संस्कृति, और देवी अहिल्या बाई को समर्पित रहेगी
- महिला सशक्तिकरण पर सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर केन्दित होगी
- इसके साथ ही कौशल विकास भी प्रमुख विषय शामिल होगा।

**रोड शो :** एक और खास बात है कि इस सम्मेलन में पधार रहे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी जनता के बीच में रोड शो भी करेंगे

## नारी सशक्तिकरण की दिशा में सामाजिक न्याय की भागीदारी

मध्यप्रदेश में नारी सशक्तिकरण के क्षेत्र में किये जा रहे प्रयासों में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा ऐसी महिलाएं जो आर्थिक और सामाजिक रूप से कमजोर हैं, उन्हें आर्थिक और सामाजिक संबल प्रदान कर नारी सशक्तिकरण के क्षेत्र में अपनी भागीदारी निभा रहा हैं। विभाग की योजनाओं का मुख्य उद्देश्य नारी को सामाजिक, आर्थिक और मानसिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। विशेष रूप से निर्धन परिवारों की कन्याओं और विधवा महिलाओं को केंद्र में रखकर बनाई गई मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह सहायता योजना और मुख्यमंत्री कल्याणी (विधवा) विवाह सहायता योजना इसके सशक्त उदाहरण हैं। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाली 18 वर्ष या उससे अधिक आयु की कन्याओं के विवाह के लिये 55,000 रूपये की सहायता राशि दी जाती है। इस योजना के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2024-25 में 43,532 कन्याओं को लाभ मिला, जो सामाजिक सुरक्षा एवं नारी गरिमा को बढ़ावा देता है। मुख्यमंत्री कल्याणी विवाह सहायता योजना, विधवा महिलाओं के पुनर्विवाह को सामाजिक स्वीकृति प्रदान करती है। योजना के अंतर्गत 18 वर्ष या अधिक आयु की कल्याणियों को 2 लाख रूपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। वर्ष 2024-25 में 750 महिलाओं को इसका लाभ दिया गया। राज्य सरकार आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के परिवारों की कन्याओं के विवाह के साथ ही विपरीत परिस्थितियों में असमय विधवा हो चुकी महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा कल्याणी पेंशन योजना के माध्यम से 600 रूपये प्रतिमाह पेंशन राशि प्रदान करती है। प्रदेश में 12 लाख से अधिक आयकर दाता रहित कल्याणी महिलाओं को सहायता दी जा रही है। इसके सा ?थ ही 40 वर्ष से कम उम्र की ऐसी महिलाएँ जिनका अपने पति से तलाक हो गया है उन्हें भी सामाजिक सुरक्षा परित्यक्ता पेंशन योजना में 600 रूपये प्रतिमाह पेंशन दी जा रही है। वर्तमान में 37 हजार महिलाएँ लाभांवित हो रही है। इतना ही नहीं राज्य सरकार ऐसे दम्पति जिनके केवल कन्या ही संतान है और वह आयकर दाता नहीं है। ऐसे दंपत्तियों को सामाजिक सुरक्षा कन्या अभिभावक पेंशन योजना के तहत 600 रूपये प्रतिमाह पेंशन प्रदान की जा रही है। प्रदेश में सर्वाधिक 40 वर्ष उम्र की वीपीएल परिवार की 5 लाख 46 हजार महिलाओं को 600 रूपये मासिक पेंशन प्रदान कर संबल प्रदान करने का काम किया जा रहा है। इन योजनाओं के माध्यम से महिलाएं न केवल आर्थिक रूप से मजबूत बन रही हैं, बल्कि समाज में उन्हें एक सम्मानजनक स्थान भी प्राप्त हो रहा है।

D-16021/25

## कलेक्टर की अध्यक्षता में 30 मई को होंगी विभिन्न बैठकें

**रीवा।** कलेक्टर प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में 30 मई को कलेक्ट्रेट में सुबह 11 बजे से शिक्षकों के स्वत्वों के भुगतान के संबंध में विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों की बैठक आहूत की गई है। इसी क्रम में दोपहर 12 बजे वर्षाकाल प्रारंभ होने से पूर्व जिले की सभी सड़कों की मरम्मत के संबंध में बैठक होगी जबकि शाम 4 बजे हिट एण्ड रन प्रकरणों की समीक्षा होगी।

## डाक विभाग में एजेंट चयन की तिथि 30 मई तक

**रीवा।** भारतीय डाक विभाग में डाक जीवन बीमा एवं ग्रामीण डाक जीवन बीमा के व्यवसाय अर्जन के लिए डायरेक्ट सेल्स एजेन्ट के लिए साक्षात्कार आयोजित किये जा रहे हैं। अधीक्षक डाक संभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार साक्षात्कार 30 मई तक लिए जाएंगे। आवेदक सुबह 11.30 बजे अपने समस्त दस्तावेज के साथ कार्यालय अधीक्षक डाकघर सिरमौर चौक रीवा में उपस्थित हो सकते हैं।


Blend of 8 Effective Ayurvedic Oils
Dr. Juneja's डा.ऑर्थो Ayurvedic Oil, Capsules, Spray & Ointment
ज्योतिष्मती तेल — रक्त संचारण में सुधार कर जोड़ों के लचीलेपन को बढ़ाने में सहायक है।
गन्धपुरा तेल — जोड़ों के दर्द, मांसपेशियों में अकड़न और गठिया में सहायक।
निर्गुण्डी तेल — नसों के दर्द और जोड़ों की ऐंठन में फायदेमंद है।
चीड़ तेल — मांसपेशियों व सम्पूर्ण जोड़ों के स्वास्थ्य के लिए लाभदायक।
पुदीना तेल — इसके ठंडक देने वाले गुण दर्द एवं सूजन को शांत करते है।
कपूर तेल — जोड़ों में अकड़न एवं दर्द कम करने में उपयोगी।
तिल तेल — मांसपेशियों और जोड़ों के दर्द एवं सूजन के लिए लाभकारी।
अलसी तेल — जोड़ों और मांसपेशियों में सूजन कम करने में सहायक है।
Knee Pain / Back Pain / Shoulder Pain / Wrist Pain
8 गुणकारी आयुर्वेदिक तेलों से बना डा. ऑर्थो तेल अंदर तक समाकर दर्द को कम करने में सहायता करता है। आयुर्वेदिक तेलों का यह मिश्रण उपयोग करने में सुरक्षित है। इसे खुले जख्मों पर न लगाएं।
मिलते जुलते नामों, विज्ञापन से सावधान
Clinically Tested* *For efficacy and safety.
24x7 Helpline: 7876977777 www.drorthooil.com


## अवैध वसूली के आरोप में आरक्षक निलंबित

**एसपी रीवा ने की कार्रवाई**

**जागरण, रीवा।** यातायात थाना में पदस्थ आरक्षक को अवैध वसूली के आरोप में एसपी ने निलंबित कर दिया है। ऑटो चालक ने मामले की शिकायत पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह से की थी। चालक के मुताबिक सिरमौर चौराहा में उसकी ऑटो आरक्षक पुष्पराज द्विवेदी ने पकड़ा और किनारे ले गया जहां एक हजार रुपए की डिमांड करने लगे, लेकिन उसने पैसे देने से मना कर दिया और शिकायत लेकर एसपी आफिस पहुंच गया। शिकायत के बाद पुलिस अधीक्षक ने तत्काल प्रभाव से आरक्षक नंबर 514, पुष्पराज द्विवेदी को निलंबित कर दिया है। बताया जा रहा है कि आरक्षक की भर्ती अनुकंपा नियुक्ति पर उसके पिता के निधन पर हुई थी।


चर्म, सौन्दर्य, एलर्जी एवं स्कीन केयर
डॉ. सिद्धार्थ तिवारी MBBS, MD (Dermatology & STD)
मिलने का समय प्रतिदिन सुबह 10 से 2 बजे सायं 4 से 7 बजे (रविवार अवकाश)
परामर्श शुल्क मात्र 300/-
चर्म, सौन्दर्य, नाखून, बाल, कुष्ठ, गुप्त (यौन) एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
परामर्श- दाद, खाज, खुजली, मुंहासे, मस्से, अपरस, सोरायसिस, सफेद दाग, एक्जिमा, गंजापन, त्वचा की एलर्जी, नाखूनों का खराब होना, चेहरे पे दाग धब्बे, झाइयाँ, (Glow & Fairness), सेहुंआ, फोड़े, फुन्सी, गुप्त एवं यौन समस्या आदि।
कामता मेडिकल ए-ब्लॉक समदड़िया, न्यू बस स्टैन्ड रीवा (म.प्र.) 9399312433 9981287311


## दो बाइकों के बीच सीधी भिड़ंत, तीन घायल

**जागरण, रीवा।** गुढ थाना क्षेत्र के महसांव रेडियो स्टेशन के समीप बुधवार की दोपहर दो बाइकों के बीच हुई सीधी टक्कर में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना के बाद घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से संजय गांधी अस्पताल लाया गया जहां उनका उपचार जारी है। घटना के संबंध में धर्मेंद्र सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि दोपहर दो बाइकों में सीधी टक्कर गुढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत महसाव रेडियो स्टेशन के सामने हो गई। इस सड़क हादसे में एक बाइक पर दो लोग सवार थे जबकि दूसरी बाइक में एक युवक सवार था। दोनों बाइकों के बीच हुई टक्कर के बाद तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। अचेत अवस्था में तीनों युवकों को उपचार के लिए अस्पताल लाया गया। बताया गया कि घटना में एक बाइक में सवार रामलाल साकेत और गंगा साकेत निवासी ग्राम चौड़ियार थाना गुढ़ घायल हुए हैं, जबकि दूसरे बाइक में सवार युवक की पहचान का प्रयास पुलिस द्वारा किया जा रहा था।

# विवि में अब नहीं गुम होंगी कॉपियां साफ्टवेयर हर पल रखेगा नजर

## छात्रों को कुलगुरु डॉ.कुड़ारिया देने जा रहे बड़ी राहत

### लगातार मिल रहीं शिकायतों के बाद लिया गया बड़ा निर्णय

**जागरण, रीवा**

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय के छात्र अब परीक्षा परिणाम में त्रुटियों के लिए नहीं भटकेंगे, न ही छात्रों को अपनी कॉपी खोजने के लिए आरटीआई लगानी पड़ेगी और न ही कॉपियां गुमेंगी। इसके लिए विवि के कुलगुरु डॉ.राजेन्द्र कुड़ारिया द्वारा बड़ा प्लान तैयार किया गया है। अब विवि में आने वाली कॉपियों पर विवि के अधिकारी-कर्मचारियों सहित तीसरी आंख का पहरा रहेगा। यह काम विवि द्वारा तैयार किया गया साफ्टवेयर करेगा। जिससे इस समस्या से अब छात्रों को राहत मिलेगी। बता दें कि बीते दिनों विवि में कई छात्रों की कॉपियां गुमने का मामला सामने आया था, हालांकि कुलगुरु की सख्ती के बाद यह कॉपियां तीन दिवस के अंदर ही खोज दी गईं लेकिन अब कुलगुरु ने हर वर्ष सामने आने वाली इस समस्या के निराकरण के लिए बड़ा कदम उठाया है। अब विवि में आने वाली सभी कॉपियों की जानकारी विवि द्वारा तैयार किए गए एक साफ्टवेयर में रहेंगी, जो हर एक-एक मिनट की रिपोर्ट विवि को उपलब्ध कराएगा। किसी भी कॉपी को मात्र सेकण्डों के समय में ट्रेस किया जा सकेगा। विवि ने लगभग-लगभग इस साफ्टवेयर को तैयार कर लिया है। जल्द ही इसका ट्रॉयल कर इसे वर्किंग में लिया जाएगा।

### ऐसे काम करेगा साफ्टवेयर

विवि द्वारा जो साफ्टवेयर कुलगुरु डॉ.राजेन्द्र कुड़ारिया के मार्गदर्शन में तैयार किया जा रहा है, इसमें कॉलेजों से जब कॉपियां विवि में भेजी जाएंगी तो कितनी कॉपी किस विषय की भेजी जा रही है, यह जानकारी कॉलेज विवि के साफ्टवेयर में ऑनलाइन फीड करेंगे। वहां से जब कॉपियां विवि पहुंचेगी तो यहां अधिकारी-कर्मचारियों ने किसी कॉलेज की कितनी कॉपी किस विषय की कब रिसीव की है, इसकी पूरी जानकारी उनके द्वारा फीड की जाएगी। जब कॉपियां जांचने के लिए दी जाएंगी तो इसकी जानकारी फीड की जाएगी और जब कॉपी जांचने वाले द्वारा कॉपी जांच ली जाएगी तो वह भी ऑनलाइन इस साफ्टवेयर में यह फीड करेंगे कि कितनी कॉपियां उनके द्वारा जांच ली गईं। इसके लिए आईडी पासवर्ड दिए जाएंगे और अधिकारी-कर्मचारी सहित कॉलेज प्राचार्य भी स्टेट्स देख सकेंगे कि उनके कॉलेज की कॉपियां किस स्थिति में हैं। इस साफ्टवेयर को तैयार किया जा चुका है, जल्द ही विवि इसको लांच करेगा। बता दें कि विवि कुलगुरु डॉ.राजेन्द्र कुड़ारिया द्वारा एक के बाद एक बड़ी सौगात छात्रों को दी जा रही है, जिससे उनकी समस्याएं कम हो रही है और अब तक छात्र समस्याओं के लिए जाना जाने वाला विवि की पहचान बदल गई है। विवि के वह ऐसे कुलगुरु हैं तो 24 घंटे में विवि के लिए 14-15 घंटे काम कर रहे हैं।

### छात्रों को नहीं भटकना पड़ेगा

विवि कुलगुरु की इस पहल से सबसे ज्यादा फायदा छात्रों को होगा, उनको अपने कॉपी की जानकारी मात्र सेकण्डों में मिल जाएगी। इसके लिए उन्हें आरटीआई नहीं लगानी पड़ेगी और न ही भटकना पड़ेगा। यदि बीच में कॉपी गुमती है तो यह भी स्पष्ट हो जाएगा कि कॉपी किसकी लापरवाही से गुमी है और उसको ट्रेस करने में आसानी होगी। इससे कर्मचारियों को भी राहत मिलेगी और छात्रों की कॉपियों की जानकारी एक क्लिक में वह दे सकेंगे। विवि प्रशासन की छात्रों के लिए यह एक बड़ी सौगात होगी।

> छात्रों की कॉपियां गुमने की कई शिकायतें सामने आईं, उससे उनका रिजल्ट तो प्रभावित होता है और आगे की पढ़ाई में भी समस्या होती है। विवि द्वारा एक ऐसा साफ्टवेयर तैयार किया गया है जिसमें अब कॉपियों की पूरी जानकारी कॉलेज से लेकर विवि तक फीड की जाएगी। इससे गुमने की समस्या तो खत्म होगी ही किसी प्रकार की समस्या होने पर कॉपी को तत्काल ट्रेस किया जा सकेगा। इससे छात्रों को काफी राहत मिलेगी और यही हमारी पहली प्राथमिकता है।
>
> **डॉ.राजेन्द्र कुमार कुड़ारिया, कुलगुरु एपीएसयू रीवा**


प्रवेश-प्रारंभ
पं. रामसुन्दर शुक्ला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, पहड़िया जिला रीवा (म.प्र.)
नई शिक्षा नीति पैटर्न
12वीं पास छात्र-छात्राओं के लिए सुनहरा अवसर
कॉलेज कोड: P494 पंजीयन - री.स. 2440
प्रवेश हेतु संपर्क करें : 9893558718, 8349220776
(राजीव विकास परिषद रीवा द्वारा संचालित)
मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा से मान्यता प्राप्त एवं अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा से सम्बद्ध, बार काउंसिल ऑफ इण्डिया एवं एन.सी.टी.ई. एवं एम.पी. बोर्ड भोपाल
स्नातक एवं स्नातकोत्तर में प्रवेश प्रारंभ: 15.05.2025 से 30.05.2025 तक (प्रथम चरण)
बी.ए.बी.एड. एवं बी.एस.सी.बी.एड. में प्रवेश प्रारंभ: 15.05.2025 से 30.05.2025 तक (प्रथम चरण)
डी.एल.एड. में प्रवेश प्रारंभ : 27.05.2025 से 05.06.2025 तक

| क्र. | कक्षा | पाठ्यक्रम |
|---|---|---|
| 1. | बी.ए. बी.एड. (नई शिक्षा नीति दिशा के) | चार वर्षीय पाठ्यक्रम सभी अनिवार्य विषय (बी.ए. के साथ बी. एड.) एक वर्षीय पी.जी. कोर्स करना पड़ेगा या पी.जी. के साथ पी.एच.डी.। (शिक्षक पात्रता परीक्षा वर्ग- 1,2,3 के लिए मान्य) |
| 2. | बी.एस.सी.बी.एड. (नई शिक्षा नीति दिशा के) | चार वर्षीय पाठ्यक्रम (बी.एस.सी. के साथ बी.एड.) एम.एस.सी. एक वर्ष या पी.जी. के साथ पी.एच.डी. (शिक्षक पात्रता परीक्षा- वर्ग- 1,2,3 के लिए मान्य) |
| 3. | डी.एल.एड. (32208) | दो वर्षीय पाठ्यक्रम (वर्ग-3 एवं वर्ग-2 के लिए मान्य) |
| 4. | बी.ए. (नई शिक्षा नीति दिशा के) | चार वर्षीय पाठ्यक्रम (राजनीतिशास्त्र, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, भूगोल, संस्कृत, इतिहास, हिन्दी साहित्य, अंग्रेजी साहित्य) |
| 5. | बी.कॉम (नई शिक्षा नीति दिशा के) | चार वर्षीय पाठ्यक्रम, कम्प्यूटर एप्लीकेशन सहित |
| 6. | बी.एस.सी. (नई शिक्षा नीति दिशा के) | चार वर्षीय पाठ्यक्रम- (भौतिकशास्त्र, जन्तुशास्त्र, गणित, रसायनशास्त्र, कम्प्यूटर विज्ञान, प्राणिशास्त्र) |
| 7. | एल.एल.बी. | तीन वर्षीय पाठ्यक्रम |
| 8. | एल.एल.एम. | दो वर्षीय पाठ्यक्रम (क्रिमिनल लॉ, बिजनेस लॉ, एडमिनिस्ट्रेटिव लॉ) |
| 9. | एम.एस.सी. | गणित, रसायनशास्त्र |
| 10. | एम.कॉम. | सभी अनिवार्य विषय |
| 11. | एम.ए. | समाजशास्त्र, अंग्रेजी |
| 12. | एम.एस.डब्ल्यू. | सभी अनिवार्य विषय |

सुविधाएं :- (1) नियमित छात्रों को छात्रवृत्ति की सुविधा। (2) अनुभवी अध्यापकों द्वारा पठन-पाठन। (3) राष्ट्रीय सेवा योजना। (4) कम्प्यूटर लैब एवं ऑडिटोरियम। (5) खेल-कूद की सुविधा उपलब्ध है। (6) वाहन सुविधा उपलब्ध। (7) सी.सी.टी.वी. कैमरा युक्त कक्षाएं। (8) मूट कोर्ट रूम।


## धारदार हथियार से हमला कर वृद्ध की हत्या

### जवा थाना क्षेत्र के नेदुरा गांव की घटना, आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

**जागरण, रीवा।** घर में सो रहे वृद्ध की धारदार हथियार से हत्या कर देने का मामला सामने आने से हड़कंप मच गया। घटना बीती रात जवा थाना क्षेत्र के नेदुरा गांव में सामने आई। सुबह करीब 5 बजे पुलिस को घटना की जानकारी मिली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची साथ ही एफएसएल टीम को भी जांच के लिए बुलाया गया जिसके बाद आवश्यक साक्ष्य एकत्रित कर पुलिस आरोपियों की तलाश में लगी है। फिलहाल अब तक पुलिस को आरोपियों का सुराग नहीं लगा है। मृतक के शव को पीएम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। जवा पुलिस इस अंधी हत्या के संबंध में परिजनों का बयान दर्ज कर रही है, परिजनों ने कुछ संदेहियो के संबंध में पुलिस को जानकारी दी है, जिस आधार पर पुलिस अब आरोपियों तक पहुंचे का प्रयास कर रही है। घटना के संबंध में जवा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक रामखेलावन आदिवासी 70 वर्ष निवासी नेदुरा के गले और कंधे में धारदार हथियार से कई हमले किए गए। पुलिस की प्रारंभिक जांच में कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या की आशंका है।

### पड़ोसियों से चल रहा था विवाद

बताया गया कि मृतक रामखेलावन की तीन बेटियां हैं, उसके पुत्र नहीं था। एक बेटी का परिवार उसके साथ नेदुरा में रहता था। परिजनों ने पड़ोसी पर हत्या की आशंका जाहिर की है। बताया गया कि बुजुर्ग रामखेलावन रात में अपने बिस्तर पर सोए हुए थे। सोते समय बदमाशों ने धारदार हथियार से कई वार किये। जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। मृतक के नाती सुरेश आदिवासी ने बताया कि उसके नाना रात में खाना खाकर सोए हुए थे। वो लोग भी दूसरे कमरे में सो रहे थे। सुबह लगभग पांच बजे जब उसकी नींद खुली तो देखा कि नाना खून से लथपथ हैं, जिसके बाद शोर शराबा सुनकर आस पड़ोस के लोग भी पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी गई। मृतक के नाती का आरोप है कि पड़ोसी आए दिन मारने की धमकियां दिया करते थे। बहरहाल पुलिस अब पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

> वृद्ध की हत्या की सूचना के बाद मौके पर पहुंचकर जरूरी साक्ष्य एकत्रित किए गए हैं। अब तक आरोपी नहीं पकड़े गए हैं। मर्ग कायम कर पूरी घटना की गंभीरता से जांच की जा रही है, जल्द ही हत्या के आरोपी पकड़े जाएंगे।
>
> **गजेंद्र सिंह, थाना प्रभारी जवा**

## बाइक चोरी के आरोपी को देवलोंद से पुलिस ने पकड़ा

**रीवा।** शहर की सिटी कोतवाली पुलिस ने 10 मई को अस्पताल चौराहा के पास से चोरी हुई एचएफ डीलक्स बाइक के आरोपी को देवलोंद के करौदिया से गिरफ्तार किया। आरोपी चोरी की बाइक को गोविंदगढ़ पहाड़ में छिपाकर रखा था, जिस पुलिस ने बरामद कर ली है। सिटी कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक बाइक क्रमांक एमपी 53 एमएफ 6353 के चोरी होने की शिकायत पर सीसीटीवी फुटेज से आरोपी क्रोपी सचिन पटेल उर्फ दुर्लभ पिता हीरालाल पटेल23 वर्ष निवासी लखौरी बाग वार्ड क्रमांक दो की पहचान कर पुलिस टीम देवलोंद के करौदिया भेजी जहां से आरोपी पकड़ा गया।

## स्कूटी सहित सवा लाख की 631 शीशी अवैध नशीली कफ सिरप पकड़ाई, 2 फरार

**जागरण, रीवा।** शहर की सिविल लाइन पुलिस ने बुधवार की सुबह स्कूटी से अवैध नशीली कफ सिरप ला रहे दो आरोपियों का पीछा किया, आरोपी तो पुलिस को देखकर भागने में सफल रहे लेकिन स्कूटी सहित 631 शीशी अवैध नशीली कफ सिरप को पुलिस ने जब्त कर लिया है। सिविल लाइन थाना प्रभारी कमलेश साहू ने बताया कि रेलवे स्टेशन की ओर से आरोपी नशीली कफ सिरप लेकर आ रहे थे, जिनका पुलिस टीम ने पीछा किया। तभी आरोपी संगम नगर ढेकहा वार्ड क्रमांक 5 के पास स्कूटी सहित नशीली कफ सिरप छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने मौके से करीब 1.25 लाख रुपए की अवैध आनरेक्स नशीली कफ सिरप सहित स्कूटी क्रमांक एमपी 17 जेडएफ 9107 को जब्त किया है, साथ ही आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर उनकी तलाश की जा रही है। बताया गया कि पुलिस स्कूटी की पहचान कर ली है, जिससे जल्द ही पुलिस आरोपियों तक पहुंचेगी। बताया गया कि सिविल लाइन टीम रेलवे स्टेशन से लौट रही थी तभी रास्ते में उसे दो संदिग्ध युवक स्कूटी में बोरी लोड किए संदिग्ध हालत में जाते दिखे। जिसके बाद पुलिस ने उनका पीछा किया तो आरोपी स्कूटी छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने करीब सवा लाख रु. कीमत की 631 शीशी नशीली कफ सिरप को जब्त कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।


S.P.MEMORIAL CONVENT ACADEMY HR. SEC. SCHOOL RATAHARI REWA (M.P.)
(ENGLISH MEDIUM CBSE PATTERN) | Nursery to 12th
Qualified Candidates with Experience Required

| S.No. | Vacancies for Specific Subjects | No. Of Post |
|---|---|---|
| 1 | PRT ENGLISH (Primaryteacher) SPOKEN MUST | 02 |
| 2 | TGT-PGT ENGLISH SPOKEN MUST | 01 |
| 3 | TGT+PGT (BIOLOGY/SCIENCE) | 01 |
| 4 | TGT+PGT (HINDI) | 01 |
| 5 | TGT SOCIAL SCIENCE | 01 |
| 6 | PGT MATHEMATICS | 01 |
| 7 | Music Teacher (M.A. Music) | 01 |
| 8 | Accountant Good skills for Communication (PGDCA) | 01 |
| 9 | Peon (Female) Minimum 10th Pass | 02 |
| 10 | School BUS Driver Minimum 8th Pass | 02 |

Eligibility Criteria of Requirements: (1) For all posts Experience of Minimum 2 year in a reputed school desirable. (2) Eligibility Graduation / Post Graduation with B.Ed. / D.Ed./ D.El.Ed. is mandatory for all teaching posts. (3) Proficiency in English and Computer knowledge in must for all teaching posts. (4) It is mandatory to attach Colour Passport size photograph with the Resume (5) Salary no constraint for deserving candidates, Schedule for work in interview & class Teaching Demo
WALK IN INTERVIEW 4th June-2025, Time: 09am to 03:00pm
Note: Last Date of Resume Submission School office 01 June 2025
BEHIND RTO OFFICE RATAHARA REWA 9179208264, 8319847881 principalspmemorialrewa@gmail.com

हमारी सेवाएं :- घुटना व कूल्हा प्रत्यारोपण। कमर दर्द / साइएटिका का दर्द। दूरबीन द्वारा लिगामेंट की सर्जरी। बच्चों की हड्डी संबंधित समस्याएं। गठिया व ऑस्टियोपोरोसिस का इलाज। फ्रैक्चर व ट्रॉमा का उपचार।
समय :- प्रतिदिन सुबह 10 से 2 बजे तक एवं सायं 4 से 6 बजे तक
संपूर्ण हड्डी व जोड़ रोग परामर्श OPD
डॉ. शान्तनु सिंह एम.बी.बी.एस, एम.एस. (आर्थोपेडिक्स) FIJR, OIJR (अहमदाबाद), फेलोशिप इन ज्वाइंट रिप्लेसमेंट
पूर्व सर्जन गर्वमेन्ट मेडिकल कालेज सागर
हड्डी एवं जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ ज्वाइंट रिप्लेसमेंट | कामप्लेक्स ट्रामा | आर्थोस्कोपी सर्जन
कामता मेडिकल ए-ब्लॉक समदड़िया, न्यू बस स्टैन्ड रीवा (म.प्र.) 9399312433 9981287311

विंध्य की एक मात्र महिला चर्म रोग विशेषज्ञ
डॉ. कोम्पल अग्रवाल MBBS, MD (Dermatology & STD)
चर्म, सौंदर्य, नाखून, बाल, यौन, एवं कुष्ठ रोग विशेषज्ञ
समय- प्रतिदिन सुबह 10 से 2 एवं शाम 4 से 7 बजे तक रविवार अवकाश
परामर्श:- दाद, खाज, खुजली, एक्जिमा, सोरायसिस, सफेद दाग, चेहरे की कील, मुहांसे, बालों का झड़ना, गंजापन, इत्यादि समस्त चर्म, नाखून, बाल एवं यौन संबंधी समस्याएं।
अत्याधुनिक Laser द्वारा Hair Removal, Tatto Removal एवं Facial की सुविधा उपलब्ध
विशेष:- Co2 एवं MNRF LASER के द्वारा पिम्पल के गड्ढे, दाग, झुर्रियाँ Stretch Marks, आदि के लिए इलाज की सुविधा
मो.-7247097637
परामर्श शुल्क 300/- सौन्दर्य क्लीनिक शॉप नं. 86 तानसेन कॉम्पलेक्स कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम के सामने सिरमौर चौराहा रीवा (म.प्र.)

लाइफ केयर हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर
आयुष्मान एवं कैशलेस द्वारा मुफ्त इलाज
कम खर्च दर्द निशान रक्तस्राव
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी
गॉलब्लॉडर, अपेंडिक्स, सभी प्रकार के हर्निया, ओवेरियन सिस्ट, डायग्नोस्टिक लैप्रोस्कोपी, हिस्ट्रैक्टमी, रेक्टप्रोलैप्स, सुडोपेन क्रियाटिक सिस्ट, पेट संबंधित सभी प्रकार के ऑपरेशन
संपर्क करें जनता कॉलेज रोड, अनन्तपुर रीवा (म.प्र.) 07662-356125, 8435896118

DTE - काउंसिलिंग कोड 608
श्री रामकृष्ण कॉलेज ऑफ फार्मेसी
पीसीआई/9649 द्वारा अनुमोदित, आरजीपीवी भोपाल द्वारा संबद्ध
डी. फार्मा
रजिस्ट्रेशन के लिए तुरंत संपर्क करें-
पता- ग्राम देवरा, गुरुकुल स्कूल के पास, चोरहटा, रीवा (म.प्र.)
मो.: 9584324641, 6262084843, 7470944611

Minerva The Medicity मिनर्वा द मेडिसिटी मल्टी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, रीवा
जन्मजात बाल्य हृदय रोग एवं बाईपास सर्जरी
आयुष्मान कार्ड के तहत नि:शुल्क इलाज
फोर्टिस हॉस्पिटल के विशेषज्ञों द्वारा
विशेष सूचना दिनांक: 06, 07, 08 जून 2025
कार्डियक सर्जरी पुन: नि:शुल्क उपलब्ध
असुविधा से बचने के लिए पूर्व में ही रजिस्ट्रेशन करवाएं
खन्ना टॉवर, पुराना बस स्टैंड, रीवा (म.प्र.) 9893516364, 8770288324 टोल-फ्री नंबर:- 18008892250

मिनर्वा आई.व्ही.एफ. (टेस्ट ट्यूब बेबी सेन्टर)
(नि: संतान दंपतियों के लिए)
कम खर्च बेहतर इलाज
सर्वश्रेष्ठ टेस्ट ट्यूब बेबी सुविधा
उपलब्ध सुविधाएँ IUI, IVF, ICSI, फ्रोजन एंब्रियो ट्रांसफर साइकिल (FET), एग फ्रीजिंग, एंब्रियो फ्रीजिंग, स्पर्म फ्रीजिंग
डॉ. ज्योति ओझा मिश्रा स्त्री एवं प्रसूति रोग नि:संतानता रोग एवं टेस्टट्यूब बेबी विशेषज्ञ MBBS, MD (ऑब्स & गायनी) फैलोशिप इन रिप्रोडक्टिव मेडिसिन एण्ड लैप्रोस्कोपिक सर्जरी
मध्यप्रदेश की प्रथम एवं अत्याधुनिक ICSI मशीन द्वारा इलाज उपलब्ध
टोल फ्री : 18008892250, मो.: 8878819362, 9303733830
खन्ना टॉवर, पुराना बस स्टैण्ड, रीवा

द हार्ट क्लीनिक
डॉ. शिरीष मिश्रा M.D. मेडिसिन, D.N.B. कार्डियोलॉजी, कंसल्टेंट इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट
हृदय रोग विशेषज्ञ
पूर्व कंसलटेन्ट - मैक्स हॉस्पिटल & B.L कपूर हॉस्पिटल, नई दिल्ली
प्रतिदिन रहेंगे उपलब्ध
परामर्श- हार्ट अटैक, सीने का दर्द, ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, सांस फूलना, दिल की धड़कन अनियमित होना, चक्कर आना, स्टेंट, पेसमेकर, वॉल्व बायपास इत्यादि के मरीजों का फालो-अप, जन्मजात हृदय रोग।
जांच सुविधाएं- इकोकार्डियोग्राफी, टी एम टी, ई सी जी, होल्टर, ए बी पी एम, अत्याधुनिक पैथोलॉजी (खून एवं मूत्र जांच)
स्थान- आराध्या मेडिकल स्टोर समदड़िया गोल्ड मॉल, शॉप नं. 27 मी एण्ड मोम्स के बगल में, बाल भारती स्कूल के सामने, सिरमौर चौक, रीवा (म.प्र.)
फोन न.- 07662 454917 मोबाइल न.: 9752244218
सभी दवाईयों पर 10% की विशेष छूट
व्यवस्थापक :- राहुल तिवारी निरंजन मेडिकल



जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उरहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता**। आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**
**कार्यालय:- मोबाइल नं रीवा-** 9098357869, 9425018958 **सतना** - 9993315949 **सीधी**-7089620900 **सिंगरौली**-9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com